THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.co
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 144 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.11 2082 मंगलवार, 19 अगस्त-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

लोकसभा में जन विश्वास विधेयक पेश : 350 से अधिक संशोधनों का प्रस्ताव, प्रवर समिति को भेजा गया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025 सोमवार को लोकसभा में पेश किया गया। हालांकि, इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। विधेयक जीवन और व्यापार को सुगम बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रावधान करता है। विधेयक पेश करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह विधेयक व्यापार को सुगम बनाने के लिए विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इसके बाद विधेयक को लोकसभा की प्रवर समिति को भेज दिया गया।

अमेरिका के साथ तनातनी के बीच

चीनी विदेश मंत्री की जयशंकर से मुलाकात

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक राजनीति में चल रही उठापटक के बीच के विदेश मंत्री वांग यी सोमवार को भारत पहुंचे। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने आज अपने समकक्ष डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। उनकी इस मुलाकात में कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ अपनी बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, 'हमारे संबंधों में एक कठिन दौर देखने के बाद, दोनों देश अब आगे बढ़ना चाहते हैं। इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से एक स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस प्रयास में हमें तीन पारस्परिक बातों-आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित को ध्यान में रखना चाहिए। मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा।' इस दौरान उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के भारत आने के लिए आभार व्यक्त किया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई बड़ी प्राथमिकता: एस जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई एक बड़ी प्राथमिकता है। जयशंकर ने उम्मीद जताई कि बातचीत से भारत और चीन के बीच स्थिर, सहकारी और भविष्य के लिए अच्छे संबंध बनेंगे। यह संबंध दोनों देशों के हितों को पूरा करेगा और चिंताओं का समाधान करेगा।

कल अजीत डोभाल से मिलेंगे चीनी विदेश मंत्री

एस जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री से कहा, आप निश्चित रूप से कल हमारे विशेष प्रतिनिधि एनएसए अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे संबंधों में किसी भी सकारात्मक गति का आधार सीमा क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति बनाए रखने की क्षमता है। यह भी आवश्यक है कि डी-एस्केलेशन प्रक्रिया आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो बड़े देशों के मिलने पर अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर बात होना स्वाभाविक है। भारत एक निष्पक्ष, संतुलित व्यवस्था चाहता है।

कल पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे वांग यी

सोमवार को एस जयशंकर से मुलाकात के बाद चीनी विदेश मंत्री सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की बातचीत के लिए मंगलवार सुबह 11 बजे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल से मिलेंगे। इसके बाद सबसे खास मीटिंग शाम 5:30 बजे होने वाली। इस समय चीनी विदेश मंत्री पीएम मोदी से मुलाकात करने वाले हैं।

पीएम मोदी ने अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु को गले लगाया

एस्ट्रोनॉट ने टैबलेट पर अंतरिक्ष के सफर की पिक्चर दिखाई, 25 को लखनऊ जाएंगे

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला से सोमवार शाम दिल्ली में मुलाकात की। पीएम मोदी ने शुभांशु से हाथ मिलाया और गले लगा लिया। पीठ थपथपाते हुए शाबाशी भी दी। शुभांशु ने टैबलेट पर उन्हें अंतरिक्ष के सफर की तस्वीरें दिखाईं। मोदी के साथ शुभांशु की ये मुलाकात करीब 20 मिनट चली।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु अमेरिका से शनिवार देर रात भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शुभांशु का स्वागत किया। लखनऊ से शुभांशु से मिलने पिता शंभु दयाल शुक्ला और बहन शुचि मिश्रा भी पहुंची थीं। उन्होंने बताया, पीएम मोदी से मिलने शुभांशु अकेले गए थे। प्रधानमंत्री ने शुभांशु से अंतरिक्ष में बताए 18 दिन के सभी एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी ली। अंतरिक्ष में किए गए प्रयोगों के बारे में जाना। पूछा, 'एक-एक प्रयोग में कितना समय लगा?

किस तरह के प्रयोग किए?' शुभांशु से यह भी पूछा कि जीरो ग्रेविटी में सर्वाइव करना कितना मुश्किल था? उनके लिए कौन-कौन से चैलेंज सामने आ रहे थे? गगनयान मिशन को लेकर भी शुभांशु से बातचीत की। शुभांशु की 21 अगस्त को दिल्ली में प्रेसवार्ता है। उसमें शुभांशु अपनी अंतरिक्ष यात्रा के बारे में देश को बताएंगे। 25 अगस्त को

शुभांशु लखनऊ आएंगे। लोकसभा की 2 बजे की कार्यवाही में एस्ट्रोनॉट शुभांशु पर चर्चा शुरू हुई। लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने दोपहर 2 बजे अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु शुक्ला पर विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा- मुझे यह देखकर पीड़ा हो रही है कि ऐसे वक्त में जब देश में जश्न का माहौल है, देशवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, अंतरिक्ष में भारत के कदम का जश्न मना रहे हैं, विपक्ष इस पर बोल भी नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा-आपकी नाराजगी सरकार से हो सकती है, एस्ट्रोनॉट से कैसे हो सकती है? शुभांशु एयरफोर्स के सिपाही हैं, किसी राजनीतिक दल से ताल्लुक नहीं है।

संजय सिंह की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से 105 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बंद करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। अदालत ने कहा कि चूंकि यह मामला पहले से ही इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित है, इसलिए वही अदालत इस पर फैसला लेगी।

मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि स्कूल बंद करने से हजारों बच्चों की शिक्षा खतरे में पड़ जाएगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मामला गंभीर है और हाईकोर्ट को इसे प्राथमिकता से निपटाना चाहिए। राज्य सरकार ने 16 जून और 24 जून को आदेश जारी कर 105 प्राथमिक विद्यालय बंद करने या उन्हें पास के अन्य स्कूलों से जोड़ने का फैसला किया। सरकार का कहना है कि इन स्कूलों में या तो कोई विद्यार्थी नामांकित नहीं था या फिर बहुत कम बच्चे पढ़ रहे थे। संजय सिंह ने अपनी याचिका में इस फैसले को मनमाना और असंवैधानिक करार दिया।

सैन्य प्रशिक्षण में दिव्यांग हुए नौजवानों की सुध लें : कोर्ट बोला-40 हजार से नहीं चलता काम

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और सेना से उन कैडेट्स की स्थिति पर जवाब मांगा है जिन्हें सैन्य प्रशिक्षण के दौरान गंभीर चोट या दिव्यांगता के कारण मेडिकल आधार पर बाहर कर दिया गया था।

अदालत ने कहा कि इन युवा कैडेट्स की हालत बेहद चिंताजनक है और सरकार को उनके लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने केंद्र से पूछा कि क्या ऐसे कैडेट्स के लिए बीमा योजना शुरू की जा सकती है। अदालत ने कहा कि जब ये युवा कठिन और जोखिम भरे प्रशिक्षण से गुजरते हैं तो उनकी सुरक्षा की भी गारंटी होनी चाहिए। अभी कैडेट्स को केवल 40,000 रुपये तक का एक्स-ग्रेशिया (सहानुभूति राशि) दिया जाता है, जो कि उनकी चिकित्सा जरूरतों के लिए काफी कम है। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि केंद्र सरकार इस राशि को बढ़ाने पर विचार करे ताकि घायल कैडेट्स का सही इलाज हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को यह भी सुझाव दिया कि जो कैडेट्स दिव्यांग हो जाते हैं, उन्हें पूरी तरह से बाहर करने के बजाय रक्षा सेवाओं से जुड़े अन्य कामों जैसे डेस्क जॉब या प्रशासनिक कामों में शामिल किया जाए। अदालत ने कहा- हम चाहते हैं कि बहादुर कैडेट्स सेना में बने रहें। हम नहीं चाहते कि चोट या दिव्यांगता उनके करियर में बाधा बने। सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 12 अगस्त को स्वतः संज्ञान में लिया था। यह कदम एक मीडिया रिपोर्ट के बाद उठाया गया, जिसमें बताया गया था कि 1985 से अब तक लगभग 500 कैडेट्स को मेडिकल आधार पर बाहर किया गया है। इनमें से ज्यादातर कैडेट्स आज भी महंगे इलाज के बोझ से जूझ रहे हैं, जबकि उन्हें केवल सीमित आर्थिक मदद मिल रही है।

बिहार एसआईआर पर चुनाव आयोग ने कहा विपक्ष की ओर से नहीं मिली कोई आपत्ति

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में विपक्ष की "वोटर अधिकार यात्रा के बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को विशेष गहन पुनरिक्षण (एसआईआर) को लेकर डेली बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन के मुताबिक, 1 अगस्त से 18 अगस्त के बीच किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

ईसीआई के अनुसार, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 1 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची पर 18 दिनों (1 अगस्त दोपहर 3 बजे से 18 अगस्त दोपहर 3 बजे तक) में किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की गई है। दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए अब केवल 14 दिन बचे हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि पिछले 18 दिनों में पात्र मतदाताओं को शामिल करने और अपात्र मतदाताओं को हटाने के लिए 45,616 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से सात दिन बाद 1,348 का निपटान किया गया है। इसके अलावा, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से 1,52,651 फॉर्म 6 (घोषणा सहित) प्राप्त हुए हैं, जिनमें बीएलए से प्राप्त छह फॉर्म शामिल हैं। ईसीआई के अनुसार, बिहार में कुल बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) 1,60,813 हैं। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए ने कोई दावा (फॉर्म 6) या आपत्ति (फॉर्म 7) दाखिल नहीं की है।

चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि नियमों के अनुसार, पात्रता दस्तावेजों की जांच के बाद दावे और आपत्तियों का निपटारा % दिनों से पहले नहीं किया जा सकता। विशेष संक्षिप्त संशोधन आदेशों के तहत, 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी मतदाता का नाम बिना जांच और उचित सुनवाई के बाद स्पष्ट आदेश के बिना नहीं हटाया जा सकता।

फिर कांग्रेस की लाइन से उल्टे चले शशि थरूर

शुभांशु शुक्ला को लेकर विपक्ष को दे डाली नसीहत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर से अपनी ही पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर विपक्ष पर तंज कसा है। इस बार मुद्दा था अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पर संसद में विशेष चर्चा को लेकर। दरअसल, विपक्ष ने शुभांशु शुक्ला पर संसद में विशेष चर्चा में भाग लेने से मना कर दिया और एसआईआर के मुद्दे पर लगातार विरोध कर रहा है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने अपने पोस्ट में शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि गिनवाते हुए विपक्ष को नसीहत दे डाली।

शशि थरूर ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा "चूंकि विपक्ष विशेष चर्चा में भाग नहीं ले रहा है, इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि कमांडर शुभांशु शुक्ला के हालिया अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) मिशन पर सभी भारतीयों को कितना गर्व है। यह हमारे देश के अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। शुक्ला के मिशन ने इसरो को अमूल्य व्यावहारिक अनुभव और डेटा प्रदान किया, जिसे सिमुलेशन में दोहराया नहीं जा सकता। प्रक्षेपण-पूर्व प्रक्रियाओं, अंतरिक्ष यान प्रणालियों और सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक प्रभावों पर उनके प्रत्यक्ष अवलोकन गगनयान मिशन को जोखिम-मुक्त और परिष्कृत बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।" वहीं, इससे पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा कि हमारे हीरो अंतरिक्ष यात्री कैप्टन सुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के सफल मिशन के बाद स्वदेश लौट आए हैं। संसद उनके इस ऐतिहासिक पड़ाव और अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं पर एक विशेष चर्चा के साथ उन्हें सम्मानित करेगी। हालांकि, विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया कि वे बिहार मतदाता विवाद पर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे - और उन्होंने ऐसा ही किया, जब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने आज दोपहर चर्चा शुरू की। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने अप्रैल-मई में हुए लोकसभा चुनाव और अक्टूबर में हुए महाराष्ट्र चुनाव में मतदाता धोखाधड़ी - चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा की 'मिलीभगत' - का आरोप लगाया है।

चुनाव आयोग सवालों का जवाब दे : गौरव गोगोई

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हाल ही में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चर्चा हुई। ईसी के सभी तर्कों को कोर्ट ने नकारा है। इसके वाबजूद ईसी ने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने राजनीतिक दलों पर सवाल उठाकर हमला किया। बेहतर ये होता कि वे ये बताते कि एसआईआर इतनी हड़बड़ी में क्यों हो रहा है। इसको लेकर वो मौन थे।

गोगोई ने कहा कि ईसी ने ये नहीं बताया कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच 70 लाख वोटर्स, लिस्ट में कहां से आए। वोटिंग की सीसीटीवी को लेकर सवाल और महादेवपुर विधानसभा में 1 लाख फर्जी वोट को लेकर भी चुनाव आयोग ने जवाब नहीं दिया। दरअसल, चुनाव आयोग ने रविवार को नई दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। राहुल गांधी का नाम लिए बिना चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने कहा था, पीपीटी प्रेजेंटेशन में दिखाया डेटा हमारा नहीं है। वोट चोरी के आरोपों पर हलफनामा दें या देश से माफी मांगे।

तेजप्रताप की नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल'

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव जनशक्ति जनता दल से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। तेजप्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने 2024 में यह पार्टी बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब उनका चुनाव चिन्ह बांसुरी था। बालेंद्र दास अध्यक्ष और प्रशांत प्रताप राष्ट्रीय महासचिव थे। सोमवार को जनशक्ति जनता दल को चुनाव आयोग से मान्यता मिल गई है। तेजप्रताप यादव चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे और 30 मिनट तक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से बात की।

चुनाव आयोग के अधिकारी ने भास्कर को बताया कि इस पार्टी को तेजप्रताप ने अपने नाम पर रजिस्टर करा लिया है। तेजप्रताप यादव ने 26 जुलाई को महुआ सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। तेजप्रताप यादव ने कहा था, 'टीम तेज प्रताप एक प्लेटफॉर्म है। हमारी टीम चुनाव में भी सभी को सपोर्ट करेगी, जो युवा पीढ़ी है, लड़ना चाहेगी, उन सबको सपोर्ट किया जाएगा।' 'पूरी उम्मीद है कि चाचा इस बार सीएम नहीं बनेंगे। जो युवा, शिक्षा, रोजगार स्वास्थ्य सेवा की बात करेगा, वही सरकार बनाएगा।' तेजप्रताप यादव ने कहा था, 'महुआ से चुनाव लड़ेंगे यह हम पहले ही बोल चुके हैं। जो विरोधी हैं, उनको खुजली चालू हो गई है। ऐसे लोग गाल खुजलाते रहेंगे। महुआ से अभी आरजेडी के मुकेश कुमार विधायक हैं।

भारत में सॉवरेन वेल्थ फंड्स ने वित्त वर्ष 25 में निवेश किए 8,426 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में लंबी अवधि के नजरिए से विदेशी निवेशक लगातार निवेश कर रहे हैं और वित्त वर्ष 25 में भी यही क्रम जारी रहा है। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि देश में सॉवरेन वेल्थ फंड्स (एसडब्ल्यूएफ) ने पिछले वित्त वर्ष में 8,426 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। सॉवरेन वेल्थ फंड्स का निवेश बढ़ाना, देश की अर्थव्यवस्था में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 24 में इन फंड्स ने 47,604 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह आंकड़ा 15,446 करोड़ रुपये का रहा था। वहीं, वित्त वर्ष 22 में इन फंड्स ने शुद्ध रूप से 3,825 करोड़ रुपये की निकासी की थी। पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल सॉवरेन और पेंशन फंडों ने भारतीय बाजार में निरंतर रुचि दिखाई है, जो इसे सबसे आशाजनक उभरते बाजारों में से एक के रूप में रेखांकित करता है। सेक्टरोल आधार पर वित्तीय सेवाओं ने वित्त वर्ष 22 और वित्त वर्ष 25 के बीच सबसे अधिक 28,562 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया, इसके बाद आईटी ने 19,135 करोड़ रुपये, हेल्थकेयर ने 7,830 करोड़ रुपये और दूरसंचार ने 7,053 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है। यह सेक्टर टेक्नोलॉजी, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर इनोवेशन में भारत की मजबूती को दर्शाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का स्थिर निवेश महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लंबे समय तक रुकने वाला निवेश होता है जो भारत की ग्रोथ स्टोरी को सपोर्ट करता है। सरकार द्वारा सुधारों, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और डिजिटल विस्तार पर जोर दिए जाने के कारण आने वाले वर्षों में भारत ग्लोबल फंड्स के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना रहने की उम्मीद है। वित्त मंत्री ने आगे बताया कि एसडब्ल्यूएफ और पेंशन फंडों से एफडीआई प्रवाह पर अलग से नजर नहीं रखी जाती है।

सरकारी संपत्ति तोड़ने का अधिकार नहीं, निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी : ओम बिरला

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों ही सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। संसद के निचले सदन में विपक्ष का बर्ताव आक्रामक होने की वजह से उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने फटकार लगाई।

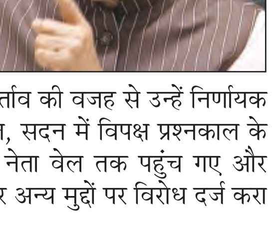

उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष के ऐसे बर्ताव की वजह से उन्हें निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ सकती है। दरअसल, सदन में विपक्ष प्रश्नकाल के दौरान हंगामा कर रहा था। विपक्ष के नेता वेल तक पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। वे एसआईआर और अन्य मुद्दों पर विरोध दर्ज करा रहे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, यदि आप उसी ताकत से सवाल पूछते हैं जिसके साथ आप नारे लगा रहे हैं, तो यह देश के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। लोगों ने आपको सरकारी संपत्ति को तोड़ने के लिए नहीं भेजा है और मैं आपसे अनुरोध करता हूं और आपको चेतावनी देता हूं कि किसी भी सदस्य को सरकारी संपत्ति को तोड़ने का विशेषाधिकार नहीं है। यदि आप सरकारी संपत्ति को तोड़ने की कोशिश करते हैं, तो मुझे कुछ निर्णायक फैसले लेने होंगे और देश के लोग आपको देखेंगे। कई विधानसभाओं में ऐसी घटनाओं के लिए सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मैं आपको फिर से चेतावनी देता हूं। सरकारी संपत्ति को नष्ट करने की कोशिश न करें। यह मेरा आपसे अनुरोध है।

संसद परिसर में विपक्षी दलों का प्रदर्शन

बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन को लेकर हंगामा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के बीच सोमवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को संदिग्ध बताते हुए विरोध जताया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। खड़गे के साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रमुक (डीएमके), वामपंथी दलों, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद भी मौजूद रहे।

नारेबाजी और पोस्टर के साथ प्रदर्शन :

इस दौरान प्रदर्शनकारी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के बाहर बड़े-बड़े बैनर और पोस्टर थाम रखे थे। इन बैनर पर लिखा था- "वोट चोरी बंद करो वहीं हाथों में लगे पोस्टरों पर "वोट चोर, गद्दी छोड़ "एसआईआर बंद करो जैसे शब्द लिखे थे। बता दें कि विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की यह कवायद दरअसल बिहार में मतदाताओं को सूची से बाहर करने की चाल है, ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल को फायदा पहुंचाया जा सके।

विपक्ष का आरोप और रणनीति :

कांग्रेस नेता नसीर हुसैन ने मीडिया से कहा कि विपक्ष हर लोकतांत्रिक तरीका अपनाएगा, ताकि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का पद केवल निष्पक्ष और ईमानदार व्यक्ति के हाथों में रहे। सूत्रों के अनुसार, विपक्ष इस मामले को और आगे बढ़ाने के लिए सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है।

संसद का गतिरोध :

विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग की है। उनका कहना है कि बिहार में यह संशोधन अभ्यास "जनता के वोट छीनने की साजिश है। इसे लेकर हर दिन विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के परिणामस्वरूप, 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में अब तक ज्यादातर कामकाज ठप रहा है। मानसून सत्र में सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर, संसद की कार्यवाही बार-बार स्थगित हो रही है और महत्वपूर्ण विधायी काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। विपक्षी सांसदों का कहना है कि वे सरकार और चुनाव आयोग पर दबाव बनाए रखेंगे। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक चाहता है।

'कौन भारत के साथ-कौन नहीं ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ'

> रक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार का बयान

संभाजीनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय के पूर्व प्रधान सलाहकार और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विनोद खंडारे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि कूटनीतिक स्तर पर भारत के साथ कौन खड़ा है और कौन नहीं। उन्होंने कहा कि युद्ध की कीमत होती है और इससे देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ता है। उन्होंने जोर दिया कि नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) पर बहुत काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह एक कमजोरी बनी रहेगी।

लेफ्टिनेंट जनरल खंडारे रविवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक कार्यक्रम में शामिल हुए, ताकि जनता से ऑपरेशन सिंदूर पर संवाद किया जा सके। यह कार्यक्रम एक स्थानीय एनजीओ ने आयोजित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को बनाया गया निशाना

इस साल 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला किया था। 26 लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी। हत्या से पहले उनके धर्म की पहचान की गई थी। इसके जवाब में भारतीय ने सेना ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया था।

'नागरिक सुरक्षा पर करना होगा काम'

जब ऑपरेशन सिंदूर के परिणामों को लेकर सवाल किया गया, तो खंडारे ने कहा, यह स्पष्ट हो गया है कि भारत के साथ कूटनीतिक रूप से कौन है और कौन नहीं। देश के अंदर भी यह स्पष्ट हो गया कि समस्याएं और कमजोर कड़ियां कहां हैं। अगर आप व्यापक रूप से सोचें तो खामियां साफतौर पर सामने आई हैं। स्वार्थी हित भी अब सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा पर भी हमें बहुत काम करना होगा, क्योंकि कमजोर कड़ी बना रहेगा।

'तकनीक के इस्तेमाल में कुशलता जरूरी'

उन्होंने आगे कहा, आज के दौर में मिसाइलों और उनकी पहुंच के कारण सब कुछ निशाने पर आ सकता है। हम जरूरी तकनीक और शोध में आगे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक का सही इस्तेमाल तब होता है, जब उसे चलाने वाला व्यक्ति कुशल हो। उन्होंने कहा, प्रयोगशाला से लेकर युद्ध क्षेत्र तक एक पूरी श्रृंखला है।

मुझे लगता है कि हमें समझ आ गया है कि हमें कहां खड़ा होना है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा को राज्य सरकारों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, ड्रोन हमले आम नागरिकों को प्रभावित करते हैं। उनके शेल्टर का क्या? सीमा राज्यों को सबसे पहले नियम बनाना चाहिए कि हर घर के नीचे एक सुरक्षा शेल्टर हो, जैसे इस्राइल और यूक्रेन में होता है। हमें दूसरों से भी सीखना चाहिए, ताकि हम वहीं गलतियां न दोहराएं।

कोच्चि में टेकऑफ से पहले एअर इंडिया प्लेन में खराबी, दिल्ली जाने वाली फ्लाइट रद्द

इसमें सवार सांसद बोले-लगा विमान रनवे पर फिसल गया

कोच्चि, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि एयरपोर्ट पर सोमवार रात एअर इंडिया के प्लेन में टेकऑफ से पहले खराबी आ गई। फ्लाइट कोच्चि से दिल्ली जाने वाली थी।

कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी। एअर इंडिया ने अपने बयान में बताया कि फ्लाइट संख्या एआई504 में उड़ान भरने के दौरान तकनीकी खराबी का पता चला। कॉकपिट क्रू ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उड़ान नहीं भरने का फैसला किया और विमान को रखरखाव जांच के लिए वापस बे में ले आए। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24.कॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फ्लाइट संख्या एआई504 को एयरबस ए321 एयरक्राफ्ट से ऑपरेट किया जाना था। सीआईएएल ने बताया कि अब एअर इंडिया दूसरे एयरक्राफ्ट से यात्रियों को दिल्ली भेजने की तैयारी कर रही है। फ्लाइट में एर्नाकुलम से कांग्रेस के लोकसभा सांसद हिबी ईडन भी सवार थे। ईडन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में बताया, 'विमान एआई 504 में कुछ एबनॉर्मल था।

दिल्ली के 3 स्कूलों को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के 3 स्कूलों को सोमवार को बम की धमकी मिली। इसके बाद एहतियात के तौर पर स्कूलों को खाली करा दिया गया। इन स्कूलों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, मॉडर्न कॉन्वेंट और श्रीराम स्कूल का नाम शामिल हैं। दिल्ली फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सुबह 7 बजे स्कूल के अंदर एक विस्फोटक उपकरण होने की सूचना मिली थी। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की कई टीमें मौके पर पहुंचीं।तलाशी में पुलिस को कोई विस्फोटक नहीं मिला। जुलाई महीने में दिल्ली समेत मुंबई और बेंगलुरु के स्कूलों को भी धमकी भरे ईमेल मिले थे, लेकिन ये मेल झूठे निकले। सुरक्षा एजेंसियों को स्कूलों में कुछ नहीं मिला।

केंद्रीय मंत्री की 'वानर' टिप्पणी पर भड़के शिक्षा मंत्री

बोले-इससे लोकतंत्र में विश्वास कम होगा

तिरुवनंतपुरम, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी की टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुरेश गोपी ने मतदाता सूची में कथित छेड़छाड़ के खिलाफ आवाज उठा रहे लोगो को वानर कहा था। इस टिप्पणी के लिए केंद्रीय मंत्री की तीखी आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में शिवकुट्टी ने कहा कि 'यह टिप्पणी अपमानजनक, दुर्भाग्यपूर्ण और अलोकतांत्रिक है।' उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के लिए यह टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है।शिवनकुट्टी ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए मतदाता सूची के बारे में शिकायतें करना जरूरी है। शिवनकुट्टी ने कहा कि ऐसी शिकायतें करने वालों का मजाक उड़ाना और उनकी निंदा करने से लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास कम होगा। उन्होंने कहा, 'सुरेश गोपी को अपनी टिप्पणी वापस लेनी चाहिए और जनता से माफी मांगनी चाहिए। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को भाषा का प्रयोग करने में सावधानी बरतनी चाहिए।' वरिष्ठ माकपा नेता ने आगे कहा कि भले ही राजनीतिक मतभेद हों, लेकिन व्यक्तिगत अपमान से बचना चाहिए।दरअसल कांग्रेस और वामपंथी दलों द्वारा मतदाता सूची में कथित छेड़खानी को लेकर आरोप लगाए हैं।

दो कारें टकराने से 8 लोग जिंदा जले

सुरेंद्रनगर हाईवे पर हुआ हादसा, मरने वालों में 10 महीने की बच्ची भी शामिल

सुरेंद्रनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुरेंद्रनगर जिले के वढवाण-लखतर हाईवे पर रविवार की शाम 2 कारों की टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 1 बच्ची समेत 8 लोग जिंदा जल गए। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़े गए और वह सड़क किनारे खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वढवाण पुलिस ने बताया कि यह हादसा वढवाण-लखतर हाईवे पर डेडादरा गांव के पास हुआ। हाईवे पर दो कारों की आमने-सामने से टक्कर हुई। टक्कर के बाद एक कार सड़क किनारे जा गिरी और उसमें आग लग गई।

चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता भाजपा की स्क्रिप्ट थी : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर जोरदार पलटवार करते हुए पूरी वार्ता को स्क्रिप्टेड इवेंट करार दिया। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग की प्रेस वार्ता में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे सिर्फ भाजपा की ओर से दिए गए स्क्रिप्ट को पढ़ रहे थे, क्योंकि इंडिया ब्लॉक ने जो सवाल उठाए, उनके जवाब नहीं मिले हैं। आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के सवालों, जैसे डुप्लीकेट वोटर्स और मल्टीपल आईडी जैसे मुद्दों के कोई ठोस जवाब नहीं दिए गए।

चतुर्वेदी ने दावा किया कि आयोग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रहा है और भाजपा इसे विपक्ष पर हमला करने के लिए हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने इसे एक स्क्रिप्टेड इवेंट बताया, जो भाजपा कार्यालय से तैयार किया गया प्रतीत होता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आयोग आधार कार्ड को वोटर कार्ड से जोड़ने के लिए तैयार था, तब प्राइवेसी का हनन नहीं माना गया, लेकिन अब सीसीटीवी फुटेज का हवाला देकर प्राइवेसी का मुद्दा उठाया जा रहा है। चुनाव आयोग संविधान को कमजोर करने में शामिल है और उसकी कार्रवाइयां, जैसे कि बिहार में एसआईआर का उपयोग संभवत भाजपा के इशारे पर तैयार किया गया है।

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों और चुनाव आयोग द्वारा उनसे शपथ पत्र या माफी मांगने की मांग पर कहा कि माफी तो चुनाव आयोग को देश से मांगनी चाहिए, क्योंकि जनता का विश्वास आयोग ने खो दिया है। आयोग भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ रहा है, और यह हास्यास्पद है कि आयोग यह सत्यापित करने में विफल रहा कि वोटर सही हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को कोई शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आयोग को जनता के खोए विश्वास के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सीपी राधाकृष्णन के नाम का समर्थन नहीं करेगी डीएमके?

द्रमुक नेता बोले-हमारा कोई भला नहीं होगा

चेन्नई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा ने तमिलनाडु से आने वाले सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में माना जा रहा है कि तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके भी सीपी राधाकृष्णन के नाम पर समर्थन दे सकती है, लेकिन डीएमके ने साफ कर दिया है कि वे राधाकृष्णन को समर्थन नहीं देंगे और विपक्षी गठबंधन के फैसले के साथ रहेंगे। डीएमके ने कहा है कि सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से तमिलनाडु का कोई भला नहीं होने वाला।

'तमिलनाडु को कोई फायदा नहीं होगा'

वरिष्ठ द्रमुक नेता टीकेएस एलंगोवन ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा कि भाजपा द्वारा महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित करने से तमिलनाडु का कोई भला नहीं होने वाला। पूर्व राज्यसभा सांसद एलंगोवन ने आश्चर्य जताया कि द्रमुक को राधाकृष्णन की उम्मीदवारी का समर्थन क्यों करना चाहिए और कहा कि उनकी पार्टी इंडी गठबंधन के फैसले का पालन करेगी, जिसमें उनकी पार्टी एक प्रमुख सहयोगी है।

'तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में हुआ फैसला'

एलंगोवन ने कहा कि राधाकृष्णन का नामांकन उनकी पदोन्नति है, लेकिन इससे तमिलनाडु का कोई भला नहीं होने वाला। केंद्र की भाजपा सरकार पर तमिलनाडु का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि 'राधाकृष्णन का नामांकन मार्च-अप्रैल 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में हुआ है।' एलंगोवन ने बताया कि 'भाजपा नेतृत्व ने यह दावा करने के लिए एक तमिल व्यक्ति को नामित किया है कि उसने तमिलों के लिए अच्छा काम किया है। इसके अलावा कार्यकाल केवल लगभग 2 वर्षों का होगा, जो जगदीप धनखड़ के कार्यकाल का शेष है।'

कैश फॉर जॉब घोटाला

पार्थ चटर्जी को 'सुप्रीम' राहत तीन महीने बाद होगी रिहाई

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले में फंसे राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई केस में पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी है। हालांकि, इस दौरान सीबीआई ने पार्थ चटर्जी की जमानत का जोरदार विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट से जानत मिलने के बाद भी पार्थ चटर्जी की रिहाई तुरंत नहीं होगी, बल्कि यह तीन महीने बाद निचली अदालत द्वारा तय किए जाने वाले बेल बॉन्ड पर निर्भर करेगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने आदेश दिया कि ट्रायल कोर्ट इस मामले में चार्ज फ्रेम करने की प्रक्रिया 4 हफ्तों के भीतर पूरी करे। इसके बाद अगले 2 महीने में गवाहों की गवाही भी पूरी की जाए। इसी प्रक्रिया के बाद पार्थ चटर्जी की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

यह पहली बार नहीं है जब पार्थ चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। इससे पहले 13 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले (ईडी केस) में उन्हें जमानत दी थी। उस आदेश के तहत भी उनकी जमानत 1 फरवरी 2025 से लागू हुई थी, यानी लगभग तीन महीने बाद। ठीक उसी तरह अब सीबीआई केस में भी उनकी रिहाई तीन महीने बाद होगी। बता दें कि पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को स्कूल जॉब के लिए कैश मामले में 151.26 करोड़ रुपए के कुल घोटाले की राशि में सबसे ज्यादा लाभार्थी दिखाया गया है, जैसा कि इसके पांचवें और अंतिम पूरक आरोपपत्र में विस्तार से बताया गया है। कोलकाता में विशेष धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में दायर पूरक आरोपपत्र के अनुसार, ईडी द्वारा अब तक जब्त की गई कुल 151.26 करोड़ रुपए की राशि में से चटर्जी और मुखर्जी की संयुक्त हिस्सेदारी पूरी राशि में 103.78 करोड़ रुपये है। जब्त की गई राशि में नकदी और सोना तथा कुर्क की गई अचल संपत्ति शामिल है।

नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर रद्द करने का हाईकोर्ट का आदेश बरकरार शीर्ष कोर्ट का फैसला

एमपी मोहन डेलकर आत्महत्या केस

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी, जिसमें पूर्व लोकसभा सांसद मोहन डेलकर को 2021 में कथित तौर पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 8 सितंबर, 2022 को मामले में नौ लोगों के खिलाफ मामला रद्द कर दिया था, जिनमें दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल खोड़ा पटेल भी शामिल थे।

2021 में मुंबई के एक होटल में मृत पाए गए थे

दादरा और नगर हवेली से सात बार सांसद रहे देलकर की मृत्यु के बाद एफआईआर दर्ज की गई थी, जो 2021 में मुंबई के एक होटल में मृत पाए गए थे। उनके कथित सुसाइड नोट में उत्पीड़न और धमकी का विस्तृत विवरण था, जिसके बाद शीर्ष नौकरशाहों और राजनीतिक

हस्तियों सहित कई लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई थी।

शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने दिवंगत सांसद के बेटे अभिनव देलकर की याचिका पर 4 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 105 प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के फैसले के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह की ओर से दायर याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने आप नेता को उनके वकील के अनुरोध पर उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी।

'जिस बैठक में पत्नी का नाम चुना गया उसमें पति का होना संदेहास्पद'

एएमयू वीसी नियुक्ति पर 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की पहली महिला वाइस चांसलर प्रोफेसर नईमा खातून की नियुक्ति के मामले पर सुनवाई करते हुए कुछ सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिस बैठक में पत्नी का नाम चुना गया, उस बैठक में पति और तत्कालीन वाइस चांसलर का मौजूद रहना संदेह पैदा करता है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने प्रोफेसर मुजफ्फर उरूज रब्बानी और प्रोफेसर फैजान मुस्तफा की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही।

खबरें जरा हटके

साइंस लेब में छिपा भूतिया साया-हैदराबाद का अनोखा कॉलेज, जहां भूत भी लगाते हैं हाजिरी

हैदराबादः हर शहर में ऐसी जगह होती है जहा की कोई इंसान नही बल्की भूत प्रेत और आत्मा रहती है और लोग वहा जाने से डरते है. हैदराबाद में ऐसी एक जगह है जिसके आसपास कोई इंसान भटकता भी नही है. यह जहां है हैदराबाद शहर के खैरताबाद साइंस कॉलेज जो हैदराबाद का सबसे डरावनी जगहों में से एक है लेकिन एक समय था जब ये कॉलेज स्टूडेंट्स की आवाज से गूंजता था और साइंस की पढ़ाई हुआ करती थी. स्थानीय निवासी उमेर बताते हैं कि खैरताबाद साइंस कॉलेज के भूतिया होने के पीछे कई कहानियां है. ऐसी कहानी है जब कॉलेज चल रहा था. इस इमारत का एक हिस्सा ढह गया. जिसके बाद इस कॉलेज को बन्द कर दिया गया. तब से आज तक इस कॉलेज की तरफ कोई आता जाता नही है. लोगों का मानना है रात में इस कॉलेज में तरह-तरह की डरावनी आवाजें आती रहती है. ऐसा लगता है कि आज भी इस कॉलेज में कोई रहता है.

मृत शरीर पर होता था परीक्षण

इस कॉलेज से जुड़ी एक और कहानी जब ये कॉलेज में पढ़ाई हुआ करती थी तब यह के साइंस लैब था. जहां मृत शरीर पर टेस्टिंग हुआ करती थी और वो भी बिना परमिशन जो गैरकानूनी जब ये बात सरकार को पता चली तो इस लैब के साथ कॉलेज को बंद कर दिया गया. लोग बताते है इस लैब में मृत शरीर ऐसी ही थी उन्हें डिस्पोज नहीं किया गया.

और उनकी आत्माएं कॉलेज में भटक रही है. इस घटना के बाद यहां सिक्योरिटी गार्ड को लगा दिया गया, उसमें एक गार्ड की कॉलेज के अंदर से लाश मिली कहा जाता है कि तैनात गार्ड को किसी की आवाज सुनाई दी जिसे देखने वो अंदर गया। उसके बाद उसका पता नही चला अगले दिन सुबह उसकी लाश मिली. इन सारी कहानियों के बाद यहां इंसान का आना जाना बंद हो गया और ये जगह हैदराबाद शहर की सबसे भूतिया जगह हो गई.

अपराध रोकने के लिए पार्क में तैनात कर दिए होलोग्राफिक पुलिसकर्मी, लोगों ने उड़ा दिया जमकर मज़ाक!

सियोल में होलोग्राफ पुलिसकर्मी

ये सच है कि केवल पुलिस की मौजूदगी से ही अपराध की संभावना तेजी से घट जाती है. पुलिस को मौके पर देखकर अपराधी सावधान हो जाते हैं और अपने बढ़ते कदम पीछे खींच लेते हैं. पुलिस की मौजूदगी ही अपराधियों मं खौफ पैदा करने के लिए काफी होती है. तो क्या फिर किसी आम आदमी को पुलिस की वर्दी पहना कर जगह जगह खड़ा कर देने से अपराध रोकने में मदद मिल सकती है. दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल की पुलिस तो इससे भी एक कदम आगे निकल गई है. उसने शहर में जगह जगह होलोग्राफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की है. आदमकद के ये वर्दीधारी पुलिसकर्मी लोगों को सुरक्षा आश्वासन और जरूरी जानाकरी देते हैं. दिलचस्प बात ये है कि जहां पुलिस को ऐसे उपाय से काफी उम्मीद है, लोग इससे ज्यादा खुश नहीं दिख रहे हैं और वे इसकी तुलना बिजूका या स्कैयरक्रो से कर रहे हैं।

कहां तैनात किए गए हैं ऐसे होलोग्राम

सियोल पुलिस ने शहर में लोगों की सुरक्षा की भावना बढ़ाने और अपराध को रोकने के उद्देश्य से जीवन-आकार के होलोग्राफिक पुलिसकर्मियों का परीक्षण शुरू किया है. हर शाम 7 बजे से 10 बजे के बीच, जंग-गु, सियोल के व्यस्त जुडोंग नंबर 3 पार्क में 170 सेंटीमीटर से अधिक ऊंचाई वाला वर्दीधारी पुलिसकर्मी दिखाई देता है और लोगों को जानकारी और निर्देश देता दिखता है।

यह होलोग्राम पुलिसकर्मी लोगों को यह याद दिलाता है कि "आपात स्थिति में पुलिस तुरंत प्रतिक्रिया करेगी" और "हर जगह निगरानी कैमरे मौजूद हैं." लेकिन यह कोई वास्तविक पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि एक 3D होलोग्राम है जिसे नागरिकों को मनोवैज्ञानिक स्थिरता प्रदान करने और अव्यवस्थित व्यवहार को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

रोज हवा से बनाया जा रहा है पानी

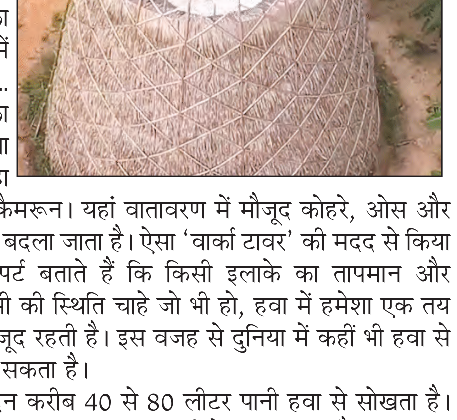

आम तौर पर हमारे घर पानी कहां से मिलता है? हैंडपंप, म्यूनिसपल कॉर्पोरेशन का नल और गांव में नदी या कुएं से... लेकिन अफ्रीका का एक देश हवा से पानी बना रहा है। यह देश है कैमरून। यहां वातावरण में मौजूद कोहरे, ओस और नमी को पानी में बदला जाता है। ऐसा 'वार्का टावर' की मदद से किया जाता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि किसी इलाके का तापमान और वातावरण में नमी की स्थिति चाहे जो भी हो, हवा में हमेशा एक तय मात्रा में भाप मौजूद रहती है। इस वजह से दुनिया में कहीं भी हवा से पानी बनाया जा सकता है।

यह टावर हर दिन करीब 40 से 80 लीटर पानी हवा से सोखता है। फुली ऑटोमैटिक यह टावर बिना बिजली के काम करता है। दरअसल, यह गुरुत्वाकर्षण और वाष्पीकरण जैसी प्राकृतिक घटनाओं से चलता है।

भारत में बनती है हवा से पानी बनाने वाली मशीन

भारत में भी 'एयर वाटर जनरेटर' बनाया और प्रयोग किया जा रहा है। यह छोटी मशीन भी हवा में मौजूद नमी को पानी में बदली है। हालांकि, इसके लिए बिजली की जरूरत होती है। साथ ही इस तरह बने पानी में यह मशीन कुछ जरूरी मिनरल्स भी मिलाती है। तेलंगाना में 'मैत्री एक्वाटेक' नाम की कंपनी यह मशीन बनाती है।

सुविचार
तारीफे फिर सुन रहा हूं, मैं कुछ लोगो से, लगता है, फिर किसी को मुझसे काम पड़ने वाला है

वोट चोरी के खिलाफ राहुल गांधी की लड़ाई के समर्थन में सीएम ने पदयात्रा की घोषणा की

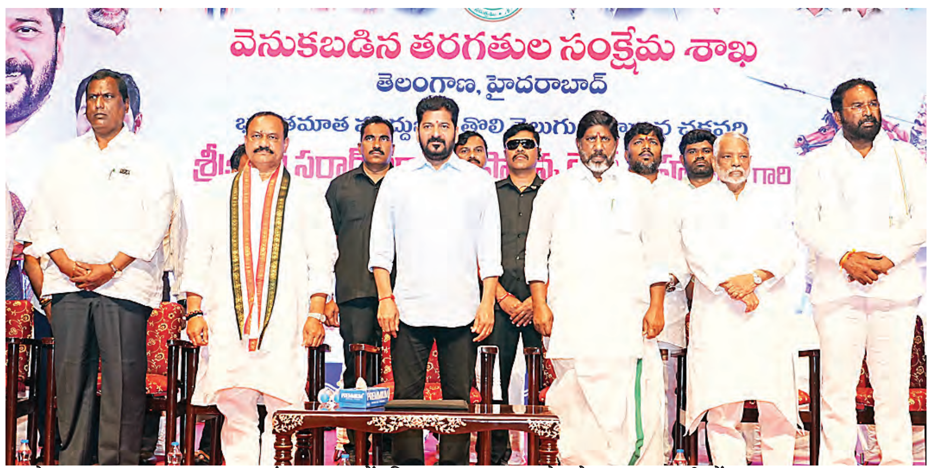

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि कुछ राजनीतिक ताकतें बिहार, महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों की तरह तेलंगाना में भी "वोट चोरी" की साजिश रच रही हैं।

सोमवार को श्री सरदार सर्वेई पापन्ना गौड़ महाराज की 375वीं जयंती समारोह में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक दलों द्वारा वोट चोरी के सभी प्रयासों को विफल कर देगी। मुख्यमंत्री ने सभी से वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क वोट चोरी के खिलाफ राहुल गांधी की लड़ाई के समर्थन में पदयात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में चार महीनों में एक करोड़ वोट दर्ज किए और इससे भाजपा को वोट चोरी के बावजूद राज्य में सत्ता में आने में मदद मिली। रेवंत रेड्डी ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। वोट चोरी घोटाले के ज़िम्मेदारों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने के बजाय राहुल गांधी से हलफ़नामा मांगने के लिए चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की। राहुल गांधी ने ही बिहार में वोट चोरी का पर्दाफ़ाश किया था, जहां विधानसभा चुनाव से पहले 65 लाख वोट काटे गए थे। जनता की सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की बात कहते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी की पिछड़े समुदायों के लिए शिक्षा, रोज़गार और राजनीतिक अवसरों में 42 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के आरक्षण के कार्यान्वयन में बाधा डालने के लिए आलोचना की। सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा वर्ग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोज़गार प्रदान करने की ज़िम्मेदारी ली थी, मुख्यमंत्री ने समुदाय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने और शासक वर्ग का हिस्सा बनने की अपील की। रेवंत रेड्डी ने ज़ोर देकर कहा कि कमज़ोर वर्ग तभी सशक्त होगा जब उन्हें सत्ता मिलेगी। उन्होंने पिछड़ा वर्ग प्रांत की स्थापना करके पिछड़ा वर्ग के सशक्तिकरण के लिए सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ द्वारा किए गए वीरतापूर्ण संघर्ष और सेवाओं को याद किया। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने खनन के नाम पर प्रसिद्ध खिलशापुर किले को नष्ट करने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा, हमने किले का दौरा किया और प्रसिद्ध किले को एक बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पापन्ना गौड़ की सेवाओं को मान्यता देते हुए, राज्य सरकार राज्य सचिवालय के पास इस प्रमुख पिछड़ा वर्ग नेता की प्रतिमा स्थापित कर रही है।

ओएमसी मामले में सबिता इंद्रा रेड्डी को उच्च न्यायालय का नोटिस

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने ओबुलापुरम खनन कंपनी (ओएमसी) के सनसनीखेज अवैध खनन मामले में पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक सबिता इंद्रा रेड्डी और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी कृपानंदम को नोटिस जारी किया है। सीबीआई द्वारा नामपल्ली सीबीआई अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए, उच्च न्यायालय ने सबिता और कृपानंदम को इस संबंध में अपने प्रतिवाद दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई 6 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले, नामपल्ली सीबीआई अदालत ने 15 साल की लंबी सुनवाई के बाद अपने अंतिम फैसले में इस मामले में पांच लोगों को दोषी और दो अन्य को निर्दोष घोषित किया था। आरोपी गली जनार्दन रेड्डी, बीवी श्रीनिवास रेड्डी, मेफाज़ अली खान, तत्कालीन खनन विभाग के निदेशक वीडी राजगोपाल को मामले में दोषी पाया गया और सजा सुनाई गई। जनार्दन रेड्डी को सात साल की जेल की सजा सुनाई गई और सभी दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, ओएमसी पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इस मामले में पूर्व खान मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी को राहत मिली। उनके साथ, तत्कालीन उद्योग सचिव कृपानंदम को भी सीबीआई अदालत ने बरी कर दिया। बाद में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सीबीआई अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ओएमसी मामले के चारों दोषियों को ज़मानत दे दी। गली जनार्दन रेड्डी के साथ, अदालत ने बीवी श्रीनिवास रेड्डी, राजगोपाल और अली खान को भी ज़मानत दी।

बाढ़ के पानी में फंसे चार लोगों और 656 भेड़ों को बचाया

नदी में एक छोटे से टापू में फंसे लोगों को अधिकारियों ने बचाया

कामारेड्डी, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिला कलेक्टर आशीष सांगवान की देखरेख में अधिकारियों ने कामारेड्डी जिले के बिचकुंडा मंडल के शेतलूर गांव में भारी बाढ़ के पानी में फंसे चार लोगों और 656 भेड़ों को बचाया।

कौलास नाला परियोजना के द्वार खुलने के कारण मंजीरा नदी में अचानक पानी बढ़ने से जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के बिचकुंडा मंडल के शेतलूर गांव का एक किसान, गुंडेकल्लूर गांव के दो भेड़पालक और जुक्कल मंडल के बासापुर का एक भेड़पालक, कुल 4 लोग और 656 से अधिक भेड़ें नदी में एक छोटे से टापू में फंस जाने की सूचना मिलने पर, जिला कलेक्टर कामारेड्डी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए।

शुरूआत में, मदनूर अग्निशमन केंद्र से 7 कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे, उसके बाद दो नावों के साथ 14 सदस्यीय एसडीआरएफ टीम, के. विनोद कुमार आरएसआई के नेतृत्व में 24 सदस्यीय 7वीं बटालियन एसडीआरएफ टीम और कामारेड्डी से 4 सदस्यीय अग्निशमन केंद्र टीम पहुंची।

इसके अलावा, डीएसपी बांसवाड़ा, सीआई बिचकुंडा, एसआई बिचकुंडा के नेतृत्व में 20 पुलिसकर्मियों, राजस्व अधिकारियों, ग्रामीणों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान में भाग लिया और पूरा सहयोग प्रदान किया।

बांसवाड़ा की उपजिलाधिकारी किरणमयी और बिचकुंडा राजस्व टीम (18 सदस्यों) की देखरेख में बचाव अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व कामारेड्डी जिला अग्निशमन अधिकारी एस. संदन्ना और निज़ामाबाद जिला अग्निशमन अधिकारी टी. परमेश्वर ने संयुक्त रूप से किया। सबसे पहले, तीन चरवाहों को बचाया गया और नदी में एक अन्य छोटे से टापू पर फंसे एक किसान को भी सफलतापूर्वक बचाया गया। आठ घंटे से अधिक समय तक चले इस बचाव अभियान में कुल 4 लोगों और 656 भेड़ों को सुरक्षित बचा लिया गया। अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ टीमों, पुलिस, राजस्व अधिकारियों और ग्रामीणों के समन्वित प्रयासों से यह एसडीआरएफ का सबसे बड़ा बचाव अभियान था। इन लोगों और भेड़ों को बचाने वाले इस बचाव अभियान में जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कंथाराव और अन्य जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र स्तर पर सक्रिय रूप से भाग लिया और सुनिश्चित किया कि कोई जनहानि न हो। इस अवसर पर, जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने कहा कि यह विशाल बचाव अभियान जिला प्रशासन और सभी विभागों की मानव जीवन और पशुधन की सुरक्षा में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इस बचाव अभियान में शामिल सभी लोगों को बधाई दी और जिले के सभी लोगों को बारिश और बाढ़ के कम होने तक सतर्क रहने की सलाह दी। मछुआरों को मछली पकड़ने नहीं जाना चाहिए, निचले पुलों और पुलों पर यात्रा नहीं करनी चाहिए जहां पानी खतरनाक रूप से बह रहा हो, मवेशियों और भेड़ों को खतरनाक धाराओं और तालाबों वाले निचले इलाकों में न ले जाएं, बिजली के खंभों से दूर रहें, और सुनिश्चित करें कि बच्चे तैरने के लिए जलाशयों के पास न जाएं। किसी भी समस्या के लिए कृपया अधिकारियों और कलेक्ट्रेट में स्थापित टोल-फ्री नंबर 08468-220069 पर संपर्क करें।

आईएमडी ने तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी दी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले दस दिनों से लगातार बारिश हो रही है और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन दिनों में और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण हो रही इस लगातार बारिश ने दैनिक जीवन को, खासकर उत्तरी जिलों में जहां बाढ़ आ गई है, काफी प्रभावित किया है। आईएमडी ने भद्राद्री कोत्तगुडेम, हनमकोंडा, महबूबाबाद, मुलुगु और वारंगल जिलों के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है और अत्यधिक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। इन प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है और निचले इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। खम्मम, कुमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, पेद्दापल्ली, सिद्दीपेट, आदिलाबाद, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ली और सूर्यापेट जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इस बीच, मेदक, निर्मल, निज़ामाबाद, राजन्ना सिरसिला, संगारेड्डी, विकाराबाद, जगितियाल, कामारेड्डी, करीमनगर और यदाद्री भुवनगिरी जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। हैदराबाद में रविवार शाम से हो रही भारी बारिश के कारण बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, खैरताबाद, बेगमपेट और पंजागुट्टा समेत कई इलाकों में पानी भर गया है। बाढ़ का पानी निचली बस्तियों में घुस गया और प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात गंभीर रूप से बाधित हुआ। छुट्टी का दिन होने के बावजूद वाहनों की भारी भीड़ के कारण लंबे समय तक जाम लगा रहा, जिससे दोपहिया वाहन सवारों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा। मूसलाधार बारिश के साथ तेज़ हवाओं के कारण कई इलाकों में बिजली गुल हो गई, जबकि मुख्य सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें बंद होने से यात्रियों की स्थिति और भी खराब हो गई।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को बचाव और राहत कार्य में लगाया गया है, जो बाढ़ के पानी को निकालने और यातायात को नियंत्रित करने के लिए काम कर रही हैं। इस बीच, राज्य सरकार ने राहत अभियान तेज कर दिया है और सभी जिला प्रशासनों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है।

नड्डा ने लोकेश को आंध्र में 29,000 मीट्रिक टन यूरिया जारी करने का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में यूरिया की कमी के संबंध में आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश द्वारा किए गए अनुरोध के बाद, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आज उन्हें 21 अगस्त तक 29,000 मीट्रिक टन यूरिया जारी करने का आश्वासन दिया। सोमवार को, आंध्र प्रदेश के मंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य, उर्वरक और रसायन मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और आंध्र प्रदेश में यूरिया की कमी को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया। लोकेश ने चालू खरीफ सीजन में यूरिया की भारी कमी पर प्रकाश डाला और कृषक समुदाय की सहायता के लिए तत्काल यूरिया आवंटित करने का आग्रह किया। इस अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, नड्डा ने इस कमी को प्रभावी ढंग से दूर करने का आश्वासन दिया और कहा कि केंद्र 21 अगस्त तक आंध्र प्रदेश को लगभग 29,000 मीट्रिक टन यूरिया जारी करेगा। इसके अलावा, लोकेश ने आंध्र प्रदेश में चल रही विभिन्न विकास गतिविधियों पर भी चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने हेतु प्रस्तावित प्लास्टिक पार्क की स्थापना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशाखापट्टनम में राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर) में स्थायी परिसर की स्थापना के बारे में भी चर्चा की। इस परियोजना के लिए 100 एकड़ ज़मीन की पहचान पहले ही कर ली गई है और इसके विकास के लिए केंद्र से आवश्यक अनुमति की आवश्यकता है। उन्होंने आंध्र प्रदेश में गठबंधन सरकार के तहत शुरू की गई विभिन्न लंबित परियोजनाओं के लिए भी केंद्र से सहयोग मांगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, R Vijaya Laxmi, W/o, JC 777586N, Sub Hony Lt, Ravipati Venkata Ranga Reddy, R/o, Medchal -Malkajgiri Dist, Telangana, changed my name from R Vijaya Laxmi to Ravipati Vijaya Laxmi vide Affidavit dt 18.08.2025.

I, Vinita Singh,W/o, JC 770380N, Sub, Arvind Singh, R/o, Agra Dist, Uttar Pradesh, changed my name from Vinita Singh to Vinitadevi vide Affidavit dt 14.08.2025.

I, Sarswati Tiwari, Mother of, No.17015851H, Hav, Rajneesh Tiwari, R/o, Satna Dist, Madhya Pradesh, changed my name from Sarswati Tiwari to Sarasvati vide Affidavit dt 18.08.2025.

I, Ragendra Tiwari, Father of,No.17015851H, Hav, Rajneesh Tiwari, R/o, Satna Dist, Madhya Pradesh, changed my name from Ragendra Tiwari to Ragendra Mani Tiwari , vide Affidavit dt 18.08.2025.

I, Poonam Devi,W/o, No. 14669477N, NK, Lal Rajeshwar Nath Shahdeo,R/o, Dist, Ranchi, Jharkhand, changed my name from Poonam Devi to Poonam Kumari vide Affidavit dt 14.08.2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केटीआर, हरीश राव ने सर्वेई पापन्ना गौड़ को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव ने सरदार सर्वेई पापन्ना गौड़ को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें बहुजन वीरता और सामाजिक न्याय का प्रतीक बताया।

रामाराव ने कहा कि पापन्ना ने उत्पीड़न के खिलाफ एक योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी और दलितों के आत्मसम्मान के लिए अथक प्रयास किया। उन्होंने कहा, यह तेलंगाना के लिए गर्व की बात है कि पापन्ना गौड़, जिन्होंने बहुजन सशक्तिकरण के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। उन्होंने लोगों से उनकी विरासत से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को पापन्ना की जयंती और पुण्यतिथि को आधिकारिक रूप से आयोजित करने का श्रेय दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आने वाली पीढ़ियां उनकी जुझारू भावना को आत्मसात करें।

पापन्ना को साहस और समानता का प्रतीक बताते हुए, हरीश राव ने कहा कि पापन्ना को सामाजिक और राजनीतिक समानता के लिए उनके प्रयासों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने दलित और बहुजन नेतृत्व को पोषित करके और उन्हें राजनीति में अवसर प्रदान करके पापन्ना के दृष्टिकोण को साकार करने का प्रयास किया है ताकि सामाजिक और राजनीतिक समानता के उनके अधूरे मिशन को आगे बढ़ाया जा सके।

हैदराबाद में बारिश : सड़कों पर गड्ढे, दैनिक आवागमन बाधित

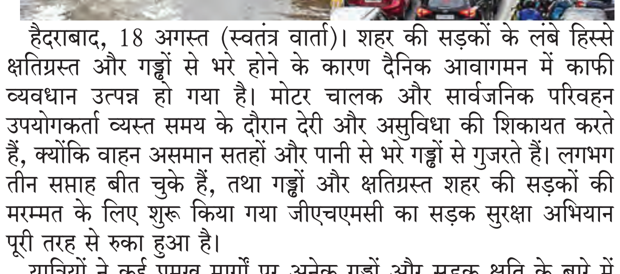

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की सड़कों के लंबे हिस्से क्षतिग्रस्त और गड्ढों से भरे होने के कारण दैनिक आवागमन में काफी व्यवधान उत्पन्न हो गया है। मोटर चालक और सार्वजनिक परिवहन उपयोगकर्ता व्यस्त समय के दौरान देरी और असुविधा की शिकायत करते हैं, क्योंकि वाहन असमान सतहों और पानी से भरे गड्ढों से गुजरते हैं। लगभग तीन सप्ताह बीत चुके हैं, तथा गड्ढों और क्षतिग्रस्त शहर की सड़कों की मरम्मत के लिए शुरू किया गया जीएचएमसी का सड़क सुरक्षा अभियान पूरी तरह से रुका हुआ है।

यात्रियों ने कई प्रमुख मार्गों पर अनेक गड्ढों और सड़क क्षति के बारे में चिंता जताई है, जिनमें बीएचईएल-गाच्चीबावली, मदीनागुडा एक्स रोड से हाईटेक सिटी, निजामपेट से केपीएचबी, भारत नगर से पंजागुट्टा, बंजारा हिल्स से मेहदीपटनम, सिकंदराबाद से एलबी नगर, एलबी नगर से हयातनगर, साइबर टावर्स से मणिकोंडा और आईटी कॉरिडोर के भीतर अन्य मार्ग शामिल हैं। मानसून की तैयारियों में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की स्पष्ट विफलता ने नागरिकों को नाराज़ कर दिया है। कई इलाकों में जलभराव और नालियों के उफान पर होने की खबरें हैं, और नगर निगम अधिकारियों की ओर से देरी से कार्रवाई की भी शिकायतें हैं।

नागरिकों ने मानसून-पूर्व गाद हटाने के अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल उठाए तथा आगे की असुविधा को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। तैयारियों की कमी ने भविष्य के मानसून मौसम को संभालने में जीएचएमसी की प्रबंधन क्षमताओं के बारे में चिंताएं पैदा कर दी हैं। जीएचएमसी अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियरिंग विंग ने अब तक शहर में कुल 10,110 गड्ढों की पहचान की है, जिनमें से 6,380 की मरम्मत पूरी हो चुकी है। 1 अगस्त को जारी जीएचएमसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दिन की तुलना में आज 497 अतिरिक्त गड्ढों की मरम्मत की गई, जिससे कुल 5,893 गड्ढों की मरम्मत पूरी हो चुकी है।

आरजीआईए ने निर्बाध यात्रा के लिए वर्चुअल सूचना कियोस्क और डिजिटल मानचित्र किए पेश

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) अब वर्चुअल सूचना कियोस्क (वीआईके) और इंटरैक्टिव टर्मिनल मानचित्रों से सुसज्जित है, जो हवाई यात्रियों को सुसंगत और अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली द्वारा संचालित है, जीएमआर एयरो के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के हिस्से जीएमआर हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (जीएचआईएएल) ने सोमवार को घोषणा की। इस योजना में चेक-इन हॉल, बोर्डिंग गेट, आगमन और सामान प्राप्ति क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से स्थापित 10 कियोस्क शामिल हैं। ये कियोस्क यात्रियों को वास्तविक समय में उड़ान अपडेट, 3डी नेविगेशन, आपातकालीन सहायता, अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए वाई-फाई एक्सेस और तत्काल फीडबैक विकल्प प्रदान करते हैं।

इसके अलावा, जीएचआईएएल ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इंटरैक्टिव टर्मिनल मानचित्र पेश किए हैं, जिससे यात्रियों को गेट, रिटेल जोन, डाइनिंग आउटलेट और आवश्यक सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ अपनी यात्रा की योजना बनाने में मदद मिलेगी। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वीआईके की प्रमुख विशेषताओं में टचस्क्रीन या बोर्डिंग पास स्कैन के माध्यम से वास्तविक समय में अपडेट, अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए पासपोर्ट-आधारित लॉगिन, मोबाइल उपकरणों पर क्यूआर कोड ट्रांसफर के साथ 3डी मानचित्र, चिकित्सा, अग्नि और सुरक्षा सहायता के लिए एसओएस अलर्ट, सेवाओं में सुधार के लिए त्वरित प्रतिक्रिया और पार्किंग, आगमन, प्रस्थान और सेवा टचपॉइंट को कवर करने वाला उपयोगकर्ता-अनुकूल डिज़ाइन शामिल हैं।

जीएचआईएएल के सीईओ प्रदीप पणिक्कर ने कहा कि बुद्धिमान कियोस्क और उन्नत डिजिटल मानचित्र हमारे डिजिटल परिवर्तन एजेंडे में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये प्रणालियां यात्रियों को उनकी हवाई अड्डे की यात्रा के दौरान निर्बाध सहायता प्रदान करके स्थिर सूचना वितरण से आगे जाती हैं। इन उपायों का उद्देश्य एक निर्बाध, सहज और विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का अनुभव प्रदान करना है।

केटीआर ने नगर निगम की अव्यवस्था को लेकर कांग्रेस को बताया 'कचरा सरकार'

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए बुनियादी नागरिक स्वच्छता बनाए रखने में नाकामी के लिए उसे 'कचरा सरकार' करार दिया। उन्होंने कहा कि लोग अस्वच्छ परिस्थितियों से जूझ रहे हैं, जबकि कांग्रेस नेता कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं। रामाराव ने एक्स से बात करते हुए कहा कि हैदराबाद और तेलंगाना के कई शहर बेतरतीब सीवेज और कचरे की बदबू से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम और स्वास्थ्य विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण लोग परेशान हैं। उन्होंने बताया कि इस लापरवाही के कारण मौसमी बीमारियों में तेज़ी आई है और सरकारी और निजी, दोनों ही अस्पतालों को मरीजों की बढ़ती संख्या से निपटने में मुश्किल हो रही है।

बीआरएस शासन के साथ तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले जीएचएमसी, नगरपालिका प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मानसून से दो महीने पहले संयुक्त समीक्षा बैठकें आयोजित करते थे ताकि निवारक उपायों के लिए कार्य योजना तैयार की जा सके। उन्होंने कहा, अब मानसून के बीच में भी ऐसी कोई तैयारी नजर नहीं आ रही है।

टोल प्लाजा पर सेना के जवान को बर्बरता से पीटा, पुलिस ने छह को किया गिरफ्तार

मेरठ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में ड्यूटी पर जा रहे सेना के एक जवान पर टोल प्लाजा कर्मचारियों ने कथित तौर पर हमला किया। इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना रविवार को सरूरपुर इलाके के भूनी टोल प्लाजा पर हुई, जब गोटका गांव का रहने वाला कपिल छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौट रहा था।

टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतार में उसकी कार फंस गई थी। कपिल ने टोल प्लाजा कर्मचारियों से वाहनों को जल्दी हटाने का आग्रह किया, जिससे विवाद हो गया। अधिकारी ने बताया कि जब बहस बढ़ गई, तो टोल प्लाजा कर्मचारियों ने कपिल की पिटाई कर दी। पुलिस ने जवान के परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। मेरठ-करनाल हाईवे पर भूनी टोल के कर्मचारियों ने रविवार रात गांव गोटका निवासी सेना के जवान कपिल पर हमला कर दिया। बचाव करने पर उसके चचेरे भाई शिवम को भी आरोपियों ने पीटा। इससे दोनों भाई घायल हो गए। ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा किया तो आरोपी भाग गए। घायल जवान के पिता कृष्णपाल की ओर से सरूरपुर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद श्रीनगर से छुट्टी पर आया था जवान

राजपूत बटालियन का जवान कांस्टेबल गोटका निवासी कपिल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान श्रीनगर में तैनात था। कांवड़ यात्रा के दौरान वह छुट्टी पर आया था। कपिल ने बताया कि सोमवार को उसे श्रीनगर में ड्यूटी पर अपनी बटालियन में आमद दर्ज करानी थी। उसकी सोमवार सुबह पांच बजे दिल्ली से फ्लाइट थी। रविवार रात 9 बजे उसका चचेरा भाई शिवम कार से उसे दिल्ली एयरपोर्ट छोड़ने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह भूनी टोल पर पहुंचे तो कार को टोल से निकलने के लिए कपिल ने कर्मचारियों को अपना आईडी कार्ड दिखाया और अवकाश पत्र भी दिखाया। यह भी बताया कि उनका गांव गोटका टोल पर छूट वाले गांवों की श्रेणी में है।

छीन लिया मोबाइल फोन और आईडी कार्ड

आरोप है कि इसके बावजूद टोल कर्मचारियों ने उनका आईडी कार्ड व मोबाइल फोन छीन लिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने हमला कर दिया। कपिल वर्दी में नहीं थे। आरोपियों ने मारपीट कर उसके कपड़े भी फाड़ दिए। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है। दोनों भाइयों ने किसी तरह जान बचाई। सूचना पुलिस व ग्रामीणों को दी। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ व पुलिस को देखकर आरोपी भाग गए। जबकि सेना के जवान व उसके चचेरे भाई के साथ मारपीट की घटना टोल पर लगे सीसीटीवी में रिकार्ड हो गई। ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा किया। एसओ अजय शुक्ला ने ग्रामीणों को समझाकर शांत किया।

500 लोगों का टोल प्लाजा पर हमला-ऑफिस, सीसीटीवी, कंप्यूटर, सब तोड़ डाला

मेरठ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ में टोल पर सेना के जवान की पिटाई के 16 घंटे बाद ठाकुर समाज के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। गोटका और आसपास के गांव के 500 से ज्यादा लोग भूनी टोल पर सोमवार दोपहर 1 बजे पहुंचे।

उन्होंने टोल ऑफिस में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जमकर पत्थर बरसाए। इसके बाद टोल पर ही धरने पर बैठ गए। एसपी देहात, एडीएम, एसडीएम समेत 8 थानों की पुलिस मौके पर है। पुलिस ने सेना के जवान और उसके भाई से मारपीट करने वाले 6 टोल कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। बाकी आरोपी टोलकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। वहीं, पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम भी मौके पर पहुंच गए। संगीत सोम ने कहा- अफसर कुर्सी पर बैठेंगे और पीड़ित जमीन पर बैठेंगे। अफसरों को जमीन पर बुलाओ। पब्लिक यहां दो घंटे से बैठी है, अफसर यहां नहीं हैं।

इन्हें समझाओ बुद्धि ठीक रखें। ऐसा न हो कि मुझे डीएम को बुलवाना पड़े। टोल पर सर्वसमाज

ने पंचायत भी बुलाई गई है। बता दें, रविवार रात सेना के जवान कपिल (26) को टोलकर्मियों ने खंभे से बांधकर पीटा था। वह श्रीनगर में राजपूत बटालियन में तैनात हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान छुट्टी पर आए थे। रविवार को श्रीनगर वापस जा रहे थे।

डूबने से सिपाही समेत नौ की जा चुकी है जान

रामगंगा और गागन नदी का जलस्तर घटा

मुरादाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद जिले में रामगंगा, गागन समेत नदियां में पानी उफान पर हैं। इससे कई इलाकों में लगातार कटाव हो रहा है। शहर और गांवों में कई जगहों पर रास्ते टूट गए हैं। जिले में 15 दिन के भीतर सिपाही समेत नौ लोगों की बाढ़ के पानी में डूबकर मौत हो चुकी है। रामगंगा नदी में आई बाढ़ से वीकनपुर पुल के दोनों तरफ के एप्रोच रोड कटने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। गांव की ओर नदी का बहाव तेज होने से लोग खौफ में हैं। गांव के लोगों का कहना है कि रामगंगा नदी का पानी गांव से करीब 100 मीटर दूर है।

गांव के अरविंद, चन्द्रप्रकाश, सुनील, सुमित, अशोक, कमल और दौलत का कहना है कि खलील के चार बीघे टीलेनुआ खेत में आम का बाग है। नदी की धार वहां बह रही है। नदी करीब पौने तीन बीघा खेत काट चुकी है। यदि बचा हिस्सा कट गया तो पानी गांव में घुस जाएगा। गांव में कटान होने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को स्थिति से अवगत करा दिया है लेकिन किसी अधिकारी ने सुध नहीं ली है। मुरादाबाद में महज दस मिनट की बारिश में ही शहर के कई मोहल्ले जलमग्न हो गए। जल निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं होने से सड़कों पर पानी भर गया और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

आईएएस अभिषेक प्रकाश के करीबी निकांत जैन की आयकर जांच शुरू

एसटीएफ से मांगे आवास और कार्यालय के दस्तावेज

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश के करीबी निकांत जैन के खिलाफ आयकर विभाग ने जांच शुरू कर दी है। आयकर विभाग ने इंवेस्ट यूपी में कमीशनखोरी का रैकेट चलाने के आरोप में निकांत को गिरफ्तार करने वाली एसटीएफ से उसके आवास और कार्यालय में मिले दस्तावेज मांगे हैं। साथ ही, जांच में सामने आए तथ्यों को भी साझा करने का अनुरोध किया है। एसटीएफ द्वारा इसे मुहैया कराने के बाद निकांत को नोटिस देकर पूछताछ के लिए तलब किया जाएगा।

आयकर विभाग की जांच इकाई ने इन्वेस्ट यूपी में कमीशनखोरी के रैकेट की जांच के तहत निकांत पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने निकांत के अलावा उसकी कंपनी के निदेशक सौरभ सेठ के बारे में भी अहम जानकारियां जुटाई हैं, जिनमें उनकी आधा दर्जन से अधिक कंपनियों के द्वारा बीते 10 वर्ष में हुए लेन-देन का ब्योरा भी शामिल है।

प्रोजेक्ट मंजूर करने के बदले कमीशन लिया गया था

इसके अलावा दोनों के बैंक खातों और संपत्तियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि आयकर विभाग निकांत के बाद आईएएस अभिषेक प्रकाश को भी जांच के दायरे में लाने की तैयारी में है। अधिकारियों को अंदेशा है कि निकांत की कंपनियों के जरिए कुछ अन्य उद्योगपतियों के प्रोजेक्ट मंजूर करने के बदले कमीशन लिया गया था।

ईडी भी भेजेगा नोटिस

निकांत और सौरभ सेठ के ठिकानों पर बीते दिनों छापे के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी दोनों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब करने जा रहा है। दोनों को इसी हफ्ते नोटिस भेजकर अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में ईडी कार्यालय बुलाया जाएगा। बता दें कि छापों के दौरान निकांत अपने आवास पर मौजूद नहीं मिला था। उसकी पत्नी ने भी उसके बारे में कोई जानकारी होने से अनभिज्ञता जता दी थी।

गाजीपुर में सनबीम स्कूल के अंदर छात्र की हत्या

गाजीपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गाजीपुर में सनबीम स्कूल के अंदर छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। तीसरे पीरियड में छात्र टॉयलेट करने के लिए बाहर निकले थे। वाशरूम के पास दो गुटों में मारपीट हो गई। इसी दौरान एक छात्र ने जेब से चाकू निकालकर अपने सीनियर छात्र आदित्य वर्मा (14) पर ताबड़तोड़ 3-4 वार किए।

सीने में चाकू लगने से छात्र लहूलुहान होकर गिर गया। मारपीट में तीन अन्य छात्र भी घायल हो गए। स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंचा और घायल छात्र को हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों आदित्य को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर हॉस्पिटल पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे का शव देखकर मां गिर पड़ी। स्कूल में हत्या की खबर से हड़कंप मच गया। पुलिस के सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे।

भाई-बहन को डसकर कमरे में ही घूमता रहा सांप

मां की आंख खुली तो मची चीख-पुकार, दोनों की मौत

मुजफ्फरनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। फुगाना थाना क्षेत्र के करौदा महाजन गांव में रविवार रात बिस्तर पर सोई कक्षा तीन की छात्रा तमन्ना और उसके भाई कक्षा दो के छात्र पारस को सांप ने डस लिया। दोनों की हालत बिगड़ने लगी तो परिजन शामली अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन दोनों की मौत हो गई।

अस्पताल से लौटते हुए परिजन दोनों को बचाने के लिए झाड़-फूंक के लिए भी लेकर गए।

करौदा महाजन निवासी राजेश कुमार पंजाब के जालंधर में प्राइवेट नौकरी करता है। उसकी पत्नि प्रतिभा अपनी बेटी तमन्ना (11) और बेटे पारस (07) के साथ गांव में रह रहती है। रविवार रात भाई-बहन बिस्तर पर सो रहे थे। इसी दौरान सांप ने पारस के होंठ और तमन्ना की उंगली पर डस दिया। देर रात दोनों की तबीयत

बिगड़ने लगी। मां की आंख खुली। गांव के ही चिकित्सक को बुलाकर दिखाया गया। चिकित्सक के सुझाव पर परिजन दोनों को शामली चिकित्सालय में ले जाने लगे। इसी दौरान कमरे के कोने में बैठा सांप दिखाई दिया। ग्रामीणों ने सांप को जिंदा पकड़वाकर जंगल में छुड़वा दिया। भाई बहन को परिजन शामली ले गए, जहां उपचार के दौरान सोमवार को दोनों की मौत हो गई। जालंधर से पिता राजेश कुमार भी अस्पताल पहुंचे। शामली से लौटते हुए परिजन दोनों बच्चों को झाड़-फूंक कराने के लिए भी लेकर पहुंचे।

करौदा में गम, घर पर पसरा सन्नाटा

ग्रामीण राजेश के घर सन्नाटा पसरा है। देर शाम तक दोनों बच्चों को लेकर परिजन नहीं पहुंचे थे। सर्पदंश की जानकारी मिलते ही सुबह से ही घर पर ग्रामीणों के पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया था।

कुत्ते से बुलेट टकराने पर महिला दरोगा की मौत

गाजियाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद में महिला दरोगा की सड़क हादसे में मौत हो गई। वे ड्यूटी करके बुलेट से अपने कमरे पर जा रही थीं।

कार्ट चौक पर अचानक सामने कुत्ता आ गया, जिससे वह बैलेंस खो बैठीं। बाइक कुत्ते से टकरा गई और दरोगा सड़क पर गिर गईं। तभी पीछे से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनको हॉस्पिटल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने महिला दरोगा को मृत घोषित कर दिया।

पूजा पाल को बाहर का रास्ता दिखाकर सपा ने दिया 2027 में सेफ पॉलिटिक्स का संदेश

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल को बाहर का रास्ता दिखाकर पिछड़ों को एक संदेश देने का काम किया है। वे 2027 के चुनाव में किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहते हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार वे इस कारण ऐसे कदम उठा रहे हैं।

जानकार बताते हैं कि सपा विधायक पूजा पाल ने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करके पार्टी के अनुशासन को तोड़ा था, लेकिन सपा मुखिया ने उसे नजरअंदाज कर उनको पार्टी में बरकरार रखा था। इसके बाद सत्र के दौरान पूजा पाल ने योगी सरकार के कसीदे पढ़कर दूसरी बड़ी गलती की, जिसे सपा प्रमुख ने बर्दाश्त नहीं किया और उन्हें पार्टी से निकाल दिया। हालांकि बताया जा रहा है कि पूजा पाल को

अखिलेश ने राज्यसभा क्रॉस वोटिंग के बाद से ही निष्कासित सूची में डाल रखा था। बस उनको मौके का इंतजार था।

विधानसभा सत्र में विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा के दौरान पूजा ने कहा कि सभी को पता है उनके पति राजू पाल की हत्या कैसे और किसने की थी। ऐसे कठिन समय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी बात सुनी और न्याय दिलाया। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया और अपराधियों को दंड दिया। आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री की ओर विश्वास से देखता है। मेरे पति के हत्यारे अतीक अहमद को मुख्यमंत्री ने अपने वादे के अनुसार मिट्टी में मिलाने का काम किया। इस बयान के बाद ही सपा ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक राजीव श्रीवास्तव कहते हैं कि पूजा पाल ने जिस प्रकार से सदन में भाजपा सरकार की तारीफ की है, वह लक्ष्मण रेखा पार करने जैसा था। ऐसे में सपा के पास कोई और विकल्प नहीं था। अब तक सपा ने जितने भी एक्शन किए हैं, चाहे विधायक राकेश प्रताप हों, मनोज पाण्डेय हों, या अभय सिंह हों, यह सभी अपर कास्ट के थे।

पूजा पाल ने भी क्रॉस वोट किया, लेकिन उनके खिलाफ एक्शन नहीं हुआ। शायद पीडीए से थीं, यही कारण होगा। राजीव श्रीवास्तव आगे कहते हैं कि अब विधानसभा चुनाव आ रहा है, इसलिए अखिलेश अब कोई रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। वो पार्टी में समर्पित लोग ही चाहते हैं जिन पर कोई संदेह न हो। अब देखना है कि अभी क्रॉस वोटिंग वाले जो बचे, उन पर क्या एक्शन होगा। क्योंकि अभी बुंदेलखंड के बागी विधायक विनोद चतुर्वेदी बचे हैं जिन पर कोई एक्शन नहीं हुआ है।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कोर्ट में किया सरेंडर

आचार संहिता उल्लंघन के मामले में हुआ था केस

मऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को मऊ के एमपी एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है।

आचार संहिता उल्लंघन के मामले में हलधरपुर थाने में उनपर मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसके बाद कोर्ट ने वारंट जारी किया था। जिस पर ओमप्रकाश राजभर ने सोमवार को कोर्ट में सरेंडर किया।

इस दौरान ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि कोर्ट से वारंट आया, जिसके बाद हम उनके समक्ष पेश होने पहुंचे। कैबिनेट मंत्री के कोर्ट में सरेंडर होने के दौरान सुभासपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार चुनाव 2025 : 'राहुल गांधी बेवजह समय बर्बाद कर रहे, जनता नकार चुकी है'

वोटर अधिकार यात्रा पर बीजेपी का हमला

मुजफ्फरपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही गरमा गई है। इसी कड़ी में राज्य सरकार के पंचायती राज मंत्री और बीजेपी नेता केदार प्रसाद गुप्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिहार में बेवजह घूमकर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। तेजस्वी यादव को बिहार और राहुल गांधी को देश की जनता पहले ही नकार चुकी है। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस और राजद दोनों ही जनता के भरोसे से बाहर हो चुके हैं। राहुल गांधी को देश की जनता ने और तेजस्वी यादव को बिहार की जनता ने नकार दिया है। अब बिहार में घूमने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। उनका जनाधार पूरी तरह खत्म हो गया है और आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इन्हें पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा देगी।

'एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर जताया भरोसा'

बीजेपी मंत्री ने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में जितना विकास कार्य किया है, उतना किसी अन्य सरकार ने आज तक नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि जनता एनडीए सरकार के कामकाज को भली-भांति देख रही है और यही कारण है कि आगामी चुनाव में विपक्ष को कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

मंत्री केदार ने एसआईआर (विशेष मतदाता पुनरीक्षण) पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों को दुर्भावनापूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि यह वही लोग हैं, जिन्होंने वर्ष 2003 में इस प्रक्रिया की शुरुआत करवाई थी और अब सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, इनका मकसद फर्जी और अवैध मतदाताओं को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि यह रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और जनता अब इनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

फर्जी आईडी तैयार कर पूजा पाल को दी धमकी

सपा नेता सोशल मीडिया पर कर रहे दावा-उमेश यादव के नाम पर विवेक सिंह का खेल

प्रयागराज, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सपा की निष्कासित विधायक पूजा पाल पर अभद्र टिप्पणी करने, सोशल मीडिया पर ट्रोल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नाराज पूजा पाल ने कर्नलगंज थाने में उमेश यादव नामक शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस इस मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ा रही है। हालांकि अब तक की जांच से जो कहानी सामने आ रही वह अजीब है। पूजा पाल ने जिस उमेश यादव पर केस दर्ज कराया है, वह फेसबुक आईडी के मुताबिक है। जबकि जांच में कहा जा रहा है कि उमेश यादव की आईडी फर्जी बनाई गई। विवेक सिंह ने यह कारनामा किया।

विवेक ने उमेश यादव की फर्जी आईडी तैयार कर पूजा पाल पर अभद्र, अश्लील कमेंट्स किए ताकि जाति विशेष को लेकर हंगामा खड़ा हो। हालांकि अब तक साफ नहीं है कि पूजा पाल को धमकी, अभद्र टिप्पणी करने वाला कौन है। अभी तक आईडी की जांच हो रही है, इसी में कहानी कुछ और नजर आ रही है। पुलिस अधिकारी इस मामले पर बोलने को तैयार नहीं लेकिन सपा नेता इसे लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय है। उनका कहना है कि उमेश यादव की प्रोफाइल विवेक सिंह ने तैयार कर इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। सपा से बर्खास्त विधायक पूजा पाल पर टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ प्रयागराज में एफआईआर दर्ज हुई है। शनिवार को विधायक की तरफ से उनके वकील ने कर्नलगंज थाने में शिकायत दी कहा- उमेश यादव नाम के शख्स ने ओछी लोकप्रियता के लिए महिला विधायक पर टिप्पणी की।

महिला को टुकड़ों में काटा 4 दिन बीते, सिर नहीं मिला

झांसी में पुलिस की 10 टीमें शिनाख्त भी नहीं करा सकी, 3 डॉक्टरों ने किया पोस्टमार्टम

झांसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी में कई टुकड़ों में काटी गई महिला की लाश का पोस्टमार्टम हुआ। महिला डॉक्टर समेत 3 डॉक्टरों के पैनल ने रेप की आशंका के चलते वजाइना स्लाइड तैयार कराई है। महिला की हत्या करके किसी धारदार हथियार से अलग-अलग टुकड़े किए गए थे। अब तक पुलिस ने 3 टुकड़ों को बरामद कर लिए हैं। सिर समेत कई पार्ट अभी गायब है। रविवार को भी पुलिस उनकी तलाश में जुटी रही। शिनाख्त के लिए पुलिस को सिर की तलाश है। आसपास के अन्य कुएं और तालाब भी तलाशे जा रहे हैं। महिला की शिनाख्त के लिए 10 पुलिस टीमें लगाई गई हैं। स्वॉट टीम को भी लगाया गया है। इसके बावजूद 4 दिन बाद भी कामयाबी हाथ नहीं आई। 13 अगस्त को टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के किशोरपुरा गांव में कुएं के अंदर दो बोरी में महिला की दो टुकड़ों में लाश मिली थी। बारिश की वजह से कुएं में लगभग 30 फीट पानी भरा था। पुलिस ने मोटर लगाकर कुएं को खाली कराया। तब एक हाथ और बरामद हो गया।

हल्के पीले रंग का ब्लाउज और साड़ी के टुकड़े मिले

महिला के टुकड़ों में बंटे शव के साथ हल्के पीले, चमकीले रंग का ब्लाउज के साथ हरे रंग की साड़ी का टुकड़ा मिला है, इसमें फूल बने हैं। दाहिने हाथ में लाल रंग का धागा बंधा हुआ है। नाखूनों में लाल रंग की नेल पॉलिश लगी हुई है। शव देखने पर उसकी उम्र करीब 30-35 वर्ष की मालूम चल रही है। शव भी करीब 5 से 7 दिन पुराना है।

फसल देखने गया था किसान, मिली लाश

किशोरपुरा गांव निवासी विनोद पटेल का एक खेत महेबा रोड पर है। वह रोजाना की तरह 13 अगस्त को अपनी फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर गए थे। खेत में बने कुएं से तेज बदबू आ रही थी। विनोद ने कुएं में झांककर देखा तो पानी में दो बोरियां तैर रही थी। जिनसे बदबू आ रही थी। विनोद ने ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। इस पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों बोरियों को कुएं से बाहर निकाला। जब बोरियों को खोला गया तो अंदर का मंजर देखकर लोग दंग रह गए। एक बोरी में महिला का गर्दन से लेकर कमर तक का हिस्सा और दूसरी बोरी में कमर से लेकर जांघ तक का हिस्सा भरा था। महिला के हाथ, पैर और सिर गायब थे। इसके बाद कुएं को खाली करवाया गया। तब एक हाथ बरामद हो गया। एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति का कहना है कि अलग-अलग पुलिस टीम लगाई गई है। आसपास गुमशुदा भी तलाशे जा रहे हैं। लोगों से पूछताछ हो रही है।

पुलिस का दावा–ज्योति ने कश्मीर डैम के वीडियो बनाए

गिरफ्तारी की भनक लग गई थी, डेटा डिलीट किया; हिसार कोर्ट ने फिर जेल भेजा

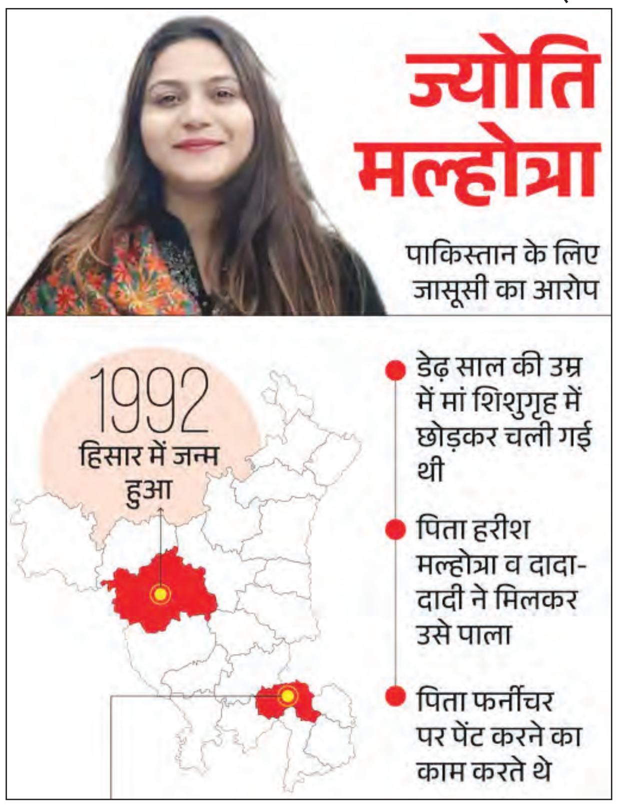

हिसार, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की आज (18 अगस्त) हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। कोर्ट ने उसे 7 दिन की न्यायिक हिरासत में फिर जेल भेज दिया। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा- 25 अगस्त को ज्योति की कोर्ट में फिजिकल पेशी होगी, जिसमें उसे चार्जशीट की कॉपी सौंपी जाएगी। हिसार पुलिस ने 14 अगस्त को कोर्ट में ज्योति के केस की 2500 पन्नों की चार्जशीट सौंपी थी। जिसमें पुलिस ने जांच के आधार पर जासूसी के सबूत होने के दावे किए हैं।

जांच से जुड़े पुलिस सूत्रों से कई अहम खबरें सामने आई हैं। हालांकि चार्जशीट की कॉपी अभी किसी को नहीं मिली है, इस वजह से औपचारिक तौर पर पुलिस के दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। यह भी दावा किया गया है कि ज्योति लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारियों और एजेंटों के संपर्क में थी। ज्योति ने भारत में संवेदनशील जगहों के न केवल वीडियो बनाए बल्कि उनको पाकिस्तानी एजेंटों को शेयर भी किया। ज्योति ने कश्मीर में डैम के वीडियो शूट किए थे। यह डैम भारत के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जाते हैं। हालांकि ज्योति ने कौन से डैम के वीडियो बनाए, अभी इसके बारे में कुछ नहीं बताया है। पुलिस ने दावा किया है कि ज्योति के वीडियो से पाकिस्तानी एजेंट्स ने कश्मीर में बन रहे डैम की लोकेशन हासिल की थी। ज्योति कश्मीर में ज्यादा से ज्यादा जगहों पर ट्रैवल करती थी। पुलिस का दावा है कि यह टूर वह आईएसआई एजेंटों के कहने पर करती थी।

> ज्योति ने गिरफ्तारी से पहले ही कुछ डेटा डिलीट किया

चार्जशीट को लेकर जांच का हिस्सा रहे एक अधिकारी ने बताया कि ज्योति काफी शातिर है और वह सवालों के सीधे जवाब नहीं देती। यहां तक कि गिरफ्तारी का उसे पहले ही आभास हो गया था, इसलिए उसने कुछ डेटा डिलीट कर दिया था।

गिरफ्तारी की सूचना मिली थी, भागने से पहले पकड़ी गई

गिरफ्तार होने की सूचना उसको पाकिस्तानी एजेंटों ने ही पहुंचाई। लेकिन, ज्योति के भागने से पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया। ज्योति ने जो डेटा डिलीट किया उसमें से कुछ रिकवर कर लिया गया है, लेकिन कुछ रिकवर होना बाकी है। ज्योति ने डिलीट डेटा के बारे में पूछताछ में कुछ नहीं बताया।

> राजस्थान में आर्मी कैंप के वीडियो भी पहुंचाए

ज्योति ने न केवल कश्मीर डैम के वीडियो बनाए बल्कि राजस्थान के बॉर्डर एरिया में जाकर सैन्य शिविरों के भी वीडियो पाकिस्तानी एजेंटों तक पहुंचाए। वह लगातार पाकिस्तानी एजेंटों से बातचीत करती थी।

इंडियन ट्रैवल एडवाइजरी का उल्लंघन किया

पुलिस का दावा है कि ज्योति को पाकिस्तान यात्रा से पहले ही ट्रैवल एडवाइजरी बता दी गई थी। इसके बावजूद ज्योति ने उसका उल्लंघन किया। पाकिस्तानी एजेंटों से नंबर शेयर किए। उनसे मीटिंग भी की।

सीमेंट कंपनी को जमीन देने पर गुवाहाटी हाईकोर्ट की आपत्ति

जज बोले-3000 बीघा जमीन प्राइवेट कंपनी को दे दी, ये कैसा मजाक

गुवाहाटी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम के दीमा हसाओ में माइनिंग के लिए एक प्राइवेट सीमेंट कंपनी (महाबल सीमेंट्स) को 3000 बीघा जमीन दिए जाने पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने कहा- दीमा हसाओ संविधान की छठी अनुसूची के तहत आता है, जहां जनजातीय अधिकारों को पहले रखा जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय कुमार मेधी ने वकील से पूछा- 3000 बीघा, पूरा जिला। ये क्या हो रहा है। हम जानते हैं कि जमीन कितनी बंजर है। यह कैसा फैसला है। क्या यह कोई मजाक है या कुछ और।

इसके बाद सीमेंट कंपनी के वकील ने कोर्ट को बताया कि जमीन बंजर थी और कंपनी चलाने के लिए इसकी जरूरत थी। इस पर जस्टिस मेधी ने कहा- यह आपकी जरूरत मुद्दा नहीं, जनहित मुद्दा है। गुवाहाटी हाईकोर्ट ग्रामीणों की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। 12 अगस्त की सुनवाई का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जस्टिस संजय को हैरानी जताते हुए देखा जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 1 सितंबर को होगी।

कंपनी का दावा- 30 साल के पट्टे पर मिली जमीन

महाबल सीमेंट्स ने अपनी याचिका में उपद्रवियों से सुरक्षा की मांग की। सीमेंट कंपनी की तरफ से एडवोकेट जी गोस्वामी ने दलीलें रखीं। उन्होंने कहा- हमें किसी की जमीन लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम एक सीमेंट कंपनी हैं। टेंडर के जरिए हमें 30 साल तक खनन का पट्टा मिला है। आदिवासियों की तरफ से पहुंचे एडवोकेट एआई कथार और ए रोंगफर ने कहा कि ग्रामीणों को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाना चाहिए। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि वह उस प्रक्रिया की जांच करेगा जिसके तहत जमीन आवंटित की गई थी।

गुजरात के नवसारी में 50 फीट ऊंचा झूला टूटकर गिरा

> दो बच्चों समेत 5 लोग घायल, ऑपरेटर गंभीर

> बिलिमोरा के सोमनाथ मंदिर में लगा है मेला

नवसारी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के नवसारी में लगे मेले में एक झूला टूटकर गिर गया। इस हादसे में 2 बच्चों समेत 5 लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं, राइड संचालक की हालत गंभीर होने के चलते उसे सूरत के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया है। मेला बिलिमोरा के सोमनाथ मंदिर में लगा हुआ है।

मेले की अनुमति शिवम एजेंसी ने ली थी। इस एजेंसी के मालिक विरल पीठवा मूल रूप से सुरेंद्रनगर के निवासी हैं। शिवम एजेंसी ने पहली बार बिलिमोरा मेले में सात अलग-अलग झूलों की परमिशन ली थी। हादसे के बाद, सोमनाथ मंदिर परिसर में सभी बड़े झूले बंद कर दिए गए हैं।

मराठा सेनापति रघुजी भोंसले की तलवार मुंबई लाई गई

> लंदन में हुई नीलामी में महाराष्ट्र सरकार ने 47.15 लाख में हासिल की

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। प्रसिद्ध मराठा सेनापति रघुजी भोंसले प्रथम की प्रसिद्ध तलवार सोमवार को मुंबई पहुंच गई। इस तलवार को महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में लंदन में आयोजित हुई नीलामी में हासिल किया। राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने बताया कि तलवार को पी.एल. देशपांडे अकादमी में रखा जाएगा, जहां आम लोग भी तलवार देख सकेंगे।

बारिश के कारण बाइक रैली रद्द की गई

आशीष शेलार ने कहा कि तलवार को सुबह लगभग 10 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विमान से लाया गया। वहां से तलवार को प्रभादेवी स्थित पी.एल. देशपांडे अकादमी ले जाया गया। उन्होंने बताया कि भारी बारिश और यातायात जाम के कारण तलवार को हवाई अड्डे से ले जाने के लिए आयोजित बाइक रैली रद्द कर दी गई। शाम को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार की उपस्थिति में होने वाला एक कार्यक्रम निर्धारित समय पर आयोजित किया जाएगा।

1817 में भारत से बाहर गई ये ऐतिहासिक तलवार

नागपुर भोंसले राजवंश के संस्थापक और छत्रपति शाहू महाराज के शासनकाल में मराठा सेना के एक प्रमुख सेनापति रहे रघुजी भोंसले प्रथम की तलवार को कुछ समय पहले एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में महाराष्ट्र सरकार ने हासिल किया था। इस प्रतिष्ठित तलवार को लंदन में एक नीलामी में 47.15 लाख रुपये में अधिग्रहित किया गया था। ऐसा माना जाता है कि यह तलवार 1817 के सीताबुल्दी युद्ध के दौरान भारत से बाहर ले जाई गई थी, जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने मराठाओं को हराया था। इस तलवार की नीलामी की खबर 28 अप्रैल को सामने आई। जिसके बाद लंदन स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया गया और नीलामी में भाग लेने के लिए एक मध्यस्थ नियुक्त किया गया।

शेल्लार ने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने और व्यक्तिगत रूप से कलाकृति को अपने कब्जे में लेने के लिए वे खुद लंदन गए थे। मंत्री ने इस अधिग्रहण को राज्य के लिए एक ऐतिहासिक जीत बताया। शेल्लार को तलवार सौंपे जाने के समय लंदन में बड़ी संख्या में मराठी भाषी नागरिक मौजूद रहे। पुरातत्व विभाग के उप निदेशक हेमंत दलवी भी इस यात्रा के दौरान मंत्री के साथ थे। नागपुर भोसले राजवंश के संस्थापक रघुजी भोंसले प्रथम (1695-1755) को छत्रपति शाहू महाराज ने उनके सैन्य कौशल के लिए 'सेनासाहब सुभा' की उपाधि प्रदान की थी।

जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो उन्हें चुनाव आयोग से कोई आपत्ति नहीं रही : चिराग पासवान

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाने को लेकर सोमवार को कांग्रेस पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस जब इतने सालों तक सत्ता से बाहर रही, तो इन्हें चुनाव आयोग से कोई आपत्ति नहीं रही।

लेकिन, आज जब यह विपक्ष में है, इन्हें कोई पूछ नहीं रहा है, तो इन लोगों को चुनाव आयोग की कार्यशैली पर शक हो रहा है। ये लोग चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र एजेंसी है, जिसका कार्य मूल रूप से निष्पक्ष चुनाव कराना है। लेकिन, ये लोग बार-बार चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। ये सभी सवाल बेबुनियाद हैं। ये लोग कह रहे हैं कि महाराष्ट्र में वोटों की चोरी हुई है, जबकि इन लोगों को जब झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत मिली थी, तो इन्होंने चुनाव आयोग पर कोई सवाल खड़े नहीं किए थे। तब इनके लिए चुनाव आयोग बिल्कुल ठीक था। लेकिन, आज इन लोगों को इलेक्शन कमीशन से दिक्कत हो रही है।

मैं समझता हूं कि यह स्थिति बिल्कुल भी ठीक नहीं है। जब राजनीतिक परिणाम इनके पक्ष में आए, तो इन लोगों को चुनाव आयोग से कोई दिक्कत नहीं रहती। लेकिन, जब परिणाम विपरीत रहे, तो इन्हें दिक्कत हो जाती है। यह दोहरा पैमाना बिल्कुल भी ठीक नहीं है। चिराग पासवान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर संकेत करते हुए कहा कि ये लोग बार-बार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। कह रहे हैं कि चुनाव प्रक्रिया में धांधली हुई है और वोटों की चोरी हुई है। आप लोग इस तरह के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन इसकी पुष्टि करने से बच रहे हैं। जब आयोग आपसे आपके आरोपों के संबंध में प्रमाणों की मांग करता है, तो आप चुप्पी साध लेते हैं। फिर, आप चुनाव आयोग से बचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने विपक्ष की कार्यशैली को निंदनीय बताया और कहा कि यह एक गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि वोटों की चोरी हुई है, तो एक संवैधानिक संस्था के पास जाकर इसकी शिकायत कर सकते हैं। लेकिन, आप जिस तरह से हो-हल्ला कर रहे हैं, ये बिल्कुल भी ठीक नहीं है। विपक्ष का यह रवैया बिल्कुल गलत है; जब उसे अपने पक्ष में राजनीतिक परिणाम नहीं मिलता है, तो वो चुनाव आयोग पर ही सवाल खड़े करना शुरू कर देते हैं।

ओंकारेश्वर दर्शन के लिए आया युवा इंजीनियर नर्मदा में बहा, चार महीने बाद होनी थी शादी

खंडवा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थ नगरी ओमकारेश्वर में एक दर्दनाक हादसे में एक युवा इंजीनियर नर्मदा नदी में बह गया। 26 वर्षीय युवा इंजीनियर रामकृष्ण बिरला अपने चार दोस्तों के साथ नर्मदा स्नान करने इंदौर से ओंकारेश्वर आए हुए थे। वे जिला खरगोन के ग्राम भूलगांव के रहने वाले थे, जोकि इंदौर में रहकर अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूर्ण कर अब करियर की शुरुआत करने वाले थे। ज्योतिर्लिंग भगवान के दर्शन करने के बाद ये सभी वापस घर जाने के लिए निकले थे। इस दौरान कुछ देर नर्मदा में डुबकी लगाने नागर घाट के करीब रुक गए। यहां यह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि इंजीनियर रामकृष्ण बिरला पिता शांतिलाल कानापुरिया अपने परिवार के इकलौते पुत्र थे।

'राजनाथ सिंह वरिष्ठ नेता, बातचीत की जरूरत होगी तो करेंगे', सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर अखिलेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति का पद खाली है। पहले जो उपराष्ट्रपति थे, वो अब कहां हैं? एक नया उपराष्ट्रपति चुना जाएगा। यह एक अच्छी बात है। हम क्या फैसला लेंगे, यह अलग बात है। हम बैठकर तय करेंगे।

उन्होंने कहा, राजनाथ सिंह एक वरिष्ठ नेता हैं। वह उत्तर प्रदेश से हैं। वह रक्षा मंत्री हैं। अगर वह बात करेंगे, हम बात करेंगे और अगर बातचीत की जरूरत होगी, तो हम बात करेंगे। लेकिन हमारी राजनीतिक लाइन स्पष्ट है। अब इंडिया ब्लॉक को फैसला करना है। चुनाव आयोग को लेकर अखिलेश यादव ने कहा, वह जानबूझकर पिछड़ी जातियों के वोट काटता है और मीडिया के जरिए यह दिखाया जाता है कि उन्हें

पिछड़ों का समर्थन मिल रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि उनके वोट ही काटे जा रहे हैं। हमारी सिर्फ इतनी मांग है कि अगर किसी जिलाधिकारी (डीएम) को सस्पेंड कर दिया जाए, तो पूरे देश में एक भी वोट नहीं कटेगा। उन्होंने आगे कहा, 2017 के चुनाव में चुनाव आयोग ने कई अधिकारियों को हटाया था। लेकिन 2019, 2022 और 2024 में एक भी अधिकारी नहीं हटाया गया। समाजवादी पार्टी की सरकार में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और गृह सचिव तक बदले गए थे, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद यूपी में एक भी अफसर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक भी शिकायत पर कोई अधिकारी नहीं हटाया गया। क्यों? इसका मतलब है कि चुनाव आयोग भाजपा की ज्यादा सुनता है। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया, छिबरामऊ के एक भाजपा विधायक ने अपने बूथ पर 400 फर्जी वोट डलवाए थे।

सड़क हादसे में मृतक के परिवार को मिलेगा 26.2 लाख का मुआवजा, एमएसीटी का आदेश

ठाणे, 18 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में 2018 में सड़क दुर्घटना में मारे गए एक व्यक्ति के परिवार को 26.2 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने मृतक के परिवार की अपील पर ऑटो चालक और बीमा कंपनी को दोषी मानते हुए मुआवजे का भुगतान करने का आदेश दिया।

बीमा कंपनी की दलील हुई खारिज

बीमा कंपनी बजाजा आलियांज जनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने दावा किया था कि पॉलिसी फर्जी और मनगढ़ंत थी और वाहन मालिक को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया। एमएसीटी ने इसे दलील को पूरी तरह से खारिज कर दिया। न्यायाधिकरण ने आर्थिक नुकसान, भविष्य की संभावनओं, अंतिम संस्कार का खर्च और अन्य खर्चों की गणना और याचिका की तिथी से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ कुल 26.2 लाख रुपये का मुआवजा निर्धारित किया।न्यायाधिकरण ने पाया कि 4 मई, 2018 को हुई यह दुर्घटना ऑटोरिक्शा चालक की तेजी गति और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई थी। उन्होंने बतााय कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन चालक तंबाकू जैसा कोई पदार्थ चबा रहा था।

बड़ी प्रशासनिक चूक : सरकारी कर्मचारी को आधार रिकॉर्ड में दिखाया मृत, फिर रोक दिया वेतन

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लोक स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारी विजय कुमार, निवासी वाल्मीकि बस्ती, रामलीला पड़ाव, रोहतक को कोविड-19 के बाद वेतन देने से इस आधार पर वंचित कर दिया गया कि आधार रिकॉर्ड में उनका स्टेट्स मृतक दर्ज है। जबकि वह जीवित हैं और नियमित रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इस प्रशासनिक चूक के कारण कर्मचारी को उसके वैध वेतन से वंचित रहना पड़ा। हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें एक चिंताजनक घटना का उल्लेख है। आयोग के सामने पेश तथ्यों से स्पष्ट होता है कि लोक स्वास्थ्य विभाग ने शिकायतकर्ता का रिकॉर्ड एचकेआरएनएल पोर्टल पर अपडेट नहीं किया, जबकि यह तथ्य उनके संज्ञान में था कि आधार में दर्ज मृतक स्टेट्स गलत है।

पंजाब के 6 जिलों में बाढ़, सतलुज–रावी उफान पर

4 में बारिश का अलर्ट, पठानकोट-तरनतारन-फाजिल्का में राहत-बचाव जारी; पौंग डैम का जलस्तर खतरे से ऊपर

अमृतसर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में आज भी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल से लगे 4 जिलों पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और रूपनगर में तेज और सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में हल्की या सामान्य बारिश होगी। पहाड़ों में हुई बारिश से पंजाब में मुश्किलें बढ़ गई हैं। पंजाब को प्रभावित करने वाले सभी डैम खतरे के करीब पहुंच गए हैं, जबकि पौंग डैम में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह पौंग डैम का जलस्तर 1382.8 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 1380 फीट से ऊपर है। इस डैम से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, भाखड़ा डैम में जलस्तर 1663.34 फीट हो गया है, जो खतरे के निशान 1680 फीट से थोड़ा कम है। रणजीत सागर डैम की बात करें तो यहां वाटर लेवल 1712.7 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 1730 फीट से थोड़ा नीचे हैं। वहीं, सुखना लेक के गेट भी खोले गए हैं, जिससे घग्गर में पानी के बढ़ने का खतरा मंडराने लगा है। इसका प्रभाव पटियाला में देखने को मिल सकता है। जम्मू-कश्मीर में बारिश के बाद रावी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। पठानकोट की कई चौकियां और सीमा क्षेत्र पानी में डूब चुके हैं। पठानकोट के कुछ गांवों में पानी 2 से 3 फीट तक बढ़ गया है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण ब्यास अपने रौद्र रूप में है। होशियारपुर, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी और तरनतारन बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं सतलुज के कारण फाजिल्का में मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। तरनतारन में हरिके हैड्स में जलस्तर बढ़ने से कई गांवों में पानी भर चुका है।

सुल्तानपुर लोधी में खालसा एड ने संभाली कमान

सुल्तानपुर लोधी में हालात खराब हो रहे हैं। जिसके बाद खालसा एड ने मदद के लिए कमान संभाली है। खालसा एड की तरफ से गांवों में फंसे जानवरों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं, गांव वालों के लिए खाने व शेल्टर का भी इंतजाम किया जा रहा है।

पठानकोट-जम्मू कश्मीर ट्रेन रूट प्रभावित

जम्मू कश्मीर में बारिश व बादल फटने के बाद जम्मू-कश्मीर का पंजाब से ट्रेन व सड़क रूट प्रभावित हुआ है। कई जगहों पर सड़कें टूट गई हैं। वहीं आज भी कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। रेलवे ने चेतावनी जारी की है कि ट्रेनों पर सफर से पहले हेल्पलाइन पर ट्रेन की स्थिति का पता करें।

पंजाब में कल भी बारिश के आसार

पंजाब में कल, मंगलवार, भी बारिश के आसार बने हुए हैं। हिमाचल प्रदेश से सटे जिलों में तेज व सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है। मंगलवार पंजाब के पठानकोट, गुरदासपुर और होशियारपुर में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार से पंजाब में दोबारा से हालात सामान्य रहेंगे। 72 घंटों तक हालात सामान्य रहने के बाद 23 अगस्त से दोबारा से राज्य में मानसून सक्रिय होगा और बारिश के आसार बनेंगे।

मुंबई में तीन दिन से भारी बारिश, जनजीवन प्रभावित

रेड अलर्ट के बीच स्कूल और कॉलेज बंद

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के निवासियों की नींद सोमवार सुबह जोरदार बारिश के साथ खुली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (विभाग) ने 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि शहर और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इस चेतावनी के बाद नगरपालिका (बीएमसी) प्रशासन ने स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित कर दी। शहर के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन हुई तेज बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं। अंधेरी सबवे और लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स जैसे निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक पर असर पड़ा। मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेनें करीब 10 मिनट की देरी से चल रही थीं। हालांकि, किसी भी सेवा को पूरी तरह बंद नहीं किया गया। मध्य रेलवे की हार्बर लाइन पर कुछ निचले इलाकों में पानी भरने और कुर्ला व तिलक नगर स्टेशनों के बीच ट्रैक चेंजिंग प्वाइंट फेल होने के कारण सेवाएं प्रभावित रहीं।

भूस्खलन से तीन एनएच समेत 400 सड़कें बंद

मानसून में अब तक 263 लोगों की गई जान

शिमला, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बरसात का कहर लगातार जारी है। जगह-जगह भूस्खलन, बाढ़ से राज्य में सैकड़ों सड़कें ठप हैं। इससे लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। राज्य में सोमवार सुबह 10:00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे सहित 400 सड़कें बंद रहीं। 883 बिजली ट्रांसफार्मर व 122 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हैं। एनएच-305, एचएच-5 व एचएच-3 पर जगह-जगह भूस्खलन होने से वाहनों की आवाजाही बाधित है। मंडी जिले में सबसे अधिक 192 सड़कें, 303 बिजली ट्रांसफार्मर व 44 जल आपूर्ति स्कीमें ठप हैं। जिला किन्नौर में पोवारी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-5 धंस गया है। यहां सड़क का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। छोटे वाहनों को वाया रिकांगपिओ-शिल्टी मार्ग से भेजा जा रहा है। वहीं भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग भी बाधित है। इससे जगह-जगह गाड़ियां फंस गई हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 19 अगस्त- 2025

विपक्ष का धर्म : आलोचना या भारत को बदनाम करना?

सुरेश गांधी

बीजेपी ने अपने लंबे विपक्षी जीवन में कभी भी भारत को बदनाम करने की राह नहीं चुनी। उन्होंने सरकार की आलोचना की, सड़क से संसद तक आंदोलन किए, किंतु भारत के लोकतंत्र और वैश्विक साख को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसके विपरीत, वर्तमान विपक्ष खासकर कांग्रेस और उसके सहयोगी ने बार-बार विदेशी मंचों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असहमति नहीं बल्कि राष्ट्रीय गरिमा के साथ खिलवाड़ कही जाएगी। बता दें, 1952 से 1977 तक लगातार कांग्रेस का वर्चस्व रहा। इस दौरान जनसंघ और बाद में जनता पार्टी के घटक दलों ने सत्ता से बाहर रहते हुए वैचारिक संघर्ष किया।

1975-77 का आपातकाल विपक्ष की परीक्षा का कालखंड था। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संघर्ष हुआ, सैकड़ों नेता जेल गए, किंतु उन्होंने भारत के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ी, न कि भारत की छवि को कलंकित किया। 1984 में भाजपा महज़ 2 सीटों तक सिमट गई। यह सबसे कठिन दौर था। किंतु पार्टी ने हार मानने की बजाय जनता के मुद्दे उठाए, रामजन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाया और संगठन विस्तार किया।

बीजेपी ने कभी विदेशी धरती से भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को असफल नहीं बताया। उन्होंने संसद को ठप किया, धरना-प्रदर्शन किए, लेकिन “भारत असफल है” या “भारत में लोकतंत्र मर गया है” जैसे बयान देने से हमेशा परहेज़ किया। जबकि 2014 से सत्ता से बाहर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की रणनीति लगातार आक्रामक रही है। आलोचना करना विपक्ष का कर्तव्य है, परंतु इसकी सीमाएँ तब लांघी जाती हैं जब विपक्ष विदेशी धरती से भारत को “अलोकतांत्रिक” या “तानाशाही” कहने लगता है। विदेशी मंचों पर भारत के खिलाफ बयानों के जरिए प्रोपेगैंडा मचाया जाता है. राहुल गांधी ने लंदन और अमेरिका में कई बार कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है, प्रेस की आज़ादी खत्म हो रही है, संस्थाएं दबाव में हैं। यह बयान केवल मोदी सरकार पर वार नहीं बल्कि भारत की लोकतांत्रिक साख पर प्रश्नचिन्ह हैं। विपक्षी दलों के नेताओं के बयानों को पश्चिमी मीडिया भारत के खिलाफ बार-बार उपयोग करता है। बीबीसी, एनवाईटी, अल जजीरा जैसी संस्थाएं इन बयानों को आधार बनाकर भारत को “असहिष्णु” या “अलोकतांत्रिक” कहने से पीछे नहीं हटतीं। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक जैसी ऐतिहासिक कार्रवाइयों पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए। जब पूरी दुनिया भारत की सैन्य क्षमता और साहस की प्रशंसा

कर रही थी, तब विपक्षी नेताओं ने सबूत मांगकर देश की सेना की मनोबल पर चोट पहुंचाई। सीएए, 370 हटाने, कृषि कानून, चुनाव आयोग या न्यायपालिका पर विपक्षी नेताओं ने ऐसे आरोप लगाए जिन्हें विदेशी ताकतें भारत विरोधी प्रोपेगेंडा के लिए भुनाती हैं। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। विपक्ष का कार्य सरकार की गलतियों को उजागर करना और बेहतर विकल्प सुझाना है। परंतु आलोचना और बदनामी में बुनियादी अंतर है। संसद में बहस, रिपोर्ट कार्ड, जनता के मुद्दों पर सवाल उठाने के बजाए विदेशी मंच से देश की छवि खराब करना, लोकतंत्र पर सवाल उठाना, सेना या संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाना विपक्ष की कार्यशैली बन चुका है। जबकि बीजेपी ने सत्ता में रहते हुए भी कांग्रेस को दुश्मन नहीं बल्कि प्रतिद्वंदी माना, जबकि वर्तमान विपक्ष ने सरकार-विरोध को देश-विरोध में बदलने की प्रवृत्ति अपनाई है। जब विपक्ष भारत की छवि पर हमला करता है तो उसका असर सिर्फ आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहता। विदेशी निवेशक असमंजस में पड़ते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भारत को “अस्थिर लोकतंत्र” बताने लगता है। वैश्विक मंचों पर भारत के नेतृत्व की क्षमता पर प्रश्न उठते हैं। आज भारत जी-20, ब्रिक्स, एससीओ जैसे मंचों पर वैश्विक नेतृत्व कर रहा है। ऐसे में विपक्ष के गैर-जिम्मेदाराना बयान न केवल सरकार को बल्कि भारत की वैश्विक साख को नुकसान पहुंचाते हैं। भारतीय जनता विपक्ष से केवल विरोध नहीं बल्कि विकल्प चाहती है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर ठोस नीति। संसद में बहस और संवाद। सकारात्मक राजनीति। बीजेपी के लंबे विपक्षी अनुभव से यही शिक्षा मिलती है कि जनता उस विपक्ष को ही महत्व देती है जो देश की गरिमा बनाए रखते हुए सरकार की गलतियों को उजागर करे। भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष का स्थान अनिवार्य है, किंतु विपक्ष का यह दायित्व भी है कि वह भारत की गरिमा को सर्वोपरि रखे। सत्ता की आलोचना और भारत की बदनामी दृ इन दोनों में स्पष्ट अंतर है। बीजेपी ने दशकों तक विपक्ष में रहते हुए लोकतांत्रिक मर्यादा निभाई। उसने सरकार की नीतियों पर आक्रामक प्रहार किए लेकिन भारत की छवि को कभी कमजोर नहीं होने दिया। इसके विपरीत, कांग्रेस और वर्तमान विपक्ष ने पिछले 11 वर्षों में बार-बार विदेशी मंचों से भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है और जनता इसके प्रति सजग है। आज जरूरत है एक रचनात्मक, सकारात्मक और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने वाले विपक्ष की, जो सत्ता को संतुलित करे लेकिन देश की छवि को कभी आहत न करे। मेरा मानना है कि भारत एक प्राचीन सभ्यता और जीवंत लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं। सत्ता जनता द्वारा चुनी गई सरकार चलाती है तो विपक्ष उस सरकार की नीतियों और फैसलों पर सवाल उठाकर उसे जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखता है।

यही लोकतांत्रिक संतुलन है। लेकिन सवाल तब उठता है जब विपक्ष अपनी इस संवैधानिक भूमिका को छोड़कर ऐसे कदम उठाए, जिनसे देश की प्रतिष्ठा और छवि को चोट पहुंचे। पिछले 11 वर्षों से लगातार यही देखने को मिल रहा है कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल हर मंच पर भारत को बदनाम करने का अवसर ढूंढ़ते हैं। विदेशों के विश्वविद्यालयों से लेकर अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मीडिया तक, विपक्षी नेता बार-बार यह कहते हुए सुने जाते हैं कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है, यहां की संस्थाएं दबाव में हैं और अल्पसंख्यकों के अधिकार छीने जा रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है, क्या यही विपक्ष की जिम्मेदारी है? आज जब कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में है तो उसकी राजनीति का केंद्र बिंदु सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार का विरोध रह गया है। यह विरोध कई बार देश की सीमाओं से बाहर जाकर, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की छवि को कमजोर करने तक पहुंच जाता है, जो गलत है। विपक्ष का अधिकार है कि वह सरकार से सवाल करे। लेकिन जब विपक्ष सरकार की आलोचना और देश की छवि को नुकसान पहुँचाने में फर्क भूल जाए तो चिंता स्वाभाविक है।

ट्रेड डील में असमंजस की स्थिति

डोनाल्ड ट्रंप के अडियल रवैए और अस्थिर नीतियों की वजह से भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत अधर में लटक गई है। देखा जाए तो यह अनिश्चितता दोनों में से किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं मानी जा रही है। इसके बावजूद अलास्का समिट में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रंप का रवैया नरम दिखाई दे रहा है जिससे थोड़ी उम्मीद जरूर जगी है। बता दें कि भारत से ट्रेड डील के लिए अमेरिकी अधिकारियों को इसी 25 तारीख को भारत आना था, लेकिन मौखिक तौर पर बताया गया कि फिलहाल अभी यह विजिट संभव नहीं होगी। नई तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, जिससे असमंजस की स्थिति बढ़ गई है। अब तक माना जा रहा था कि अगस्त आखिर या सितंबर तक दोनों देश बातचीत के जरिए एक मिनी डील तक पहुंच जाएंगे। इसके लिए दोनों के बीच कई दौर की वार्ता भी हो चुकी है, लेकिन अब सबकुछ जैसे बिल्कुल थम गया है जो द्विपक्षीय रिश्तों के लिए सही नहीं कहा जा सकता। व्यापारिक समझौते में आखिर बार-बार अड़चन क्यों आ रही है, इस बारे में अब कोई छुपी हुई बात नहीं रह गई है। देखा जाए तो ट्रंप सरकार भारत की चिंताओं को समझने और बातचीत के जरिये समाधान निकालने के बजाय दबाव की रणनीति अपना रही है। मौजूदा संकट उलझने का कारण भी यही बताया जा रहा है, क्योंकि चीन की बढ़ती मनमानी को रोकने के लिए भारत को अहम साझेदार मानने को तो तैयार है ट्रंप प्रशासन लेकिन इसके बावजूद अमेरिका आपसी संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले कदम उठा रहा है। इतिहास को खंगाला जाए तो पाएंगे कि वॉशिंगटन के लिए यह कोई नई बात नहीं है। 80 के दशक के आखिर में भी अमेरिका को जब व्यापार घाटे की चिंता सता रही थी तब उसके निशाने पर जापान था। उसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार मिला कि अगर कोई देश अमेरिका के खिलाफ अनुचित व्यापार नीतियां अपनाता है, तो उस पर टैरिफ लगाया जा सके। लेकिन, यह अधिकार मिलने के बाद तत्कालीन यूएस प्रेजिडेंट एचडब्लू बुश ने जापान के साथ-साथ भारत और अमेरिकी सहयोगियों यूरोप, दक्षिण कोरिया व ताइवान पर भी एक्स्ट्रा टैक्स लाद दिया था। 1989 में जब उन्होंने भारत को टारगेट किया था, तब भी सरकार का यही कहना था कि वह किसी दबाव में नहीं झुकेगी। तो आज एक बार फिर अमेरिका अपना कलंकित इतिहास दोहरा रहा है। ट्रंप ने सबसे बड़े चीन से सबसे पहले समझौता उसी से कर लिया। वहीं यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत जैसे सहयोगियों के प्रति उनका रुख ज्यादा अड़ियल है। ईयू ने भले डील कर ली हो, लेकिन उसके कई सदस्य देश इस फैसले से खुश नहीं हैं। ऐसे में भारत को ट्रंप प्रशासन से बात करना होगा कि अमेरिका के अतीत और आज के हालात, दोनों पर नजर रखनी होगी। यह डील अमेरिकी इकॉनमी के लिए भी उतनी ही जरूरी है, जितनी भारत के लिए। इसलिए जब भी बात होगी तो आंख में आंख डाल कर करनी होगी।

सिर्फ तस्वीर नहीं, इतिहास का आईना भी है फोटोग्राफी

प्रो. आरके जैन “अरिजीत”

फोटोग्राफी समय को एक फ्रेम में कैद करने की जादुई कला है। यह वह लेंस है जो न केवल दृश्यों को, बल्कि भावनाओं, संस्कृतियों और मानवता के अनकहे किस्सों को अमर बनाता है। 19 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व फोटोग्राफी दिवस केवल कैमरे की तकनीक का उत्सव नहीं, बल्कि उस नजरिए का सम्मान है जो दुनिया को नए रंगों और गहराइयों में देखता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक तस्वीर न सिर्फ आँखों के लिए एक दृश्य है, बल्कि वह एक कहानी, एक विचार और एक युग का दस्तावेज भी है।

फोटोग्राफी का इतिहास 19वीं सदी की प्रयोगशालाओं में शुरू हुआ, जब जोसेफ निसेफोर निएप्स ने 1826 में पहली स्थायी तस्वीर खींची, जिसे व्यू फ्रॉम द विंडो एट ले ग्रास कहा गया। यह धुंधली तस्वीर, जो आठ घंटे की रोशनी के संपर्क में रहकर बनी, ने मानव इतिहास में एक नया अध्याय खोला। इसके बाद, 1839 में लुई दागेरे की दागेरेओटाइप प्रक्रिया ने फोटोग्राफी को और सुलभ बनाया। उसी वर्ष फ्रांस सरकार ने इसे दुनिया के लिए मुफ्त घोषित किया, जिसकी स्मृति में 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसी खोज थी जिसने न केवल कला, बल्कि विज्ञान, पत्रकारिता और सामाजिक बदलाव को नया आयाम दिया।

फोटोग्राफी ने इतिहास को जीवंत दस्तावेज में बदल दिया। 1857 के भारतीय विद्रोह की तस्वीरें हों या 1969 में चंद्रमा पर नील आर्मस्ट्रांग के पहले कदम की छवि, इन तस्वीरों ने समय की धारा को रोका और हमें अतीत को महसूस करने का मौका दिया। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि फोटोग्राफी ने युद्धों, क्रांतियों और सामाजिक आंदोलनों को न केवल रिकॉर्ड किया, बल्कि उन्हें दुनिया तक पहुँचाकर बदलाव की प्रेरणा भी दी। उदाहरण के लिए, 1972 में वियतनाम युद्ध की उस तस्वीर ने, जिसमें एक नन्ही बच्ची नापाम बम के हमले से भागती दिख रही थी, पूरी दुनिया में युद्ध-विरोधी भावनाएँ भड़काईं। यह तस्वीर, जिसे निक उत ने खींचा था, आज भी फोटोग्राफी की सामाजिक शक्ति का प्रतीक है। आज फोटोग्राफी आम आदमी की जेब तक पहुँच चुकी है। स्मार्टफोन के कैमरों ने हर व्यक्ति को फोटोग्राफर बना दिया है। 2023 तक, वैश्विक स्तर पर प्रतिदिन 1.8 अरब से अधिक तस्वीरें खींची जा रही थीं, जिनमें से 80% से ज्यादा स्मार्टफोन के जरिए। यह लोकतांत्रिक क्रांति फोटोग्राफी को पहले से कहीं अधिक समावेशी बनाती है। अब कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी दूरदराज के गाँव में हो या महानगर में, अपनी कहानी को दुनिया तक पहुँचा सकता है। भारत में, जहाँ 1.4 अरब लोग रहते हैं, स्मार्टफोन की पहुँच ने ग्रामीण फोटोग्राफरों को भी सामने लाया है, जो अपनी तस्वीरों के जरिए स्थानीय संस्कृति, पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों को उजागर कर रहे हैं।

हालाँकि, डिजिटल युग ने फोटोग्राफी को नई चुनौतियाँ भी दी हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फोटो एडिटिंग सॉफ्टवेयर ने तस्वीरों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। 2024 में, एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 62% लोग ऑनलाइन देखी गई तस्वीरों पर पूरी तरह भरोसा नहीं करते। यह फोटोग्राफरों के लिए एक नैतिक जिम्मेदारी लाता है कि वे सत्य को विकृत न करें।

विश्व फोटोग्राफी दिवस इस बात पर जोर देता है कि फोटोग्राफी की शक्ति तभी सार्थक है, जब वह ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ प्रस्तुत हो। फोटोग्राफी का एक अनोखा पहलू इसकी वैश्विक भाषा है। यह वह माध्यम है जो बिना शब्दों के भावनाओं को व्यक्त करता है। चाहे वह अफ्रीका के सूखे से प्रभावित बच्चे की आँखों में छिपा दर्द हो, या हिमालय की बर्फीली चोटियों का सौंदर्य, ये तस्वीरें हर दिल तक पहुँचती हैं।

2023 में, नेशनल जियोग्राफिक की एक तस्वीर, जिसमें एक ध्रुवीय भालू पिघलते ग्लेशियर पर बैठा था, ने जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक चर्चा को नई दिशा दी। यह तस्वीर न केवल सुंदर थी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की तात्कालिकता को भी रेखांकित करती थी। फोटोग्राफी कला का एक ऐसा रूप है जो रचनात्मकता को असीमित आकाश देता है।

भाजपा ने राधाकृष्णन के नाम पर एक तीर से कई निशाने साधे हैं!

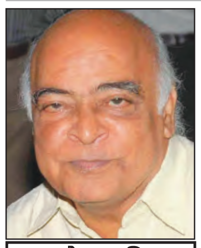

अशोक भाटिया

कई बार ऐसा होता है कि विपक्ष अपनी रणनीति बना लेता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस रणनीति के बीच अचानक ऐसा दांव खेल देते हैं कि विपक्षी खेमा चकरा जाता है। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का नाम सामने आना ऐसा ही मास्टरस्ट्रोक है। आपको याद होगा, जब जगदीप धनखड़ को बीजेपी ने उपराष्ट्रपत‍ि के लिए कैंडिडेट चुना था तो पश्चमि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुवधिा में फंस गई थीं। क्योंक‍ि धनखड़ तब पश्चमि बंगाल के राज्यपाल हुआ करते थे और ममता विपक्षी दलों की टीम में थीं। आखरि उन्होंने धनखड़ को समर्थन देने का ऐलान कर दयिा। अब यही दुवधिा उद्धव ठाकरे और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालनि के सामने आ गई है।

पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन का नाम आगे बढ़ाकर इन दोनों नेताओं के लिए मुश्कलिें बढ़ा दी हैं। उद्धव ठाकरे के लिए मुश्कलि ये है क‍ि अगर वे राधाकृष्णन को समर्थन नहीं देते हैं, तो यह सीधा मैसेज जाएगा कि उन्होंने अपने ही राज्यपाल के खिलाफ जाकर वोट किया। राजनीति में यह बात जनता और विपक्ष दोनों ही आसानी से पकड़ लेते हैं। यही वजह है कि संजय राउत ने तुरंत कहा, राधाकृष्णन जी बहुत अच्छे इंसान हैं, विवादास्पद नहीं हैं और उनके पास अनुभव है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। संजय राउत का बयान संकेत है कि उद्धव ठाकरे इस मामले में बहुत आगे जाकर खुलकर विरोध नहीं कर पाएंगे। उनके पास सिर्फ दो विकल्प हैं– या तो चुप्पी साध लें या समर्थन कर दें। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी असमंजस में आएंगे। वजह यह है कि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु के हैं और उन्होंने हमेशा अपने को ‘प्राउड आरएसएस कैडर’ बताया है। अब स्टालिन अगर उन्हें समर्थन देते हैं तो डीएमके के वोटरों में सवाल उठेगा कि आखिर स्टालिन ने एक आरएसएस विचारधारा वाले नेता का समर्थन क्यों किया। और अगर विरोध करते हैं, तो यह आरोप लगेगा कि उन्होंने तमिलनाडु के सपूत को ही नकार दिया। यानी स्टालिन के लिए भी यह चुनाव ‘हां’ या ‘ना’ दोनों में फंसा हुआ है। मोदी और शाह की राजनीति की खासियत यह है कि वे चुनावी मुकाबले को सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं मानते, बल्कि उसे मनोवैज्ञानिक लड़ाई बना देते हैं। राधाकृष्णन का नाम घोषित कर वे एक तीर से तीन निशाने साध चुके हैं। उद्धव ठाकरे को मजबूर कर दिया कि वे विरोध न कर पाएं। स्टालिन को ऐसी स्थिति में डाल दिया कि कोई भी फैसला उनके लिए भारी पड़े। राहुल गांधी को कमजोर दिखा दिया, क्योंकि विपक्षी एकता अब सवालों के घेरे में आ गई। अगर उद्धव ठाकरे और स्टालिन जैसे बड़े चेहरे समर्थन की तरफ झुकते हैं, तो विपक्षी गठबंधन में दरार साफ दिखाई देगी। उनके वोट भी कम हो जाएंगे।सीपी राधाकृष्णन अनुभवी हैं। वे अभी चार राज्यों में संवैधानिक जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इनमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, पुडुचेरी, झारखंड शामिल हैं।

सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। उनका जन्म जन्म 20 अक्टूबर 1957 को हुआ था। उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की। उनका राजनीतिक सफर आरएसएस से शुरू हुआ। 1974 में वे भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। ये ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आते हैं। इनकी पत्नी का नाम आर. सुमति है। वहीं, साल 1996 में इनको भाजपा तमिलनाडु का सचिव बनाया गया। इसके बाद 1998 में कोयंबटूर से ये पहली बार लोकसभा सांसद चुने गए और 1999 में फिर से जीत का परचम लहराया। साथ ही संसद में उन्होंने टेक्सटाइल पर स्थायी समिति के अध्यक्ष के तौर पर भी काम किया है। ये पीएसयू समिति, वित्त पर परामर्श समिति और शेयर बाजार घोटाले की जांच करने वाली विशेष समिति के सदस्य भी रहे हैं।

साल 2004 में इन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को भारतीय संसदीय दल के हिस्से के रूप में संबोधित भी किया है। ये ताइवान जाने वाले पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। 2004 से 2007 तक वे भाजपा तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने 19,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा निकाली, जो 93 दिनों तक चली। इस यात्रा में उन्होंने नदियों को जोड़ने, आतंकवाद खत्म करने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जैसे मुद्दे उठाए। माना जाता है इस यात्रा से इनका राजनीतिक कद और बढ़ गया था। इसके अलावा उन्होंने दो पदयात्राएं भी कीं। 2016 से 2020 तक वे कोचीन स्थित कोयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उनके नेतृत्व में कोयर निर्यात 2532 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। 2020 से 2022 तक वे भाजपा के ऑल इंडिया प्रभारी रहे और उन्हें केरल का जिम्मा सौंपा गया। 18 फरवरी 2023 को उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने मात्र चार महीनों में राज्य के सभी 24 जिलों का दौरा किया और जनता व प्रशासन से सीधे संवाद किया। 31 जुलाई 2024 को उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। इसी बीच साल 2024 में इन्हें तेलंगाना का भी राज्यपाल बनाया गया था। इतना ही नहीं, ये पुडुचेरी के उपराज्यपाल भी बनाए जा चुके हैं। सीपी राधाकृष्णन एक अच्छे खिलाड़ी भी रहे हैं। कॉलेज स्तर पर वे टेबल टेनिस चैंपियन और लंबी दूरी के धावक रहे। इसके अलावा उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल का भी शौक रहा है। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, चीन और कई यूरोपीय देशों सहित दुनिया के कई हिस्सों की यात्राएं की हैं। एनडीए के संख्याबल को देखते हुए उनका निर्वाचन तय है। 68 साल के सीपी राधाकृष्णन उम्र के लिहाज से भी मुफीद हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उम्र 74 साल थी। सी पी राधाकृष्णनन पीएम मोदी से लंबे समय से जुड़े हैं। तमिलनाडु में उन्हें कोयंबटूर के अजातशत्रु और वाजपेयी कोयंबटूर के कहा जाता है। राधाकृष्णनन स्वच्छ छवि वाले सर्वमान्य नेता रहे हैं। वह अभी तक स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक हैं। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के उम्मीदवारों के नामों पर विपक्ष में पहले भी सेंध लगती रही है। ऐसे में राधाकृष्णन की उम्मीदवारी विपक्षी एकता की भी परीक्षा मानी जा रही है। पिछले कुछ चुनावों के उदाहरण देखें तो विभिन्न कारणों से विपक्ष के खेमे में फूट पड़ती रही है और इस बार डीएमके के सामने सबसे बड़ी दुविधा होगी। राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को एनडीए का बेहद सोचा समझा कदम माना जा रहा है। साथ ही इसे दक्षिण भारत में भाजपा की राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। विपक्ष में कैसे पड़ी फूट, इन उदाहरणों से समझिए - यूपीए ने राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिभा पाटिल को उम्मीदवार बनाया था और इस पर महाराष्ट्र की होने के नाते शिवसेना ने एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद प्रतिभा पाटिल का समर्थन किया था। इसी तरह जब यूपीए ने प्रणब मुखर्जी को जब राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था, तब भी एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद शिवसेना और जेडीयू ने उनका समर्थन किया था।

अंतरिक्ष विज्ञान और आत्मनिर्भर भारत

विशाल कुमार सिंह

स्वतंत्रता के 79 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बारहवीं बार देश को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट कहा कि आत्मनिर्भरता ही किसी भी राष्ट्र के आत्मसम्मान का वास्तविक पैमाना है। यह कथन मात्र एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों और विशेषकर अंतरिक्ष विज्ञान में आत्मनिर्भरता की लम्बी यात्रा का भी प्रतिबिंब है। आज जब भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और शीघ्र ही चौथी बनने की ओर अग्रसर है, तब अंतरिक्ष विज्ञान में उसकी उपलब्धियाँ वैश्विक पटल पर उसकी पहचान को और भी सशक्त बना रही हैं।

1947 में आज़ाद भारत की तस्वीर एक गरीब और अशिक्षित देश की थी। संसाधनों की भारी कमी थी, उद्योग-धंधे चरमराए हुए थे और शिक्षा का स्तर भी बेहद निचला था। इन हालातों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का सपना देखना कठिन था। फिर भी भारत के नीति-निर्माताओं और वैज्ञानिकों ने समझ लिया था कि अगर देश को आधुनिक दुनिया में अपनी पहचान बनानी है, तो विज्ञान और तकनीक ही उसका मजबूत आधार बन सकते हैं। यही कारण था कि स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में ही पंडित जवाहरलाल नेहरू ने वैज्ञानिक सोच को देश की विकास यात्रा का मूल मंत्र बनाया।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल 1975 को हुई, जब पहला उपग्रह ‘आर्यभट्ट’ सोवियत संघ की मदद से अंतरिक्ष में भेजा गया। यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि संसाधनों की कमी और सीमित तकनीकी क्षमता के बावजूद भारतीय वैज्ञानिकों ने यह उपलब्धि हासिल की। आर्यभट्ट की सफलता ने यह संकेत दिया कि भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। उस दौर में जब विश्व की महाशक्तियाँ अंतरिक्ष विज्ञान को हथियारों और प्रभुत्व की दृष्टि से देख रही थीं, भारत ने इसे विकास और शोध का साधन बनाया। आर्यभट्ट के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने निरंतर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ीं। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान और भू-स्थैतिक उपग्रह प्रक्षेपण यान जैसी स्वदेशी प्रणालियों के विकास ने भारत को विदेशी सहयोग पर निर्भरता से काफी हद तक मुक्त कर दिया। इसरो की सबसे बड़ी उपलब्धियों में यह रहा कि उसने कम लागत में उच्च-स्तरीय तकनीक विकसित की। यही कारण है कि आज भारत अन्य देशों के उपग्रह भी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करता है। भारत की आत्मनिर्भरता की असली झलक चंद्रयान और मंगलयान अभियानों में दिखी। 2008 में प्रक्षेपित चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर जल अणुओं की खोज कर पूरे विश्व को चकित कर दिया। इसके बाद 2013 में भारत ने अपने पहले मंगल मिशन (मंगलयान) को लॉन्च किया और बेहद कम लागत में मंगल की कक्षा में पहुँचने वाला पहला एशियाई और विश्व का चौथा देश बन गया। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति का पैमाना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक नवाचार और संसाधनों के कुशल प्रबंधन का भी परिणाम है।

भारत आज उन गिने-चुने देशों में है, जो अन्य देशों के उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करते हैं। इसरो की प्रतिष्ठा इतनी बढ़ गई है कि कई विकसित देश भी अपने उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए भारत पर भरोसा करते हैं। कम लागत और उच्च सफलता दर ने भारत को ‘स्पेस डिप्लोमेसी’ में भी एक मजबूत स्थान दिलाया है। यह आत्मनिर्भरता का वह पहलू है जिसने न केवल हमारी वैज्ञानिक शक्ति को प्रदर्शित किया, बल्कि विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी हमें नया आत्मविश्वास प्रदान किया।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा चुनौतियों से मुक्त नहीं रही। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अक्सर हमें विश्वासघात झेलना पड़ा। परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए, जिसने अंतरिक्ष तकनीक पर भी असर डाला। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने तकनीक साझा करने से मना कर दिया। चीन ने भी हमेशा पाकिस्तान को तकनीकी और सामरिक मदद दी। इन चुनौतियों ने भारत को यह सिखाया कि बाहरी सहयोग पर पूरी तरह निर्भर रहना खतरनाक हो सकता है। यही कारण था कि इसरो और भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशीकरण की राह पर और भी तेज़ी से काम किया। आज मोदी आत्मनिर्भरता को आत्मसम्मान का पैमाना बताते हैं, तो यह विशेष रूप से अंतरिक्ष विज्ञान पर लागू होता है। भारत गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री स्वदेशी तकनीक से जाएंगे। चंद्रयान-3 और आदित्य-L1 जैसे अभियानों से न केवल अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझा रहा है, बल्कि विश्व पटल पर अपनी वैज्ञानिक क्षमता का लोहा भी मनवा रहा है। यह सब उस दूरदर्शी दृष्टि का परिणाम है जो स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों से लेकर आज तक आत्मनिर्भरता को राष्ट्र के विकास का मूल आधार मानती रही है।

शिकारी का बहीखाता

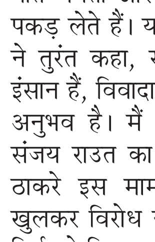

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वह शिकारी नहीं था, वह एक ऑपरेशन मैनेजर था। जंगल उसके लिए कोई रूमानी ठिकाना नहीं था, बल्कि एक विशालकाय प्रोक्योरमेंट ज़ोन था। पेड़-पौधे, नदी-नाले, सब उसके लिए बस लॉजिस्टिक्स के हिस्से थे। और कुत्ते? कुत्ते उसके वफ़ादार दोस्त नहीं थे, बल्कि 'के-9 एसेट्स' का एक सुव्यवस्थित बेड़ा थे। हर भौंक उसके लिए एक डेटा पॉइंट था, और हर शिकार एक 'सक्सेसफुल डिलीवरेबल'।

प्रेम, स्नेह, करुणा—ये सब उसके बहीखाते में अनावश्यक ख़र्च की मदें थीं। सब कुछ 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' के तराज़ू पर तौला जाता था। उसका सबसे अनुभवी 'एसेट' था शेरू, जिसके नाम की किंवदंतियाँ कैनेल के वॉटर कूलर पर फुसफुसाई जाती थीं। जवानी में वह एक दुबला-पतला, फुर्तीला इंजन था, जिसका हर क़दम पूरी तरह से 'परपस' से भरा होता था। उसके 'चेज़-टू-कैप्चर रेश्यो' को नव नियुक्त कुत्तों के लिए बेंचमार्क माना जाता था। उसकी सूंघने की शक्ति ऐसी थी कि कोई आधुनिक एल्गोरिदम भी उसे मात नहीं दे सकता था। उसने इतने 'ट्रॉफ़ी' इकट्ठा किए थे कि बाक़ी सारे कुत्ते मिलकर भी उसके बराबर नहीं थे। शिकारी, जो प्रतिभा का एक अच्छा पारखी था, अक्सर उसके सिर पर थपकी देता था। लेकिन यह स्नेह का नहीं, बल्कि एक मुनाफ़ेदार एसेट के प्रति सम्मान का संकेत था। “गुड डॉग, शेरू,” वह कहता, और शेरू, जो योग्यता के इस भाषा को बख़ूबी समझता था, पेशेवर संतुष्टि के साथ अपनी पूँछ हिलाता। लेकिन समय, वह निर्मम ऑडिटर, अपनी रिपोर्ट पेश करने लगा था। शेरू का कभी-कभी चिकना कोट अब पैची हो चुका था, जैसे वह पुरानी जीती हुई लड़ाइयों का एक फ़ेडिंग मैप हो। उसकी मांसपेशियाँ, जो कभी तनावपूर्ण और कसी हुई थीं, अब एक रिटायरमेंट की राह देख रहे कर्मचारी की तरह शिथिल हो गई थीं। शिकारी, जो एक यथार्थवादी था, इसे एक प्राकृतिक ढलान के रूप में नहीं देखता था, बल्कि मूल्य के अवमूल्यन के रूप में देखता था। शेरू अब एक लायबिलिटी था, एक 'नॉन-परफॉर्मिंग एसेट' था, जिसकी देखरेख का ख़र्च उसके आउटपुट से ज़्यादा हो चुका था। वह अब एक कुत्ता नहीं, बल्कि एक पेंशनर था, जो केवल यादों और आने वाली छंटनी का इंतज़ार कर रहा था। लेकिन शेरू का मन, वह ज़िद्दी, वफ़ादार इंजन, अपने शरीर के धोखे को मानने से इंकार कर रहा था। उसकी आत्मा अभी भी एक युवा पिल्ले की तरह तेज़ थी, और अपने मालिक की सेवा करने की उसकी इच्छा अभी भी अक्षुण्ण थी। वह नई पीढ़ी के कुत्तों को देखता—तेज़, फुर्तीले, लेकिन सालों की सेवा से पैदा होने वाले उस कठोर संकल्प की उनमें कमी थी—और उसमें गर्व और उदासी दोनों की एक लहर दौड़ जाती। वह पुरानी गार्ड का सदस्य था, जिसने उस प्रणाली का निर्माण किया था जिसका वे अब लाभ उठा रहे थे।

भाद्रपद मास की अजा/जया एकादशी आज

दक्षिणावर्ती शंख से करें भगवान विष्णु का अभिषेक शिवलिंग पर चढ़ाएं लाल गुलाल और लाल फूल

आज मंगलवार को भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी है, इसे अजा और जया एकादशी कहा जाता है। इस बार ये एकादशी मंगलवार को होने से इस दिन भगवान विष्णु के साथ ही शिव जी और मंगल देव की पूजा एक साथ करने का शुभ योग बना है।

एकादशी को शास्त्रों में पापनाशिनी तिथि कहा गया है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम का अध्याय है। इसमें सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया गया है। अजा एकादशी व्रत करने से जाने-अनजाने में किए गए पापों का फल खत्म होता है। ऐसी मान्यता है। इस व्रत को अजा एकादशी इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये व्रत भक्त अजा अर्थात जन्म-मरण के बंधनों से मुक्त करती है, ये व्रत भक्त को मोक्ष दिलाता है। ऐसी मान्यता है।

इस वर्ष अजा एकादशी मंगलवार को पड़ रही है। ज्योतिषाचार्य पं. महावीर जोशी के मुताबिक, ज्योतिष में मंगल देव को मंगलवार का कारक ग्रह कहा जाता है। इसलिए एकादशी और मंगलवार के योग में विष्णु जी के साथ ही मंगल ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। मंगल की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल ग्रह से जुड़े दोष हैं, उन्हें शिवलिंग पर जल, बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल, लाल फूल और लाल गुलाल चढ़ाना चाहिए और लाल मसूर की दाल का दान करना चाहिए। मंगल के मंत्र ऊँ भों भौमाय नमः मंत्र का जप करें।

एकादशी पर ऐसे कर सकते हैं पूजा-पाठ

ब्रह्ममुहूर्त में उठें और स्नान के बाद सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। लाल फूल और चावल अर्पित करें।

घर या मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति के सामने पूजा और व्रत करने का संकल्प लें। पंचामृत से विष्णु जी को स्नान कराएं, तुलसी के पत्ते अर्पित करें। मिठाई का भोग लगाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का 108 बार जप करें।

तुलसी को विष्णु प्रिय माना जाता है। बिना तुलसी भगवान विष्णु भोग नहीं स्वीकार करते। एकादशी पर विष्णु जी के साथ ही तुलसी की पूजा भी जरूर करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं, तुलसी नामाष्टक का पाठ करें। तुलसी की परिक्रमा करें, लेकिन सूर्यास्त के बाद तुलसी को स्पर्श न करें।

तुलसी नामाष्टकः वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी। पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।

एकादशी पर दान-पुण्य करें। एकादशी पर दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। गौशाला में दान दें, गायों को हरी घास खिलाएं। तालाब में मछलियों के लिए आटे की गोलियां डालें। चींटियों को आटा-शक्कर अर्पित करें। पक्षियों के लिए छत पर दाना-पानी रखें। जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े, छाता, जूते आदि का दान करें। छोटे बच्चों को मिठाई खिलाएं या भोजन कराएं।

एकादशी पर जो लोग व्रत करते हैं, वे पूरे दिन अन्न का त्याग करते हैं और दिनभर भगवान के मंत्रों का जप करते हैं, सुबह-शाम को भी विष्णु जी की पूजा करते हैं। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर फिर से पूजा की जाती है, जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाता है, इसके बाद भक्त स्वयं भोजन करते हैं। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

अजा एकादशी पर त्रिपुष्कर योग

त्रिपुष्कर योग एक शुभ योग है, जो कुछ नक्षत्रों, वार और तिथियों के संयोग से बनता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, यह योग कार्यों में तिगुनी सफलता प्रदान करता है। इस दिन शुरू किए गए कार्यों में स्थायी लाभ और समृद्धि मिलती है. इस योग में भगवान विष्णु की पूजा और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। अजा एकादशी और त्रिपुष्कर योग का संयोग इस दिन को अत्यंत फलदायी बनाता है।

अजा एकादशी का शुभ मुहूर्त

दृक पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 18 अगस्त को शाम 5 बजकर 22 मिनट से शुरू होकर 19 अगस्त को दोपहर 3 बजकर 32 मिनट तक है। ऐसे में उदिया तिथि के अनुसार, अजा एकादशी का व्रत 19 अगस्त दिन मंगलवार को किया जाएगा। इस दिन सूर्योदय सुबह 5 बजकर 52 मिनट पर होगा और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 57 मिनट पर होगा। चंद्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा और आर्द्रा नक्षत्र 20 अगस्त को प्रातः 1 बजकर 7 मिनट तक है। राहुकाल दोपहर 3 बजकर 40 मिनट से 5 बजकर 19 मिनट तक रहेगा। इस दिन त्रिपुष्कर योग और सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है, जो इसे और भी शुभ बनाता है।

दुनिया का सबसे भव्य श्रृंगार

101 साल पुराने मंदिर में 125 करोड़ के गहने पहनते हैं राधा कृष्ण

कृष्ण जन्माष्टमी के 15 दिन बाद जन्माष्टमी का पर्व मनाया गयाा और इस बार राधा अष्टमी का पर्व 31 अगस्त दिन रविवार को मनाया जाएगा। राधा अष्टमी के मौके पर आज हम आपको मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित गोपाल मंदिर के बारे में बताएंगे, जहां राधा कृष्ण करोड़ों के आभूषण पहनते हैं और यह मंदिर 101 साल पुराना बताया जाता है। मंदिर में राधा अष्टमी के मौके पर राधा कृष्ण का बेशकीमती आभूषणों से श्रृंगार किया जाता है। करोड़ों रुपए के हीरे जवाहरात उन्हें पहनाए जाते हैं। ये गहने साल में एक बार लॉकर से निकाल कर लाए जाते हैं। मान्यता है कि यहां राधा कृष्ण के दर्शन करने मात्र से सभी परेशानियों से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि आती है।

दूर-दूर तक है मंदिर की प्रसिद्धि

मंदिर के पुजारी ने बताया कि जन्माष्टमी और राधा अष्टमी के अवसर पर मंदिर चौबीस घंटे खुला रहता है। इस मंदिर की प्रसिद्धि दूर-दूर तक है। करोड़ों रुपए के गहनों से सजे राधा कृष्ण को देखने के लिए लोग साल भर इंतजार करते हैं। उन्होंने बताया कि गोपाल मंदिर की स्थापना 1921 में ग्वालियर रियासत के तत्कालीन शासक माधवराव सिंधिया प्रथम ने करवाई थी। सिंधिया राजाओं ने भगवान राधा-कृष्ण की पूजा के लिए चांदी के बर्तन और श्रृंगार के लिए रत्न जड़ित सोने के आभूषण बनवाए थे। मंदिर में भगवान राधा-कृष्ण की अद्भुत प्रतिमाएं हैं।

गहनों की कीमत 100 करोड़ के करीब

बताया गया है कि राधा कृष्ण पर सजाए जाने वाले इन गहनों की कीमत वर्तमान में 125 करोड़ के करीब बताई जाती है। हीरे, मोती और पन्ना जैसे कीमती रत्नों से सुसज्जित भगवान के मुकुट और अन्य आभूषण बेशकीमती गहने सालभर बैंक के लॉकर में रहते हैं। जन्माष्टमी और राधा अष्टमी के दिन 24 घंटे के लिए इन गहनों को सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंदिर लाया जाता है और राधा-कृष्ण का श्रृंगार किया जाता है। भगवान 24 घंटे तक ये जेवर पहनकर भक्तों को दर्शन देते हैं। शहर के महापौर दिन के ठीक 12 बजे गहनों से राधा कृष्ण का श्रृंगार कर महाआरती करते हैं।

24 घंटे भक्तों को दर्शन

बता दें कि जन्माष्टमी और राधा अष्टमी पर गोपाल मंदिर में राधा कृष्ण की मूर्ति को महंगे आभूषणों से सजाया जाता है, जिसके बाद वे इस खास दिन 24 घंटे भक्तों को दर्शन देते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए मंदिर पर कड़ा पहरा बैठाया जाता है। करीब डेढ़ सौ से ज्यादा सुरक्षाकर्मी मंदिर के गहनों और भक्तों की सुरक्षा के लिए तैनात रहते हैं। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की मदद से मंदिर और आसपास के परिसर में पुलिस की निगरानी रहती है।

कर्ज, तनाव या धन की समस्या?

यह 24 घंटे वाला टोटका तुरंत करेगा इच्छा पूरी

हर इंसान की ज़िंदगी में कोई ना कोई अधूरी इच्छा जरूर होती है। कभी हम पैसों की तंगी से जूझ रहे होते हैं, कभी सेहत की परेशानी से, तो कभी रिश्तों की उलझनें हमें चैन नहीं लेने देतीं।

ऐसे हालात में इंसान सोचता है काश कोई ऐसा उपाय मिल जाए जिससे उसकी इच्छा जल्द पूरी हो सके। कुछ लोग मंदिर जाते हैं, तो कुछ पूजा-पाठ या ज्योतिष के जरिए समाधान ढूंढते हैं, लेकिन कई बार आसान और छोटे-छोटे टोटके भी चमत्कार कर जाते हैं। आज हमें भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा एक ऐसा असरदार उपाय बता रहे हैं जिसे करने से आपकी मनचाही इच्छा महज 24 घंटे में पूरी होने का रास्ता खुल सकता है।

उपाय कैसे करें?

इस उपाय को करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी होगी। शुक्रवार की रात को एक साफ लाल कपड़ा लें। अब उसमें एक चुटकी हल्दी और एक चुटकी दालचीनी पाउडर डालकर उसे अच्छे से बांध लें। इस पोटली को अपने सिरहाने यानी तकिए के पास रखें। ध्यान रहे कि सोते समय यह पोटली आपके पास ही होनी चाहिए।

शनिवार की सुबह क्या करना है?

सुबह उठते ही सबसे पहले स्नान की तैयारी करें। इस पोटली को खोलकर उसमें से निकला पाउडर अपने स्नान के पानी में मिला लें। इसके बाद पूरे विश्वास और मन की शांति के साथ स्नान करें। माना जाता है कि इस प्रक्रिया को करने से न सिर्फ आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा आती है बल्कि आपकी अधूरी इच्छाओं के पूरे होने का मार्ग भी बनने लगता है।

किन इच्छाओं में मिल सकता है लाभ?

1. अगर आप पर कर्ज का बोझ है और आप उससे मुक्त होना चाहते हैं।
2. पैसों की कमी दूर करना चाहते हैं।
3. शत्रुओं पर विजय पाना चाहते हैं।
4. पारिवारिक झगड़े और तनाव खत्म करना चाहते हैं।
5. सेहत से जुड़ी परेशानियों से राहत चाहते हैं।

क्यों है यह उपाय खास?

हल्दी और दालचीनी दोनों को ही शास्त्रों में बेहद शक्तिशाली माना गया है। हल्दी शुद्धता और सौभाग्य की प्रतीक है, वहीं दालचीनी को धन और समृद्धि का कारक माना जाता है। जब इन्हें लाल कपड़े में बांधकर रखा जाता है तो इनकी ऊर्जा और ज्यादा बढ़ जाती है। इस वजह से यह टोटका तुरंत असर दिखाने में सक्षम माना गया है।

ध्यान रखने योग्य बातें

इस उपाय को पूरे विश्वास के साथ करें।

पोटली तैयार करते समय मन में कोई नकारात्मक विचार न लाएं।

स्नान के दौरान अपने मन की इच्छा को मन ही मन जरूर दोहराएं।

उपाय करते समय साफ-सफाई और शुद्धता का विशेष ध्यान रखें।

कभी नहीं हारे युद्ध ! राजा संग्राम शाह को मिला था 'भैरव बाबा' का ऐसा वरदान

जबलपुर का बाजनामठ मंदिर सिर्फ आस्था ही नहीं, इतिहास से भी जुड़ा है। माना जाता है कि गोंडवाना साम्राज्य के राजा संग्राम शाह को यहाँ भैरव बाबा से अजेय रहने का वरदान मिला था। इस मंदिर की रहस्यमयी खासियत।

मध्य भारत के इतिहास में गोंडवाना साम्राज्य का नाम गौरव के साथ लिया जाता है। इस साम्राज्य के प्रसिद्ध शासक राजा संग्राम शाह (15वीं शताब्दी) न सिर्फ अपनी वीरता बल्कि अपनी अजेयता के लिए भी जाने जाते थे। कहा जाता है कि वे भैरव बाबा के परम भक्त थे और जबलपुर के बाजनामठ मंदिर से उन्हें ऐसा वरदान मिला था कि वे कभी युद्ध में हार नहीं सके।

बाजनामठ मंदिर का इतिहास

करीब 10 किलोमीटर दूर, जबलपुर शहर से बाहर स्थित यह मंदिर राजा संग्राम शाह की आस्था का प्रतीक है। उन्होंने ही इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। माना जाता है कि यहाँ बटुक भैरव की पूजा करने से राजा को अजय रहने का आशीर्वाद प्राप्त हुआ था।

इतिहासकार बताते हैं कि राजा जब भी युद्ध से पहले इस मंदिर में पूजा करते थे, उनकी परेशानियाँ दूर हो जाती थीं। इसी वजह से इस मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई।

मंदिर की रहस्यमयी शक्ति

मंदिर के मठ के गुंबद पर लगे त्रिशूल से निकलने वाली प्राकृतिक ध्वनि शक्ति को जागृत करती है। गर्भगृह के अंदर कोई छेद नहीं होने के बावजूद वहाँ हमेशा गूंज और धुएँ का वातावरण बना रहता है। श्रद्धालु मानते हैं कि यहाँ 7 दिन तक एक ही समय पर पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है।

आस्था का केंद्र

यहाँ शनिवार और मंगलवार को सबसे अधिक भीड़ उमड़ती है।

श्रद्धालु तेल और पुष्प चढ़ाकर शनि व राहु की पीड़ा से मुक्ति की कामना करते हैं।

चारों तरफ हरियाली से घिरे इस मंदिर तक पुराने समय में राजा संग्राम शाह कच्चे रास्तों से घोड़े और सैनिकों के साथ पहुंचते थे।

कलचुरी काल से जुड़ा इतिहास

इतिहासकारों के अनुसार यह मंदिर सिर्फ गोंडवाना साम्राज्य ही नहीं बल्कि कलचुरी काल से भी जुड़ा हुआ है। आज भी यहाँ हजारों लोग आकर पूजा-अर्चना करते हैं और राजा संग्राम शाह की भक्ति की याद को ताजा करते हैं।

तुलसी माला पहनने से पहले जान लें ये धार्मिक नियम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी की माला पहनकर शौचालय जाना वर्जित माना गया है। नित्य क्रिया के समय इसे उतारकर रखना चाहिए और बाद में गंगाजल से शुद्ध करके ही दोबारा धारण करें।

मांस और मदिरा

तुलसी की माला धारण करने वाले व्यक्ति को मांस और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। तामसिक भोजन करने से इसका आध्यात्मिक प्रभाव कम हो जाता है।

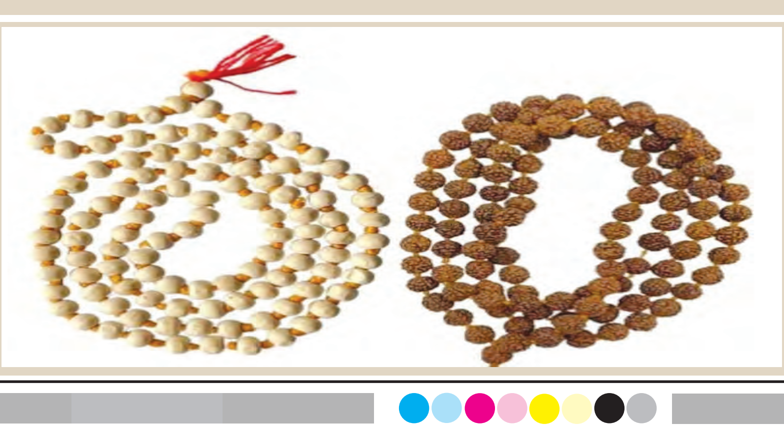

तुलसी की माला

स्नान करते समय तुलसी की माला उतार देना चाहिए। स्नान के बाद गंगाजल से शुद्ध कर माला को पुनः धारण करें, तभी यह फलदायी होती है।

तुलसी और रुद्राक्ष की माला

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार तुलसी की माला और रुद्राक्ष की माला को एक साथ धारण नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और शुभ फल मिलने में बाधा आती है।

तुलसी की माला

तुलसी की माला एक बार धारण करने के बाद बार-बार उतारना और पहनना उचित नहीं है। इससे इसके शुभ प्रभाव कम हो जाते हैं और धार्मिक फल नहीं मिल पाता।

एकादशी व्रत क्यों करना चाहिए

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो पुण्य सूर्यग्रहण में दान से होता है, उससे कई गुना अधिक पुण्य एकादशी के व्रत करने से होता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा होती है। ऐसे में जो भी साधक नियम पूर्वक व्रत-पूजन करता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

पौराणिक मान्यताएं

पूर्वकाल में राजा नहुष, अंबरीष, राजा गाधि आदि जिन्होंने भी एकादशी का व्रत किया, उन्हें इस पृथ्वी का समस्त ऐश्वर्य प्राप्त हुआ। भगवान शिवजी ने नारद मुनि से कहा है कि एकादशी का व्रत करने से मनुष्य के सात जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं, इसमे कोई संदेह नहीं है।

एकादशी व्रत के लाभ

एकादशी करने वालों के पितर नीच योनि से मुक्त होते हैं और अपने परिवार वालों पर प्रसन्नता बरसाते हैं। इसलिए यह व्रत करने वालों के घर में सुख-शांति बनी रहती है ।

जो पुण्य गौ-दान सुवर्ण-दान, अश्वमेघ यज्ञ से होता है, उससे अधिक पुण्य एकादशी के व्रत से होता है ।

आमिर खान का अफेयर था नाजायज बच्चा भी है : फैजल खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के भाई फैजल खान इन दिनों अपनी फैमिली के खिलाफ अपने 'विवादित' बयानों को लेकर चर्चा में हैं. हाल ही में फैजल खान ने खुलासा किया है कि उनके भाई आमिर का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था. इतना ही नहीं, फैजल ने ये भी दावा किया है कि सुपरस्टार का एक नाजायज बच्चा भी है.

फैजल खान ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जहां उन्होंने आमिर खान और अपने परिवार को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए. उन्होंने कहा- 'जब मैं अपनी फैमिली से नाराज हुआ था तो मैंने एक लेटर लिखा था. मेरी फैमिली मुझे बार-बार कह रही थी कि तुम शादी करो, शादी करो. बहुत प्रेशर आ रहा था. मैंने लेटर में हर फैमिली मेंबर के बारे में लिखा था कि तुम क्या हो, तुम क्या हो.'

'उनका नाजायज बच्चा भी है'

फैजल खान ने कहा- 'मेरी जो बहन है निखत, उसकी तीन बार शादी हुई है, आमिर खान की शादी हुई थी फिर तलाक हो गया रीना के साथ. फिर उनका रिलेशनशिप था जेसिका हाइन्स के साथ, जिसके साथ उनका नाजायज बच्चा भी है, शादी के बाहर. वो उस वक्त किरण के साथ लिव-इन में था. मेरे पापा ने दो बार शादी की. मेरी कजिन सिस्टर ने दो बार शादी की, तलाक लिया फिर शादी की, तलाक लिया फिर शादी की. तो मैं बोलता था यार कि तुम लोग मुझे क्या सलाह दे रहे हो.'

क्या है असल मामला?

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आमिर खान का ब्रिटिश पत्रकार जेसिका हाइन्स के साथ अफेयर था. रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आमिर ने जेसिका को अबॉर्शन कराने की भी सलाह दी थी. हालांकि जेसिका ने बच्चा अबॉर्ट नहीं किया. हालांकि आमिर ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया था.

जेसिका हाइन्स के बेटे के पिता होने के दावे पर आमिर ने क्या कहा?

वहीं फिल्ममेकर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' में आमिर खान ने कबूल किया था कि वो रिलेशनशिप में धोखा दे चुके हैं. उनसे पूछा गया था कि क्या उन्होंने कभी किसी को रिलेशनशिप में धोखा दिया है या एक ही टाइम पर दो लोगों को डेट किया है? इस पर आमिर ने कहा था- 'हां.'

इस हसीना की वजह से भाई राम चरण से खफा हुए थे अल्लू अर्जुन, 18 साल नहीं हुई थी बातचीत

अल्लू अर्जुन और राम चरण दोनों ही साउथ सिनेमा के सुपरस्टार हैं. जो हर फिल्म में दमदार किरदार निभाकर लोगों को दीवाना बना लेते हैं. ये दोनों एक्टर कजिन भाई हैं. जो एक-दूसरे के साथ प्यार भरा बॉन्ड शेयर करते हैं. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि एक वक्त में उनके बीच ऐसी तीखी बहस हुई थी कि 18 साल तक उनकी बातचीत बंद हो गई थी. जानिए आखिर पूरा मामला क्या है....

किस एक्ट्रेस की वजह से अल्लू और राम हुए थे खफा?

दरअसल ये वाक्या साल 2007 का है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उस वक्त अल्लू अर्जुन का दिल इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'क्रूक' में नजर आने वाली एक्ट्रेस नेहा शर्मा पर आ गया था और दोनों का रिलेशनशिप भी थी. इसी बीच राम चरण ने फिल्म 'चिरुथा' में नेहा के साथ किया था. यही से दोनों के रिश्ते में दरार आ गई.

18 साल तक अल्लू और राम ने नहीं की थी बात

'चिरुथा' में काम करते हुए राम चरण एक्ट्रेस नेहा के करीब आए गए थे. उनकी नजदीकियां बढने लगी थी. जैसे ही इसकी भनक अल्लू को लगी तो वो बौखला गए. एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों भाईयों में नेहा शर्मा को लेकर काफी बहस भी हुई थी. इस बहस का नतीजा ये निकला की दोनों के बीच बातचीत ही बंद हो गई. रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों एक्टर्स ने करीब 18 साल एक-दूसरे से बात नहीं की थी.

इन फिल्मों में नजर आए थे राम और अल्लू

हालांकि अब दोनों भाईयों का रिश्ता काफी अच्छा है. दोनों अक्सर शादी और पार्टियों में एकसाथ स्पॉट भी किए जाते हैं. बता दें कि राम चरण साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी के बेटे हैं. रिश्ते में वो अल्लू के कजिन हैं. वर्कफंट की बात करें तो राम चरण आखिरी बार कियारा आडवाणी के साथ फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आए थे. वहीं अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 2'में देखा गया था. उनकी ये फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही थी.

30 की उम्र में अरबपति बनने वाली हैं सारा अली खान कम फिल्में करके भी करोड़पति हैं भाई इब्राहिम अली खान

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह के दोनों बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम अली खान बॉलीवुड का हिस्सा बन गए हैं. सारा अली खान ने फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. वहीं इब्राहिम ने इसी साल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की है. दोनों भाई-बहन भले ही एक की पैशन फॉलो कर रहे हों, लेकिन दौलत के मामले में सारा और इब्राहिम के बीच काफी अंतर है.

सारा अली खान का घर और कार कलेक्शन

साल 2018 की फिल्म 'केदारनाथ' से डेब्यू करने वाली सारा अली खान ने सात साल के करियर में खूब पैसा कमाया है.

एक्ट्रेस का मुंबई के जुहू में एक शानदार अपार्टमेंट है जिसकी कीमत 1.3 करोड़ रुपए बताई जाती है.

सारा के पास 1.3 करोड़ की मर्सिडीज-बेंज जी-क्लास जी-वैगन 350डी, एक जीप कंपास, होंडा सीआर-वी और आल्टो जैसी गाड़ियां हैं.

सारा अली खान की इनकम और नेटवर्थ

सारा अली खान अपनी एक फिल्म के लिए 5-7 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं.

एक्ट्रेस ब्रांड एडोर्समेंट से भी तगड़ी कमाई करती हैं. वो Puma और Veet जैसे ब्रांड्स का चेहरा हैं.

सारा की एंडोर्समेंट फीस 20 से 25 लाख रुपए बताई जाती है.

मल्टीपल रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा कुल 55 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं.

वहीं सारा की नेटवर्थ 82 करोड़ रुपए है, यानी एक्ट्रेस जल्द ही अरबपति बन सकती हैं.

इब्राहिम अली खान की नेटवर्थ

सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान ने इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा है.

एक्टर फिल्म 'नादानियां' और सरजमीन में दिखाई दे चुके हैं.

बहन सारा के तरह इब्राहिम के पास भी शानदार कार कलेक्शन है.

उनके पास मर्सिडीज EQS 580 और 1 करोड़ की कीमत वाली BMW X5 जैसी गाड़ियां हैं.

इब्राहिम अपनी हर फिल्म के लिए अच्छी फीस वसूल करते हैं. वहीं वो ब्रांड एंडोर्समेंट से भी अच्छी कमाई करते हैं. कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इब्राहिम की टोटल नेटवर्थ 20 से 25 करोड़ रुपए है.

यंग एक्ट्रेस के साथ काम करने पर आर. माधवन बोले:'लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है'

एक्टर आर. माधवन ने हाल ही में अपनी उम्र, करियर के फैसलों और रिश्तों में बराबरी को लेकर खुलकर बात की। माधवन हाल ही में फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने 40 साल के एक ऐसे शख्स का रोल निभाया जो दुल्हन की तलाश में है।

माधवन ने कहा, सबसे पहले आपको उम्र का एहसास तब होता है जब आपके बच्चों के दोस्त आपको अंकल बुलाने लगते हैं। ये सुनकर झटका लगता है, लेकिन फिर आपको मानना पड़ता है। माधवन ने बताया कि इस एहसास का असर उनके काम पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप फिल्में करते हैं तो हीरोइन चुनने में सावधानी रखनी पड़ती है।

क्योंकि भले ही वे अभी भी आपके साथ काम करना चाहती है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक्टर फिल्म के बहाने मस्ती कर रहा है। लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है। अगर फिल्म से ऐसा मैसेज जाता है, तो किरदार के लिए रिस्पेक्ट नहीं रहती।

आर. माधवन ने आगे ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आ गया है कि अब मेरा शरीर 22 साल के लड़के जैसा नहीं है। इसलिए मेरे लिए जरूरी है कि मैं वही काम करूं जो मेरी उम्र और जिन लोगों के साथ मैं काम कर रहा हूं, उनके हिसाब से सही लगे, ताकि चीजें अजीब या गलत न लगें।

माधवन ने अपनी शादी और रिश्ते की बराबरी पर भी विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी एक-दूसरे से गहराई से प्यार करते थे। वही चीज मैं और मेरी पत्नी सरिता में भी है, लेकिन मेरे पिता के समय जो बराबरी का मतलब था, वह आज अलग है। अब हमें खुद तय करना पड़ता है कि बराबरी का असली मतलब क्या है।

उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दरवाजा खोलना या किसी महिला के लिए दरवाजा पकड़ना कुछ लोगों को बुरा लग सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आदमी कुछ गलत करना चाहता है, वो तो बस अपने तौर-तरीके निभा रहा होता है। हमारी पितृसत्तात्मक सोच वाली समाज में, अगर कोई पति अपनी पत्नी को काम करने देता है तो उसे बड़ा दिल वाला माना जाता है, लेकिन सही तरीका ये है कि कहें- 'मुझे गर्व है कि मेरी पत्नी काम कर रही है।

एकता कपूर पर राशन-पानी लेकर चढ़े मुकेश खन्ना, 'क्योंकि सास भी कभी बहू' को लेकर बोले- 'देश में ऐसी औरतें नहीं है'

शक्तिमान फेम मुकेश खन्ना अक्सर अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं. इस बार उन्होंने एकता कपूर पर भड़ास निकाली हैं. जो आजकल स्मृति ईरानी के शो क्योंकि सास भी बहू थी को लेकर बरसे हैं. उन्होंने कहा कि एकता कपूर अपने सीरियल में महिलाओं को गलत तरह से पेश कर रही हैं. मानो देश की औरतें वैम्प हों.

एक इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने एकता कपूर को लेकर कहा, 'आपका क्या एटिट्यूट है? आपको फिक्र नहीं है कि आपने नैतिकता की ऐसी की तैसी कर रखी है. घर के सिस्टम की ऐसी तैसी कर रहे हो. आप सास भी कभी बहू थी जैसे शोज लाते हो जिसमें 6 औरतें झुमका बिंदी लगाकर बोलती हैं. देखती हूं तुम्हारी शादी कैसे होती है.'

एकता कपूर पर भड़के मुकेश खन्ना

वह आगे कहते हैं कि शोज में सभी महिलाओं को मतलबी दिखाया गया है. हमारे देश में ऐसी औरतें नहीं हैं. सोचिए तो भी ये पॉपुलर है. बता दें मुकेश खन्ना देश के सबसे बड़े सुपरहीरो टीवी शोज शक्तिमान से खासा पॉपुलर हुए. वह महाभारत में भी नजर आ चुके हैं. बात करें क्योंकि सास भी कभी बहू की तो ये 29 जुलाई 2025 से प्रीमियर हुआ. एक बार फिर तुलसी के रूप में स्मृति ईरानी तो अमर उपाध्याय नजर आ रहे हैं. आते के साथ ही इस शो ने टीआरपी की दौड़ में सबसे आगे जगह बनाई है.

करिश्मा कपूर की तारीफ में बोलीं एक्स ननद मंदिरा कपूर वो एक बेहतरीन मां हैं, परिवार को बखूबी संभाल रखा है

करिश्मा कपूर के एक्स पति और बिजनेसमैन संजय कपूर का निधन हो चुका है। दोनों की शादीशुदा जिंदगी काफी विवादों में रही थी। करिश्मा ने अपने पति संजय कपूर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। इस बीच संजय कपूर की बहन और करिश्मा की एक्स ननद मंदिरा कपूर ने करिश्मा की तारीफ की । उन्होंने कहा कि करिश्मा एक बेहतरीन मां हैं। साथ ही संजय कपूर की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव के साथ रिश्तों को लेकर भी बात की।

मंदिरा कपूर ने कहा, मैं यह मानती हूं कि करिश्मा एक बहुत अच्छी मां हैं। उन्होंने परिवार को बहुत अच्छे से संभाला है और इसके लिए मैं उनकी तारीफ करती हूं। मुझे लगता है कि बच्चे आपस में बहुत क्लोज हैं और उनके बीच एक मजबूत बॉन्ड है। मुझे उम्मीद है कि हम इस रिश्ते को आगे तक लेकर जाएंगे और परिवार को एक बार फिर से एकजुट कर पाएंगे। करिश्मा अपने बच्चों का बिल्कुल एक मां की तरह ख्याल रख रही हैं।

मंदिरा ने यह भी बताया कि वह आज भी करिश्मा के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मुझे तो यहां तक लगता है कि करिश्मा प्रिया सचदेव के भी कॉन्टैक्ट में हैं। सच कहूं तो हमारे बीच रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं। बच्चे मां (रानी कपूर) से मिलने आते रहते हैं और हम सब अब भी टच में हैं। हमारे बीच कोई पारिवारिक कलह नहीं है। हमें बस इतना सुनिश्चित करना है कि हमारे परिवार के जो मुखिया हैं, उन्हें उनकी सही जगह और सम्मान मिले। हम कितने भी बड़े हो जाएं, दिल से तो हमेशा बच्चे ही रहेंगे।

मेरे ख्याल से एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहना चाहिए। हम सभी शांति चाहते हैं, पिता के सपनों को आगे बढ़ाना चाहते हैं और अपने भाई का सम्मान करना चाहते हैं।

बताते चलें कि करिश्मा कपूर ने साल 2003 में संजय कपूर से शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बच्चे बेटी समायरा और बेटा कियान हुए। साल 2016 में संजय और करिश्मा ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था। बच्चों की कस्टडी करिश्मा को मिली थी,

हालांकि तलाक के बावजूद कई मौकों पर करिश्मा, संजय के साथ नजर आ चुकी हैं। करिश्मा से तलाक के बाद संजय कपूर ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। ये प्रिया की दूसरी शादी थी। पहली शादी से उन्हें बेटी सफीरा है, जिसे संजय कपूर साथ ही रखते थे। इसके अलावा संजय-प्रिया का एक बेटा अजारियस भी है। संजय ने पहली शादी नंदिता महतानी से की थी, हालांकि इस शादी से उन्हें कोई बच्चे नहीं हैं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज द बंगाल फाइल्स में गोपाल मुखर्जी की गलत छवि पेश करने के आरोप, माफी मांगने के लिए नोटिस मिला

फिल्म द बंगाल फाइल्स का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जिसके बाद डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। मुस्लिम लीग में दंगे रोकने वाले गोपाल मुखर्जी के पोते शांतनु ने डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए उन्हें नोटिस भेजा है।

दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में गोपाल मुखर्जी के परिचय में एक था कसाई लिखा गया था। शांतनु ने शिकायत दर्ज करवाते हुए मेकर्स पर उनके दादाजी की गलत छवि पेश करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गोपाल मुखर्जी कसाई नहीं बल्कि एक पहलवान और अनुशीलन समिति के मुख्य सदस्य थे। उन्होंने 1946 में मुस्लिम लीग के दंगे रुकवाने में अहम भूमिका निभाई है, हालांकि अब उन्हें एक कसाई के रूप में दुनिया के सामने पेश किया जा रहा है।

इस मामले में शांतनु ने डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें साफ लिखा है कि गोपाल मुखर्जी के गलत चित्रण के लिए विवेक उनसे माफी मांगे। उन्होंने ये भी कहा है कि गोपाल मुखर्जी की गलत छवि पेश करना न सिर्फ गलत है, बल्कि इससे परिवार और समुदाय को भी ठेस पहुंचेगी।

फिल्म अनाउंसमेंट के बाद से ही विवादों में है। पश्चिम बंगाल में इसका जमकर विरोध किया गया था। जिसके बाद डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 16 अगस्त को कोलकाता में ही ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर रिलीज के समय कुछ विरोधियों ने इसमें बाधा डालने की कोशिश की और तार काट दिए। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने इसका जिम्मेदार पश्चिम बंगाल की रूलिंग पार्टी को ठहराया है।

विवेक ने आगे कहा- अभी मुझे पता चला है कि कुछ लोग यहां आए और सभी तार काट दिए। मुझे नहीं पता किसके आदेश पर यह हो रहा है। आप जानते हैं हमारे पीछे कौन लोग हैं।

सभी टेस्ट और ट्रायल के बाद यह कार्यक्रम हो रहा था। होटल मैनेजर्स भी हमें नहीं बता पा रहे कि हमें क्यों रोका गया। 'द बंगाल फाइल्स' की डायरेक्शन विवेक ने किया है। जबकि इसके निर्माता अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

क्या 'गदर 3' में फिर साथ नजर आएगी सकीना और तारा सिंह की जोडी

'गदर 3' के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं है। हालिया इंटरव्यू में डायरेक्टर अनिल शर्मा ने इस फिल्म की घोषणा की है। क्या तीसरी किश्त में अमीषा पटेल भी सकीना के किरदार में नजर आएंगी? दरअसल, पिछले दिनों अमीषा पटेल और अनिल शर्मा के बीच मनमुटाव हुआ था। अपनी फिल्म 'गदर 3' की कहानी, मेकिंग को लेकर डायरेक्टर ने अपडेट दिया। साथ ही अमीषा पटेल के साथ अब रिश्ता कैसा है, इस पर भी बात की।

अनिल शर्मा बोले- 'जरूर बनेगी गदर 3'

अनिल शर्मा कहते हैं, 'अमीषा के साथ मेरा रिश्ता अब बहुत अच्छा है। वक्त के साथ-साथ सब चीजें सही हो जाती हैं। अभी सब बढ़िया है।' वह आगे कहते हैं, 'सकीना (अमीषा पटेल) और तारा (सनी देओल) 'गदर' फिल्म सीरीज का एक जरूरी हिस्सा हैं। लेकिन हम 'गदर 3' की रिलीज से पहले उनके रोल के बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करेंगे। 'गदर 3' जरूर बनेगी।

हमने 'गदर 2' के आखिरी सीन में ही दर्शकों से वादा कर दिया है। जहां उत्कर्ष शर्मा के किरदार जीते को बताया जाता है कि वह सेना में भर्ती होने के लायक है। हमने फिल्म का अंत इसी मैसेज के साथ किया था।'

दो साल के अंदर शुरू होगी 'गदर 3' की शूटिंग

अनिल शर्मा ने आगे कहा, 'फिल्म 'गदर 3' बनने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन दर्शक चिंता ना करें, इसमें 20 साल और नहीं लगेंगे। हमें उम्मीद है कि अगले दो साल में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। हम स्क्रिप्ट पर काम कर चुके हैं। यह तारा (सनी देओल) और जीते (उत्कर्ष शर्मा)की कहानी पर फोकस होगी।'

अमीषा पटेल को क्यों थी अनिल शर्मा से नाराजगी?

बताते चलें कि जब 'गदर 2' रिलीज हुई तो अमीषा पटेल को बिना बताए इसका क्लाइमैक्स शूट कर लिया गया। इस बात से अमीषा नाराज हो गईं। लेकिन इस नाराजगी के बावजूद भी अमीषा पटेल ने पिछले दिनों मनीष पॉल के पॉडकास्ट में कहा था कि वह पुरानी बातों को भूल जाना चाहती हैं। अगर सही पेपरवर्क होगा तो वह 'गदर 3' करना चाहेंगी।'

उम्र और लंबाई के मुताबिक कितना होना चाहिए आपका सही वजन?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए यह आवश्यक है कि आपकी जीवनशैली और आहार दोनों ही संतुलित और सही हों। विभिन्न चिकित्सा रिपोर्ट्स के अनुसार, तेजी से बढ़ रही क्रोनिक स्वास्थ्य समस्याओं में मोटापा एक प्रमुख कारण बन रहा है। वजन अधिक होने से डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और लिवर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आजकल बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई वजन बढ़ने की समस्या से जूझ रहा है और इसलिए वजन को नियंत्रित रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

शोध बताते हैं कि उचित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है। हालांकि हर व्यक्ति के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनकी उम्र और लंबाई के अनुसार कितना वजन सामान्य है और कितना अधिक। महिला और पुरुष की आयु और लंबाई के मुताबिक दोनों का वजन कितना होना चाहिए।

बीएमआई से स्वस्थ वजन का अनुमान

बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि उनका आदर्श वजन क्या होना चाहिए। हालांकि, हर किसी के लिए एक समान आदर्श वजन नहीं हो सकता। बॉडी मास इंडेक्स का उपयोग वजन की स्थिति को जानने के लिए किया जा सकता है। सामान्य रूप से 18.5 से 24.9 के बीच की बीएमआई को स्वस्थ माना जाता है, जबकि 25 से 30 के बीच की बीएमआई को अधिक वजन वाला माना जाता है।

हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बीएमआई शरीर की संरचना या स्वास्थ्य का सम्पूर्ण आकलन नहीं करता। इसे अन्य परीक्षणों और आकलनों के साथ उपयोग किया जाना चाहिए ताकि सही स्वास्थ्य स्थिति का अनुमान लगाया जा सके।

बच्चों के लिए आदर्श वजन

बढ़ते बच्चों का वजन उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। एक महीने के बच्चे की लंबाई 53 सेंटीमीटर हो तो उसका आदर्श वजन 4.35 किलो होना चाहिए। इसी प्रकार, 3 महीने के बच्चे की लंबाई 60 सेंटीमीटर हो तो उसका वजन 6 किलो स्वस्थ माना जाता है।

उम्र (वर्ष)	लंबाई (सेमी)	वजन
4 माह	62	6.5
6 माह	64	7.5
9 माह	70	8.5
12 माह	74	9-10
डेढ़ साल	80	10-11
दो साल	85	11.75-13

पुरुषों की हाइट के मुताबिक वजन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मुताबिक, मध्यम शारीरिक ढांचे वाले पुरुषों के लिए 5'4 से 6'0 तक की लंबाई होने पर आदर्श वजन 50 से 73 किलोग्राम होता है। वजन जितना नियंत्रित होगा, बीमारियों से बचाव भी उतना अधिक होता है।

लंबाई (फिट)	वजन
4'6	29-34
4'8	34-40
4'10	38-45
5'0	43-53
5'2	48-58
5'4	53-64
5'6	58-70
5'8	63-76
6'0	72-88

महिलाओं के लिए स्वस्थ वजन

विशेषज्ञों के अनुसार, मध्यम शारीरिक ढांचे वाली महिलाओं के लिए लंबाई 4'10₹ से 5'8₹ के बीच होने पर आदर्श वजन 45-59 किलोग्राम होना चाहिए। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि आदर्श वजन हर व्यक्ति के लिए एक समान नहीं होता, और यह व्यक्ति की शारीरिक संरचना, उम्र, और अन्य कारकों पर निर्भर करता है। अपने आदर्श वजन के बारे में जानने के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

लंबाई (फिट)	वजन
4'6	28-34
4'8	32-39
4'10	36-44
5'0	40-49
5'2	44-55
5'4	49-59
5'6	53-64
5'8	57-69
6'0	65-79

रनिंग या वॉकिंग कौन सा अभ्यास आपके लिए ज्यादा फायदेमंद?

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए नियमित व्यायाम की आदत बनाना बहुत जरूरी है। ये संपूर्ण स्वास्थ्य- शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से आपको फिट रखने में लाभकारी है। अगर आप जिम नहीं जा सकते हैं तो हल्के स्तर के अभ्यास को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

रनिंग या वाकिंग जैसे हल्के स्तर के अभ्यास की आदत भी आपको शारीरिक रूप से सक्रिय रखने और कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकती है। अब ये सवाल उठना लाजमी है कि रनिंग और वॉकिंग में कौन सा सबसे ज्यादा लाभकारी है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, चलना और दौड़ना दोनों ही व्यायाम लाभकारी हैं। हृदय स्वास्थ्य, वजन को कंट्रोल रखने, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र फिटनेस के लिए इनसे कई प्रकार के लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि आपकी सेहत के हिसाब से कौन से अभ्यास ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

फिटनेस एक्सपर्ट कहते हैं वाकिंग एक प्रभावशाली शारीरिक गतिविधि है जो आमतौर पर सभी उम्र के लोगों के लिए काफी सुलभ है। वहीं रनिंग करना अपेक्षाकृत कठिन अभ्यास है जिससे आप कम समय में अधिक कैलोरी बर्न कर सकते हैं। हृदय संबंधी फिटनेस और शारीरिक शक्ति में सुधार के लिए इससे लाभ पाया जा सकता है।

वॉकिंग के फायदे

वॉक करना हल्के स्तर का अभ्यास माना जाता है। ये अभ्यास आपके जोड़ों पर ज्यादा दबाव नहीं डालता है ऐसे में यह उन लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है जो घुटने या पीठ के दर्द से पीड़ित हैं।

वॉकिंग एक ऐसा व्यायाम है जिसे आप लंबे समय तक बिना थके कर सकते हैं। रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने और हृदय स्वास्थ्य लाभ के लिए वॉकिंग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना लाभकारी है। सभी उम्र के लोगों के लिए ये अभ्यास करना आसान माना जाता है।

रनिंग करने के क्या फायदे हैं?

वॉकिंग की तुलना में रनिंग करना अपेक्षाकृत कठिन अभ्यास माना जाता है। विशेषतौर पर ये उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो तेजी से कैलोरी बर्न करना चाहते हैं। कैलोरी बर्न होने से वजन घटाने में मदद मिलती है। ये एक प्रभावी एरोबिक व्यायाम है, जो हृदय को मजबूत बनाने और कार्डियोवास्कुलर सिस्टम को बेहतर करने में मदद करता है। शरीर की शक्ति और सहनशीलता को बढ़ाने में भी इस अभ्यास की मदद से लाभ पाया जा सकता है।

कौन सा अभ्यास करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आप अपनी जरूरतों के आधार पर रनिंग और वाकिंग जैसे अभ्यास का चयन कर सकते हैं। वजन घटाने और तेजी से कैलोरी बर्न करने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो रनिंग ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। वहीं गठिया और हड्डियों से संबंधित समस्याओं से परेशान लोगों के लिए वॉक करना बेहतर विकल्प माना जाता है। दोनों ही व्यायाम आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

40 के बाद पुरुषों को जरूर करनी चाहिए ये मेडिकल चेकअप

40 की उम्र को अक्सर जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है, जहां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में कई बदलाव आने लगते हैं। इस उम्र के बाद पुरुषों में कई पुरानी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर सावधानी बरतकर इन बीमारियों से बचा जा सकता है या उन्हें शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता है।

अक्सर पुरुष अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में गंभीर शारीरिक समस्याओं से निपटने के लिए समय रहते बीमारी का पता चल जाना बहुत जरूरी है। इसलिए विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि इन लोगों को कुछ जांच करा लेने चाहिए। इससे आप न सिर्फ अपनी सेहत की निगरानी कर सकते हैं, बल्कि भविष्य की कई गंभीर बीमारियों से भी खुद को बचा सकते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही कुछ प्रमुख शारीरिक जांच के बारे में जानते हैं।

रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जांच

40 के बाद उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या काफी आम हो जाती है। ये दोनों ही हृदय रोग और स्ट्रोक के प्रमुख जोखिम कारक हैं। नियमित रूप से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना बहुत जरूरी है। रक्तचाप की जांच हर साल और कोलेस्ट्रॉल की जांच हर 3-5 साल में करवानी चाहिए। यदि मान सामान्य से अधिक आता है, तो डॉक्टर से सलाह लें।

ब्लड शुगर की जांच

डायबिटीज भारत में तेजी से बढ़ती एक गंभीर बीमारी है। 40 की उम्र के बाद इसका खतरा और बढ़ जाता है। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करवाना (जैसे HbA1c टेस्ट) बहुत जरूरी है। यह जांच न केवल डायबिटीज का पता लगाने में मदद करती है, बल्कि यह भी बताती है कि आपका ब्लड शुगर पिछले तीन महीनों में कितना नियंत्रित रहा है।

प्रोस्टेट की जांच

प्रोस्टेट ग्रंथि पुरुषों में एक महत्वपूर्ण अंग है, और 40 की उम्र के बाद इसमें समस्या होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रोस्टेट-विशिष्ट एंटीजन टेस्ट और डिजिटल रेक्टल एग्जाम प्रोस्टेट कैंसर और प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया जैसी स्थितियों का पता लगाने में मदद करते हैं। शुरुआती चरण में पता चलने पर इन बीमारियों का इलाज आसान हो जाता है।

लिवर और किडनी की जांच

40 की उम्र के बाद लिवर और किडनी का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। इन अंगों की कार्यप्रणाली को जांचने के लिए लिवर फंक्शन टेस्ट और किडनी फंक्शन टेस्ट करवाना चाहिए। ये टेस्ट लिवर एंजाइम के स्तर और क्रिएटिनिन जैसी चीजों को मापते हैं, जिससे यह पता चलता है कि ये अंग ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं। नियमित जांच से फैटी लिवर या किडनी की शुरुआती समस्याओं का पता लगाया जा सकता है, जिससे समय रहते उनका इलाज किया जा सके।

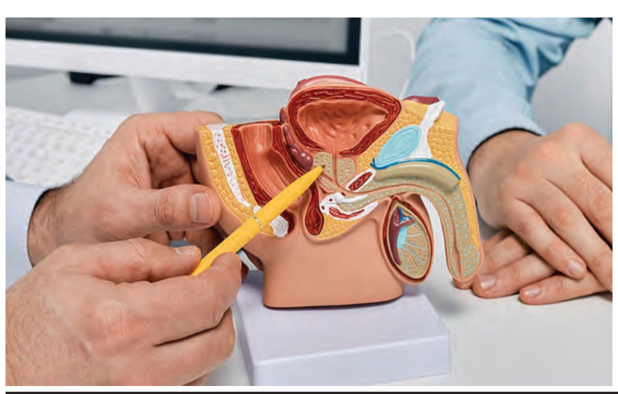

विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक होते हैं। बहुत से लोग इसे 'सनशाइन विटामिन' के नाम से भी जानते हैं, हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने, कैल्शियम और फॉस्फोरस को अवशोषित करने और हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि आजकल की जीवनशैली में लोग सूरज की रोशनी में बहुत कम समय बिताते हैं, जिससे विटामिन डी की कमी एक आम समस्या बन गई है।

विटामिन डी की कमी से थकान, हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह एक गंभीर स्थिति है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जहां सूरज की रोशनी इसका सबसे अच्छा प्राकृतिक स्रोत है, वहीं कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जिन्हें अपनी डाइट में शामिल करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है। ये खाद्य पदार्थ न केवल आपके शरीर में विटामिन डी का स्तर बढ़ाते हैं, बल्कि आपको अन्य पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही चार खास चीजों के बारे में जानते हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके विटामिन डी की कमी को दूर कर सकते हैं।

मशरूम

मशरूम उन कुछ पौधों में से एक है जिनमें स्वाभाविक रूप से विटामिन डी पाया जाता है। जब मशरूम सूरज की रोशनी या यूवी किरणों के संपर्क में आते हैं, तो वे विटामिन डी2 का उत्पादन करते हैं। मशरूम का सेवन करने से शरीर को विटामिन डी की अच्छी मात्रा मिलती है। आप इसे अपनी सब्जी, सलाद या सूप में शामिल कर सकते हैं।

दूध

दूध को कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन आजकल कई दूध उत्पादों को विटामिन डी से फोर्टिफाई (मजबूत) किया जाता है। विटामिन डी और कैल्शियम दोनों ही हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। फोर्टिफाइड दूध का नियमित सेवन आपके शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम दोनों की कमी को दूर करता है, जिससे हड्डियाँ मजबूत रहती हैं।

वीगन मिल्क

जो लोग डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं करते, उनके लिए फोर्टिफाइड वीगन मिल्क एक बेहतरीन विकल्प है। आजकल सोया मिल्क, बादाम मिल्क, और ओट मिल्क जैसे कई वीगन मिल्क को विटामिन डी से फोर्टिफाइड किया जाता है। इन वीगन मिल्क का सेवन करके आप विटामिन डी की अपनी दैनिक जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

अंडा

अंडा खासकर उसकी जर्दी, विटामिन डी का एक बढ़िया प्राकृतिक स्रोत है। भले ही अंडे में विटामिन डी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो, लेकिन इसका नियमित सेवन आपकी दैनिक जरूरत को पूरा करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, अंडे में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इसे एक पौष्टिक भोजन बनाते हैं।

कमर दर्द के लिए सरल उपाय

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।
- वेंकटेश रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है ।

औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है।

चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑंकोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।
- यस राजेंद्र कुमार, सिकंदराबाद

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में कर्कटार्बुद कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती हैं । यह प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है।

जीभ का कैंसर अक्सर उन लोगों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और औरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म , पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। फेफड़े में घाव है। इसके क्या लक्षण है? उपचार क्या है ? कृपया कर बताएं।
- बाल परमेश्वर, हैदराबाद

उत्तर : फेफड़ों में छालों के कारण खांसी और बलगम आ सकता है। यह लक्षण कभी-कभी या लगातार बने रह सकते हैं। बलगम सफेद या पीला और खून मिला होने पर लाल भी हो सकता है। खांसी के साथ रक्त भी आ सकता है। यह लक्षण 60% व्यक्तियों में देखे जा सकते हैं। इसके कारण सांस फूलना, वजन गिरना, साइनस संक्रमण आदि हो सकते हैं । फेफड़ों के डिजिटल एक्सरे, सीटी स्कैन से फेफड़ों के छालों की पुष्टि हो सकती है। बलगम व रक्त परीक्षण से संक्रमण के कारण का पता चल सकता है ।

ऊंझा श्रंगाराभ्र रस टिकिया, बोल बद्ध रस, लाक्षा चूर्ण, ऊंझा सितोपलादि चूर्ण, ऊंझा बसंत मालती रस आदि का प्रयोग रोग विनिश्चय के बाद कुशल वैद्य के संरक्षण में करना लाभदायक होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

सरकारी बैंकों ने की 39,974 करोड़ की कमाई

अब वित्त मंत्रालय लेगा हिसाब, कल होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। करीब करीब सभी सरकारी बैंकों ने अपने तिमाही नतीजे घोषित कर दिए है। अब वित्तमंत्रालय सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ एक अहम बैठक करने जा रहा है। इस बैठक का मकसद इन बैंकों के तिमाही नतीजों की समीक्षा करना है। बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू करेंगे। एजेंसी रिपोर्ट के मुताबिक 2025-26 की पहली तिमाही के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए 20 अगस्त को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ समीक्षा बैठक होगी। तिमाही नतीजों की बात करें तो देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने 19,160 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत अधिक है। वहीं इडियन ओवरसीज बैंक ने सबसे ज्यादा मुनाफा कमाया है। जून तिमाही के दौरान इडियन ओवरसीज बैंक के मुनाफे में 76 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। इस दौरान बैंक का मुनाफा 1,111 करोड़ रुपये रहा है।

सरकारी बैंकों का प्रदर्शन

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल 11 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 44,218 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभ अर्जित किया। वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने कुल मिलाकर 39,974 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। केवल पंजाब नेशनल बैंक को छोड़ दिया जाए तो जून तिमाही में सभी सरकारी बैंकों ने मुनाफा कमाया है। जून तिमाही के दौरान पंजाब नेशनल बैंक का मुनाफा 48 फीसदी घटा है। इस दौरान इस बैंक का मुनाफा 1,675 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 3,252 करोड़ रुपए था। दरअसल सभी सरकारी बैंक सरकार को डिविडेंड देती है। भारतीय रिजर्व बैंक से लेकर छोटे बैंक तक अपनी कमाई में से कुछ हिस्सा सरकार को डिविडेंड के तौर पर देती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2। 69 लाख करोड़ रुपये डिविडेंड के तौर पर दिए हैं। वही देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई की बात करें तो इस बैंक ने सरकार को 8076 करोड़ का डिविडेंड दिया है।

नकली कीटनाशक बेचने वालों की खैर नहीं

इस घटना के बाद मंत्री शिवराज ने लिया ये फैसला, अफसरों को सौंपा ये टास्क

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नकली खाद-बीज और कीटनाशकों की बिक्री के मामले में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को कृषि मंत्री ने इसी संदर्भ में मंत्रालय में बैठक ली। इसमें कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मंत्री चौहान ने नकली खाद-बीज व कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा, 'किसानों की फसलें खराब होने को सभी अधिकारी अत्यंत गंभीरता से अधिकारी लें, ताकि किसानों को नुकसान से बचाया जा सकें। उन्होंने अफसरों से व्यापक पैमाने पर छापेमारी और खेतों में जाकर जांच करने के निर्देश भी दिए हैं। नकली खाद-बीज और कीटनाशकों के कारण कोई एक नहीं, बल्कि विभिन्न जिलों में सैकड़ों किसान परेशान हो रहे हैं। कई जगह से ऐसी शिकायतें आती है, किसान बोलते हैं कि खेत में दवाई डाल रहे हैं पर इसका असर नहीं हो रहा है, मैं तो बहुत चिंतित हूं। इन किसानों की पीड़ा को गंभीरता से समझा जाना चाहिए।' उन्होंने बैठक में बताया कि मैंने रविवार को खुद किसान के खेत में जाकर देखा है। एक दवाई किसान ने डाली, जिसके कारण सोयाबीन की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई। कल जब मैंने खेत में देखा तो सैकड़ों किसान वहां मौजूद थे। इन सबने मुझे शिकायतें की परेशानी बताईं। बाजार में ऐसी घटिया या नकली दवाई, खाद-बीज बेचने वालों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाना चाहिए, इनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएं। इस संबंध में

अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए मंत्री ने कहा कि नकली खाद, बीज और कीटनाशक किसानों के लिए अभिशाप है। शिवराज सिंह ने कहा कि हम हमारे किसानों को लूटते हुए नहीं देख सकते। मंत्री शिवराज सिंह ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग का अमला राज्य सरकारों के साथ किसानों के खेतों में जाकर जांच करें और अभियान चलाकर व्यापक पैमाने पर आकस्मिक छापेमारी कर कड़ी कार्रवाई करें। सैंपल लिए जाएं व फेल होने पर कार्रवाई करें। जो कंपनी या निर्माता गड़बड़ियां कर रहे हैं, उनके खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे तो गड़बड़ करने वाले लोगों में भय पैदा होगा और किसानों को राहत मिलेगी। गड़बड़ी मिलने पर फैक्ट्रियां व दुकानें सील की जाएं। अगर कहीं कुछ गलत हो रहा हो तो किसानों के हित में कड़ी कार्रवाई करना हमारा धर्म है। अगर कहीं गलत हो रहा है तो नहीं होने दें, यह हमारी ड्यूटी है, जिसका पालन हमें करना है। मंत्री शिवराज सिंह ने इस संबंध में किसानों की शिकायतों को भी सुनने के साथ उनका पूरा समाधान जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि प्राप्त शिकायतों की वे स्वयं नियमित समीक्षा करेंगे। उन्होंने इस संबंध में राज्य सरकारों के साथ बात करके किसानों के मामले में पूरी संवेदना के साथ प्रभावी कार्रवाई करने को कहा।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में हरियाली; सेंसेक्स-निफ्टी में दिखी तेजी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिवाली तक जीएसटी व्यवस्था में बड़े सुधार की योजना से वाहन और टिकाऊ उपभोक्ता सामान कंपनियों के शेयरों में भारी खरीदारी हुई। इससे सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने का भी बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे बढ़कर 87.35 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 676.09 अंक या 0.84 प्रतिशत उछलकर 81,273.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,168.11 अंक या 1.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,765.77 अंक पर पहुंचा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 245.65 अंक या 1.00 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,876.95 पर आ गया। कारोबार के दौरान यह 390.7 अंक या 1.58 प्रतिशत बढ़कर 25,022 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सबसे अधिक 8.94 प्रतिशत चढ़ी। बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ट्रेंट के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं आईटीसी, इटरनल, टेक महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो में गिरावट आई। ऑटो शेयरों की भारी मांग रही, हुंडई मोटर इंडिया के शेयर में 8.45 प्रतिशत की उछाल आई। बीएसई ऑटो इंडेक्स 4.26 प्रतिशत बढ़कर 56,233.33 पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.62 प्रतिशत बढ़कर 66.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,926.76 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। गुरुवार को सेंसेक्स 57.75 अंक या 0.07 प्रतिशत चढ़कर 80,597.66 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 11.95 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 24,631.30 पर बंद हुआ। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 06-02
सूर्यास्त 18-38

ग्रह स्थिति	
सूर्य	सिंह
चन्द्र	मिथुन
मंगल	कन्या
बुध	कर्क
गुरु	मिथुन
शुक्र	मिथुन
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय	
सिंह---	05-54 बजे
कन्या--	08-01 बजे
तुला----	10-06 बजे
वृश्चिक..	12-16 बजे
धनु......	14-29 बजे
मकर...	16-36 बजे
कुंभ....	18-26 बजे
मीन....	20-04 बजे
मेष.....	21-41 बजे
वृष....	23-29 बजे
मिथुन..	01-29 बजे
कर्क...	03-42 बजे

दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 15-32 तक उपरान्त द्वादशी
मास- भाद्रपद कृष्ण , मंगलवार 19 August
नक्षत्र- आर्द्रा 01-07 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - वज्र 20-29 तक सिद्धि
करण- बालव 15-32 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार अजा एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-29 से 17-03 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-02 - 07-36	अशुभ
उत्पात	07-36 - 09-10	अशुभ
चंचल	09-10 - 10-45	शुभ
लाभ	10-45 - 12-20	शुभ
अमृत	12-20 - 13-54	शुभ
काल।	13-54 - 15-29	अशुभ
शुभ।	15-29 - 17-03	शुभ
रोग	17-14 - 18-38	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-38 - 20-03	अशुभ
लाभ	20-03 - 21-29	शुभ
उत्पात	21-29 - 22-54	अशुभ
शुभ	22-54 - 00-20	शुभ
अमृत.	00-20 - 01-45	शुभ
चंचल	01-45 - 03-10	शुभ
रोग	03-10 - 04-36	अशुभ
काल	04-36 - 06-02	अशुभ

इधर भारतीय बाजार में आई तेजी

उधर बिटकॉइन का हुआ बुरा हाल,निवेशकों को किया कंगाल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दिख रही है। लेकिन दूसरी तरफ बिटकॉइन की कीमतों में भारी गिरावट आई है। बिटकॉइन करीब 2. 12% टूटा और 115,000 के पास आ गया। कॉइन मार्केट कैप के डेटा के मुताबिक सोमवार, 18 अगस्त को सुबह 10:30 बजे बिटकॉइन की कीमतें 2। 12% गिरकर $115,559। 05 पर पहुंच गईं। निवेशकों को एक ही दिन में तगड़ा झटका लगा है। बिटकॉइन का मार्केट कैप अभी भी 2। 30 ट्रिलियन डॉलर के करीब है और पिछले 24 घंटे में ट्रेडिंग वॉल्यूम 55। 73 बिलियन डॉलर रहा। इस बीच दूसरा सबसे बड़ा टोकन ईथर भी 3% टूटकर $4,349 पर आ गया। बिटकॉइन इस बीच अपने ऑलटाइम हाई से 7 फीसदी तक टूट गया है। 14 अगस्त को बिटकॉइन ने रिकॉर्ड $125,514 को छुआ था। उसी दिन ईथर भी अपने अब तक के सबसे ऊंचे लेवल से बस $100 दूर रह गया था। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये उछाल ज्यादातर डिजिटल एसेट ट्रेजरी कंपनियों के ज्यादा इन्वेस्टमेंट की वजह से आया था। ऑर्बिट मार्केट्स की को-फाउंडर कैरोलीन मौरोन ने कहा कि पिछले हफ्ते नए रिकॉर्ड बनाने के बाद से मार्केट में लगातार प्रॉफिट बुकिंग चल रही है। यानी लोग मुनाफा कमा कर बेच रहे हैं। इसके अलावा क्रिप्टो ट्रेजरी बूम की स्पीड भी थोड़ी स्लो होती दिख रही है। इधर शेयर मार्केट में माहौल पॉजिटिव है। डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात से पहले एशियाई शेयर बाजार चढ़ गए। एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स 0। 4% बढ़ा, जिसमें चीन और जापान का योगदान सबसे ज्यादा रहा। हालांकि, साउथ कोरिया का मार्केट थोड़ा कमजोर रहा। यूरोपियन शेयर फ्यूचर्स 0। 3% ऊपर और एस एंड पी500 फ्यूचर्स 0। 1% ऊपर रहे। शंघाई स्टॉक इंडेक्स 10 साल के हाई लेवल पर पहुंचने की राह पर है। डॉलर इंडेक्स लगभग फ्लैट रहा। ट्रेजरी यील्ड में हल्की गिरावट आई और 10 साल की यील्ड घटकर 4। 30% हो गई। क्रिप्टो में गिरावट की वजह से सोने की कीमत 0। 4% बढ़ी। निवेशक अब ट्रंप और जेलेंस्की की मीटिंग पर ध्यान लगाए हुए हैं। इससे पहले पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन बिना किसी नए सख्त प्रतिबंध के खत्म हो चुका था। मिजुहो कॉर्प के स्ट्रैटेजिस्ट जॉर्डन रोचेस्टर का कहना है कि फिलहाल मार्केट में बड़े रिएक्शन की उम्मीद नहीं है।

क्योंकि, बहुत कुछ इस पर डिपेंड करता है कि यूक्रेन रूस की शर्तें मानता है या नहीं।

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से रत्न उद्योग में 1.5 लाख नौकरियों पर संकट !

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का रत्न और आभूषण उद्योग इस मुश्किल दौर से गुजर रहा है। यह इंडस्टी देश की इकॉनमी के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इससे लाखों लोगों की रोजी-रोटी चलती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेम्स एंड जूलरी पर 50% टैरिफ लगाया है।

इससे इस उद्योग को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। भारत अपने हीरे के निर्यात का एक तिहाई और जड़े हुए गहनों का लगभग आधा हिस्सा अमेरिका को भेजता है। सूरत, जयपुर, मुंबई और इनके आसपास के इलाकों में इसका असर दिखने लगा है। इन जगहों पर व्यापार कम हो रहा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में लगभग 1 लाख लोग बेरोजगार हो गए हैं। इनमें भावनगर, अमरेली और जूनागढ़ के छोटे कारखानों में काम करने वाले लोग शामिल हैं। निर्यात के ऑर्डर कम होने से कई कंपनियां अपना उत्पादन घटा रही हैं और कर्मचारियों को निकाल रही हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा डायमंड एक्सपोर्टर है। दुनिया के लगभग 90% हीरे भारत में ही प्रोसेस किए जाते हैं। साल 2024-25 में भारत ने अमेरिका को 10 अरब डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए थे। इनमें कट और पॉलिश किए हुए हीरे सबसे ज्यादा थे। इंडस्ट्री के लीडर्स अब सरकार से ट्रेड को लेकर बातचीत तेज करने और इस उद्योग को सहारा देने के लिए कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन किरीट भंसाली ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका को होने वाला निर्यात 9.23 अरब डॉलर से घटकर सिर्फ 2.3 अरब डॉलर रह सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा नुकसान पॉलिश किए हुए हीरे और जड़े हुए सोने के गहनों को होगा।

भंसाली ने कहा कि सूरत में हीरे, महाराष्ट्र में जड़े हुए गहने और जयपुर में रंगीन रत्नों के कारोबार में काम करने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। अभी ठीक से बताना मुश्किल है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि 1.5 लाख नौकरियां जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि शॉर्ट टर्म में अमेरिका को होने वाला निर्यात 70% से ज्यादा घट सकता है। अगर एक हीरा 1000 रुपये में निर्यात किया जाता है, तो उस पर 500 रुपये का टैक्स लगेगा। इस तरह अमेरिका में उसकी कीमत 1500 रुपये हो जाएगी।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

कन्य (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है ।दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता – पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं ।अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 286 कम होकर 99,737 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1.14 लाख किलो बिकी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 18 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोना का दाम 286 रुपए गिरकर 99,737 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 1,00,023 रुपए पर था। वहीं 8 अगस्त को सोने ने 1,01,406 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं चांदी की कीमत आज 916 रुपए कम होकर 1,14,017 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,14,933 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को चांदी ने 1,15,850 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,013,30 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900
मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,180 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,750
कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,180 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,750
चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,180 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,750
भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,230 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,800
हैदराबाद :24 कैरेट सोने की कीमत 103,396 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए 95,255

इंडियन ऑयल को मिला जले हुए खाद्य तेल से हवाई जहाज का ईंधन बनाने का सर्टिफिकेशन

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी ने टिकाऊ एविएशन फ्यूल उत्पादन के लिए अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन हासिल कर लिया है। कंपनी अब इस्तेमाल हो चुके खाना पकाने के तेल से हवाई जहाजों के लिए ईंधन बनाने में सक्षम हो गई है। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने यह जानकारी दी।

कार्बन ऑफसेटिंग और न्यूनीकरण योजना के तहत मिला सर्टिफिकेशन

कंपनी ने बताया कि यह सर्टिफिकेशन कार्बन ऑफसेटिंग और न्यूनीकरण योजना के तहत विकसीत किया गया है, ताकि इस्तेमाल किए कुंकिंग ऑयल से एसएएफ का उत्पादन किया जा सके।

कंपनी का एसएएफ को लेकर लक्ष्य

साहनी ने कहा कि हम देश में यह सर्टिफिकेशन पाने वाले एकमात्र कंपनी हैं। रिफाइनरी इस वर्ष के अंत से लगभग 35,000 टन प्रति वर्ष एसएएफ का उत्पादन शुरू कर देगी।

कंपनी यहां से करती है तेल इकट्ठा

एजेंसियां प्रमुख उपभोक्ताओं, जिनमें होटल श्रृंखलाएं, रेस्तरां और हल्दीराम जैसी कन्फेक्शनरी कंपनियां शामिल हैं। कंपनी यहां से इस्तेमाल किए गए तेल इकट्ठा करती हैं और इसे पानीपत रिफाइनरी में पहुंचाती हैं, जहां इसे विमानन ईंधन में परिवर्तित किया जाता है।

सबसे बड़ी चुनौती

उन्होंने आगे कहा कि देश में इस तरह का तेल बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। एकमात्र चुनौती संग्रह की है। हालांकि बड़ी होटल श्रृंखलाओं से संग्रह करना आसान है, लेकिन घरों सहित छोटे उपयोगकर्ताओं से संग्रह के लिए कोई समाधान ढूंढ़ने की जरूरत है।

एसएएफ क्या है ?

यह एक वैकल्पिक, गैर-पेट्रोलियम आधारित जेट ईंधन है, जिसे जैविक, नवीनीकृत या अपशिष्ट स्रोतों से बनाया जाता है। इसे बायो-जेट ईंधन,

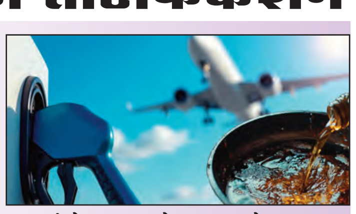

फर्स्ट/नेक्स्ट-जनरेशन बायोफ्यूल या रिन्यूएबल जेट फ्यूल भी कहा जाता है। उपलब्धता के आधार पर, इसे पारंपरिक विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ या जेट ईंधन) के साथ 50 प्रतिशत तक मिश्रित किया जा सकता है। भारत ने 2027 से अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों को बेचे जाने वाले जेट ईंधन में 1 प्रतिशत एसएएफ मिश्रण अनिवार्य कर दिया है। स्पाइसजेट ने अगस्त 2018 में 75% नियमित एटीएफ और 25% जैव ईंधन के मिश्रण का उपयोग करके एक परीक्षण उड़ान का संचालन किया था। इसके बाद, इंडिगो ने फरवरी 2022 में एक अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर 10% एसएएफ मिश्रण वाली उड़ान का प्रदर्शन किया ।

कोविड से मर रहे थे लोग, एयरलाइन ने नौकरी से निकाल दिए 1800 कर्मचारी; अब छह करोड़ डॉलर का जुर्माना

मेलबोर्न, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी एयरलाइन क्वांटास एयरवेज को सोमवार को बड़ा झटका लगा। एक अदालत ने कोविड-19 महामारी के दौरान 1,800 ग्राउंड स्टाफ को अवैध रूप से बर्खास्त करने से जुड़े मामले में एयरलाइन पर 90 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6 करोड़ डॉलर) का रिकॉर्ड जुर्माना भरने का आदेश दिया। अदालत ने पश्चाताप की भावना न होने के कारण एयरलाइन की आलोचना भी की।

ऑस्ट्रेलिया के श्रम कानूनों के इतिहास में किसी कंपनी पर अदालत की ओर से लगाया गया यह सबसे बड़ा जुर्माना है। अपना फैसला सुनाते हुए संघीय न्यायालय के न्यायाधीश माइकल ली ने

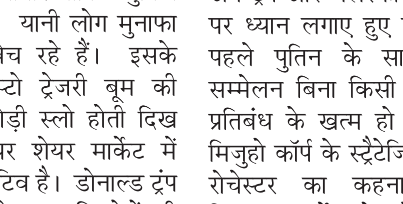

एयरलाइन की मुकदमेबाजी रणनीति की भी आलोचना की। हालांकि क्वांटास ने इस मामले में अपने बोर्ड और प्रबंधन टीम में परिवर्तन भी किए लेकिन ली ने कहा कि एयरलाइन की ओर से व्यक्त किए गए खेद के भाव, श्रमिकों को हुए नुकसान के प्रति पश्चाताप के बजाय, मामले से कंपनी को हुए "नुकसान" से अधिक जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। उन्होंने कहा, मैं स्वीकार करता हूं कि क्वांटास को खेद है, लेकिन मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि खेद का यह स्तर, गलत प्रकार नहीं है। ली ने कहा कि जुर्माने का आकार, जो कि उनके द्वारा निर्धारित अधिकतम राशि का लगभग 75% है, यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण था कि इसे व्यापार करने की लागत के रूप में नहीं देखा जा सके। उन्होंने कहा कि जुर्माने की 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की राशि ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन (टीडब्ल्यूयू) को दी जाएगी, जिसने क्वांटास के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। निर्णय के बाद, टीडब्ल्यूयू के राष्ट्रीय सचिव माइकल केन ने कहा, सभी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, हमने एक विशालकाय संगठन का मुकाबला किया... जिसने स्वयं को निर्दयी सिद्ध किया था, और हम जीत गए। सोमवार का निर्णय बीते दिसंबर में एयरलाइन और बर्खास्त कर्मचारियों के बीच 120 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के मुआवजा कोष पर हुए समझौते के बाद आया है। 2020 में कोविड महामारी के दौरान, क्वांटास के वरिष्ठ प्रबंधन ने 1,820 ग्राउंड स्टाफ को नौकरी से निकालकर उनका काम ठेकेदारों को सौंप दिया था। क्वांटास ने कहा कि यह एक वाणिज्यिक निर्णय था, लेकिन 2021 में संघीय न्यायालय ने इस कदम को गलत माना। एयरलाइन ने कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल अधिकारों का प्रयोग करने और यूनियन बनाने से रोका, जो ऑस्ट्रेलिया के निष्पक्ष कार्य अधिनियम का उल्लंघन था।

शराब घोटाला, भूपेश के बेटे चैतन्य की रिमांड एक दिन बढ़ी

रायपुर स्पेशल कोर्ट में कल फिर होगी सुनवाई, एक महीने से जेल में है बंद

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को रायपुर स्पेशल कोर्ट ने एक दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा है। शराब घोटाला केस में जेल में बंद चैतन्य की 14 दिन की न्यायिक रिमांड आज खत्म हुई। चैतन्य को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में चैतन्य बघेल की 5 दिनों की कस्टोडियल रिमांड की मांग की थी। लेकिन कोर्ट में कंडोलेंस होने के कारण चैतन्य बघेल को 1 दिन के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। ईडी की ओर से लगाए आवेदन पर कल मंगलवार को फिर सुनवाई होगी।

पिछली सुनवाई 4 अगस्त को हुई थी। इस दौरान कोर्ट ने चैतन्य को न्यायिक रिमांड पर भेजा था। इसके पहले चैतन्य की ओर से सुप्रीम कोर्ट में गिरफ्तारी को गलत बताते हुए चुनौती दी गई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई से इनकार कर हाईकोर्ट जाने के लिए कहा था। इसके बाद भूपेश और चैतन्य के वकील हर्षवर्धन परगनिहा ने याचिका

दायर की है।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले- ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को भिलाई से गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं।

ईडी के मुताबिक शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया गया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया गया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

अवैध चर्च पर चला बुलडोजर

बिना परमिशन सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया, मसीही परिवार बोला– जिसको तोड़ा वह चर्च नहीं

बिलासपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सोमवार को अवैध चर्च पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। सरकारी जमीन पर चर्च बनाया गया था। हिन्दू संगठनों ने प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण की शिकायतें की थी। पुलिस बल की मौजूदगी में चर्च को तोड़ा गया।

मामला सकरी थाना क्षेत्र के भरनी गांव का है। वहीं मसीह समाज के लोगों ने बताया कि ये चर्च नहीं है, जिसे प्रशासन की टीम ने तोड़ा है, वह घर है। बच्चों की भविष्य को लेकर मकान बनाया था।

डीजीपी अनुराग गुप्ता को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

बाबूलाल मरांडी की अवमानना याचिका खारिज, नियुक्ति को दी थी चुनौती

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजरिया की पीठ ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा दायर अवमानना याचिका को खारिज कर दिया। अदालत के फैसले से डीजीपी अनुराग गुप्ता को बड़ी राहत मिली है।

अदालत ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जनहित याचिका में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। नियमावली को चुनौती दी गई है, उसपर पर अलग सुनवाई हो सकती है।

बता दें कि बाबूलाल मरांडी ने अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी, जबकि हाई कोर्ट में सरकार की डीजीपी नियुक्ति को लेकर बनाई गई नियमावली को चुनौती दी है।

कपिल सिब्बल ने रखा सरकार का पक्ष

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने झारखंड सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए कहा कि डीजीपी की नियुक्ति पूरी तरह से राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है।

उन्होंने तर्क दिया कि अनुराग गुप्ता को सभी नियमों का पालन करते हुए डीजीपी बनाया गया है। अदालत ने सरकार की इस दलील को स्वीकार करते हुए अवमानना याचिका को खारिज कर दिया।

बाबूलाल मरांडी ने उठाए थे सवाल

गौरतलब है कि बाबूलाल मरांडी ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती दी थी। याचिका में मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया था।

मरांडी का कहना था कि नियुक्ति प्रक्रिया प्रकाश सिंह बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के खिलाफ हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीएससी पैनल से चुने गए डीजीपी को हटाकर अनुराग गुप्ता को गलत तरीके से नियुक्त किया गया।

डीजीपी नियुक्ति में केंद्र और राज्य आमने-सामने

डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव लगातार जारी है। अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल को 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने वाले थे। राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल के विस्तार के लिए केंद्र को पत्र भेजा, लेकिन केंद्र ने प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। केंद्र का स्पष्ट कहना है कि गुप्ता की सेवा 30 अप्रैल को ही समाप्त हो गई।

इसके बावजूद राज्य सरकार ने उन्हें डीजीपी पद पर बनाए रखा है। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार की नियुक्ति नियमावली को नियम विरुद्ध करार देते हुए सेवा विस्तार को असंवैधानिक बताया है। लेकिन झारखंड सरकार अपने रुख पर कायम है और गुप्ता की नियुक्ति को वैध ठहरा रही है।

80 किलो गांजा, अवैध शराब बरामद

पुलिस ने की रेड, एक तस्कर गिरफ्तार एसडीपीओ बोले– कार्रवाई जारी रहेगी

बोकारो, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बोकारो के गोमिया में नशे के अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए बोकारो पुलिस ने रविवार देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर जरीडीह थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई।

जहां से एक युवक को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने गोमिया थाना क्षेत्र के बढ़ा टोली स्थित सुजीत साव के घर छापा मारा और वहां से भारी मात्रा में गांजा व अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से 1-1 किलो के 80 पैकेट गांजा (कुल 80 किलो) और बिना ब्रांड की अवैध शराब जब्त की। बताया जा रहा है कि यह खेप इलाके में सप्लाई के लिए तैयार थी।

इतनी बड़ी मात्रा में गांजा और शराब की बरामदगी से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। तस्करों और इस कारोबार से जुड़े लोगों में पुलिस की इस कार्रवाई के बाद खौफ का माहौल है।

बेरमो एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह ने मामले पर जानकारी देते हुए कहा कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध नशे के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस लगातार निगरानी रख रही है। आने वाले दिनों में जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार, पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा और जरीडीह थाना प्रभारी सुभाष महतो के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल था।

टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर सफलता हासिल की। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस की यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी ताकि युवाओं को नशे के जाल से बचाया जा सके और जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सके।

गैंगस्टर डब्ल्यू सिंह ने किया सरेंडर

पलामू पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण, 37 मामलों का था आरोपी

पलामू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड का कुख्यात अपराधी गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह ने पलामू पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। रात 10:30 बजे उसने मेदिनीनगर टाउन थाने में एसपी रीष्मा रमेशन के सामने हथियार डाले। डब्ल्यू सिंह पर 40 हजार रुपए का इनाम घोषित था और झारखंड पुलिस ने उस पर 5 लाख रुपए का इनाम प्रस्तावित किया था। पलामू कोर्ट ने 2016 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वह फरार हो गया था। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के फुलांग निवासी डब्ल्यू सिंह 2004-05 से अपराध की दुनिया में सक्रिय था। उसका नेटवर्क पलामू, गढ़वा, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची और जमशेदपुर तक फैला हुआ था। उस पर हत्या, रंगदारी, अपहरण सहित 37 गंभीर मामले दर्ज हैं।

लातेहार में लादू बाबू और कुणाल सिंह जैसे चर्चित हत्याकांड को भी उसने अंजाम दिलाया था। आत्मसमर्पण के बाद डब्ल्यू सिंह ने कहा कि वह अब सामान्य जीवन जीना चाहता है और झारखंड सरकार व पुलिस की नीतियों से प्रभावित होकर यह कदम उठाया है।

इन पांच विधायकों में से कोई दो बनेंगे मंत्री

सामान्य के लिए एक पद पक्का, कैबिनेट विस्तार में दिखेगा इस क्षेत्र का प्रभाव

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में किस विधायक का मंत्री बनाया जाएगा इसे लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। राज्य में कैबिनेट का विस्तार संभव है। कहा जा रहा है कि मंत्री बनने वाले विधायकों के पास आज फोन आ सकता है। उन्हें रायपुर बुलाया जा सकता है। माना जा रहा है कि विस्तार में जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण को साधा जा सकता है। विस्तार से पहले कई विधायकों के नाम सामने आ रहे हैं।

कैबिनेट विस्तार को लेकर अभी दो दिन का समय है। 19 और 20 अगस्त को अगर कैबिनेट विस्तार होता है ठीक है नहीं फिर लंबे समय के लिए अटक सकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 21 अगस्त को 10 दिवसीय विदेश दौरे पर जा रहे हैं। उसके बाद पितृ पक्ष को लेकर कैबिनेट विस्तार अटक सकता है। 19 अगस्त को विष्णुदेव साय सरकार की कैबिनेट बैठक होनी है। माना जा

रहा है कि कैबिनेट मीटिंग से पहले मंत्रियों की शपथ हो सकती है। मंत्री पद के लिए जिन नामों की चर्चा सबसे ज्यादा चल रही है उनमें गजेंद्र यादव, अमर अग्रवाल, नीलकंठ टेकाम, अजय चंद्राकर और राजेश मूणत जैसे नेताओं का नाम शामिल है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि एक मंत्री से इस्तीफा लिया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में कैबिनेट विस्तार को लेकर क्षेत्रीय समीकरण को साधा जा सकता है। नए मंत्रियों के नामों को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में तीन से पांच नामों को लेकर चर्चा है। क्षेत्रीय समीकरण देखा जाए तो अभी दुर्ग और रायपुर जिले से एक भी मंत्री नहीं है। कांग्रेस की सरकार में दुर्ग का सबसे ज्यादा दबदबा था। वहीं, जब रमन सिंह मुख्यमंत्री थे तो बस्तर संभाग का प्रभाव देखने को मिलता था। मौजूदा सरकार में सीएम विष्णुदेव साय समेत तीन मंत्री सरगुजा संभाग से हैं।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल में जातिगत समीकरण का ध्यान रखा गया था। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद किसी सामान्य वर्ग के नेता को मंत्री बनाया जा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि सामान्य वर्ग के किसी नेता का मंत्री बनना लगभग तय है।

कैबिनेट विस्तार को लेकर दावा किया जा रहा है कि राज्य में एक सीनियर और एक जूनियर विधायक को मंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि मंत्री कौन बनेगा यह कल तक साफ हो सकता है।

22 साल की मिली थी सजा, जेल में आत्महत्या का प्रयास

नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोप, हाथ पर लिखा सुसाइड नोट, धनबाद जेल का मामला

धनबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। धनबाद मंडल कारा से एक सनसनीखेज घटना सामने आई। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे कैदी जितेंद्र रवानी ने आत्महत्या का प्रयास किया। जेल प्रशासन ने तुरंत उसे एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज जारी है। फिलहाल प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन घटना ने जेल प्रबंधन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

22 साल की सजा काट रहा था कैदी

जितेंद्र रवानी को अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म और उसे गर्भवती करने के मामले में दोषी करार देते हुए 22 साल की सजा सुनाई थी। वह पिछले एक साल से धनबाद जेल में बंद था। परिजनों के मुताबिक, जितेंद्र का उस नाबालिग युवती से प्रेम संबंध था, लेकिन बाद में मामला दुष्कर्म का बन गया और अदालत ने कड़ी सजा दे दी।

कैदी की मां ने बताया कि देर रात जेल प्रशासन की ओर से फोन आया कि उनका बेटा अस्पताल में भर्ती है। जब परिजन एसएनएमएमसीएच पहुंचे तो उन्हें पता चला कि जितेंद्र ने जेल में आत्महत्या का प्रयास किया था। मां का कहना है कि बेटे को न्याय नहीं मिला, इसलिए उसने यह कदम उठाया।

परिवार ने दावा किया है कि आत्महत्या का प्रयास करने से पहले जितेंद्र ने अपने हाथ पर पेन से कुछ लाइनें लिखी थीं। उसमें उसने इस कदम के लिए नाबालिग युवती और उसके पिता को जिम्मेदार ठहराया है। परिवार का आरोप है कि जेल में उसके साथ सही व्यवहार नहीं किया गया और उसे अपनी बात रखने का मौका भी नहीं मिला।

फिलहाल कैदी का इलाज एसएनएमएमसीएच धनबाद में चल रहा है। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति पर निगरानी रखी है। उधर, जेल प्रशासन मामले पर चुप्पी साधे हुए है। घटना के बाद परिजनों और जेल प्रबंधन के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

कैदी द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने के बाद जेल सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। परिवार का कहना है कि यदि कैदी को मानसिक और कानूनी सहारा दिया जाता तो वह यह कदम नहीं उठाता।

लातेहार पुलिस की बड़ी कामयाबी

जेजेएमपी के दो कुख्यात उग्रवादी गिरफ्तार

लातेहार, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के उग्रवाद प्रभावित जिलों में शामिल लातेहार में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले में सक्रिय उग्रवादी संगठन जेजेएमपी (झारखंड जन मुक्ति परिषद) के दो कुख्यात उग्रवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले संगठन को करारा झटका लगा है। सोमवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अरविंद कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी साझा की। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नावागढ़ क्षेत्र के आसपास जेजेएमपी के उग्रवादी देखे गए हैं। सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया गया।

कस्तूरबा गांधी स्कूल की 40 छात्राएं बीमार

नाश्ते में खाया था सोयाबीन की सब्जी और रोटी, होने लगी उल्टी और पेट दर्द, 7 एडमिट

पलामू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में सुबह नाश्ते में सोयाबीन की सब्जी और रोटी खाने के बाद 40 छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। छात्राओं में उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी, जिसके बाद स्कूल प्रबंधन में अफरातफरी मच गई।

बीमार छात्राओं में से सात की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल रेफर किया गया। वहीं बाकी छात्राओं का प्राथमिक उपचार स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

चिकित्सकों के अनुसार सभी छात्राओं की हालत स्थिर है और फिलहाल खतरे से बाहर हैं। जानकारी के मुताबिक रविवार रात को भी छात्राओं ने विद्यालय में

पूड़ी-सब्जी खाई थी। चूंकि जन्माष्टमी का पर्व था, इसलिए कई छात्राओं ने व्रत रखा था। माना जा रहा है कि लंबे समय तक खाली पेट रहने और भोजन में मिलावट या खराबी के कारण यह स्थिति बनी।

घटना के बाद परिजनों को सूचना दी गई और कई अभिभावक अस्पताल पहुंच गए। छात्राओं की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल प्रशासन हरकत में आया और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। घटना की खबर जैसे ही फैली, जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और स्वास्थ्य विभाग की टीम को जांच के लिए भेजा। जिला शिक्षा अधीक्षक सौरव प्रकाश ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, जिन कर्मचारियों या वार्डन की लापरवाही सामने आएगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, इस घटना से अभिभावकों में गुस्सा है। उनका कहना है कि आवासीय विद्यालयों में छात्राओं के स्वास्थ्य और खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन लापरवाही के कारण बच्चों की जान खतरे में पड़ी। परिजनों ने मांग की है कि भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच हो और दोषियों को सख्त सजा मिले।

दो ट्रकों की भिड़ंत, एनएच-20 जाम

आमने सामने ट्रकों में हुई टक्कर, चावल लदा वाहन पलटा, तीन लोग घायल

कोडरमा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में रांची-पटना मुख्य मार्ग (एनएच-20) पर नौवां माइल घाटी के पास दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कोलकाता से बिहार जा रहा चावल लदा ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गया। वहीं, बिहार से आ रहा ईंट लदा ट्रक नियंत्रण खो बैठा और पीछे से आ रहे एक ट्रैक्टर में जा भिड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चावल लदा ट्रक तेज रफ्तार में था और घाटी में मोड़ पर सामने से आ रहे ईंट लदे ट्रक से सीधे टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया और चालक-खलासी उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत कर दोनों को बाहर निकाला। इस दुर्घटना में चावल ट्रक का चालक अख्तर शेख और उपचालक छट्टू यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, ईंट लदे ट्रक का चालक अरुण मेहता भी चोटिल हो गया। सभी घायलों को एंबुलेंस और स्थानीय लोगों की मदद से कोडरमा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आतंक मचाने वाले लंगूर का रेस्क्यू

बेरहमी से पिटाई करने का वीडियो हुआ था वायरल पीटने वाले 3 लोगों पर एफआईआर दर्ज, होगी कार्रवाई

बोकारो, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-11 में कई हफ्तों से दहशत मचाने वाले हनुमान लंगूर की पिटाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। मामला जुलाई महीने का है। दरअसल इस लंगूर ने 15 से 20 लोगों को काट लिया था, जिसके बाद उसे पकड़ कर पीटा गया।

यहीं से वीडियो वायरल हुआ। मामला संज्ञान में आने के बाद रांची और बोकारो वन विभाग की संयुक्त टीम ने 28 जुलाई को अभियान चलाकर घायल लंगूर को पकड़ लिया। उसे इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू जैविक उद्यान बोकारो भेज दिया।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। पता चला कि स्थानीय लोगों ने इस पकड़े गए लंगूर को अमानवीय तरीके से लाठियों से पीटा था। पिटाई से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

यह घटना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वायरल वीडियो के जरिए सामने आई। वीडियो में कुछ लोग, जिनमें चास वन प्रमंडल का एक होम गार्ड जवान भी शामिल है, लंगूर को डंडों से पीटते दिख रहे हैं।

मामले का संज्ञान लेते हुए पीइटीए इंडिया ने बोकारो वन विभाग में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद विभाग ने हरला थाना में तीन नामजद व्यक्तियों— सेक्टर-11/सी निवासी श्रीकांत मास्टर, सेक्टर-11/डी निवासी अरविंद कुमार और चास फॉरेस्ट एरिया में तैनात होम गार्ड मंटू सिंह—के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 291 और 325 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया। साथ ही, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9 के तहत प्राथमिक अपराध रिपोर्ट भी दर्ज हुई। जानकारी के अनुसार, आरोपी होम गार्ड मंटू सिंह को निलंबित कर दिया गया है। वन अधिकारी संदीप शिंदे और बोकारो वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार ने स्पष्ट किया कि वन्य जीवों के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मानव और वन्य जीवों के बीच टकराव का हल हिंसा नहीं है।

झारखंड में बड़ी कार्रवाई

पीएलएफआई के चार सदस्य गिरफ्तार

रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के खूँटी जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें माओवादी ओझा पाहन भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि इनका सरकारी ठेकेदारों से वसूली करने और वाहनों में आग लगाने का प्रयास नाकाम कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, उनके पास से हथियार और माओवादी साहित्य बरामद किया गया है। खूँटी एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि रविवार देर रात तोरपा के एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रानीया थाना क्षेत्र के जिबिलोंग तांगरी इलाके में छापेमारी कर ओझा पाहन और तीन अन्य को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार माओवादी ओझा पाहन पहले भी वाहनों में आग लगाने के मामले में जेल जा चुका है और उस पर खूँटी, रांची और गुमला के कई थानों में करीब 10 मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अन्य तीन पीएलएफआई सदस्यों में जेवियर कोंगाड़ी (29), संतोष कोंगाड़ी (27) और जिबुनुस ऐंद (31) शामिल हैं। इनमें से ओझा पाहन गुमला जिले का रहने वाला है जबकि बाकी तीनों खूँटी जिले के निवासी हैं।

भारतीय मूल की कृशांगी ब्रिटेन की सबसे युवा सॉलिसिटर बनीं

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मूल की लॉ ग्रेजुएट कृशांगी मेश्राम इंग्लैंड और वेल्स की सबसे कम उम्र की सॉलिसिटर बन गई हैं। वह 21 साल की हैं।

कृशांगी पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ी और फिलहाल यूएई में रह रहीं हैं। उन्होंने 15 साल की उम्र में मिल्टन कीन्स ओपन यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई शुरू की। 18 साल में फर्स्ट क्लास ऑनर्स की डिग्री हासिल कर ली।

कृशांगी ने कहा- मैं ओपन यूनिवर्सिटी की बहुत आभारी हूं कि उसने मुझे 15 साल की उम्र में एलएलबी की पढ़ाई शुरू करने का मौका दिया। अपनी पढ़ाई के दौरान ही मैंने न सिर्फ अपने कानूनी करियर की नींव रखी, बल्कि कानून के प्रति एक गहरा और स्थायी जुनून भी मिला।

अफगानिस्तान पर ईरान की कार्रवाई

बिना दस्तावेज रह रहे 20 लाख अफगानी प्रवासी तेहरान से होंगे निर्वासित

तेहरान, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान पर ईरान ने बड़ी कार्रवाई की है। ईरान ने बिना कानूनी दस्तावेज के देश में रह रहे 20 लाख अफगानी प्रवासियों को निर्वासित करने की योजना की घोषणा की है। ईरान ने कहा कि निर्वासन प्रक्रिया कानून के तहत और मानवीय गरिमा के सम्मान के साथ की जाएगी। ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने कहा कि जिन अफगान नागरिकों के पास कानूनी दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वापस भेजने के लिए एक नया कार्यक्रम चल रहा है। मोमेनी ने कहा कि लगभग 20 लाख अफगान नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जाएगा।

पहले चरण में उन अफगानी प्रवासियों पर ध्यान दिया जाएगा जो बिना उचित कानूनी अनुमति के ईरान में प्रवेश कर गए हैं।

भारत मर्सिडीज, पाकिस्तान डंपर ट्रक: पाकिस्तानी मंत्री का बयान

भारतीय जेट गिराने के दावे पर पाकिस्तान की सफाई

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने 17 अगस्त को आर्मी चीफ आसिम मुनीर की तरह भारत को चमकती मर्सिडीज बताया है।

दरअसल, 11 अगस्त को अमेरिका दौरे पर पहुंचे मुनीर ने भारत को चमकती मर्सिडीज और पाकिस्तान को रेत से भरा डंपर ट्रक कहा था। उन्होंने कहा- अगर ट्रक कार से टकराएगा, तो नुकसान किसका होगा?

भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान मुनीर के नेतृत्व की सराहना करते हुए नकवी ने कहा कि- आर्मी चीफ ने जंग के दौरान मई में पाकिस्तान का दौरा करने वाले सऊदी डेलिगेशन के सामने पाकिस्तान की ताकत का बखान करने के लिए इसी उदाहरण का इस्तेमाल किया था।

साथ ही नकवी ने दावा किया कि संघर्ष में पाकिस्तान ने भारत के 6 जेट को मार गिराया था। उन्होंने कहा कि उनके पास इसकी वीडियो फुटेज भी है, लेकिन उन्होंने कोई सबूत पेश नहीं किया। नकवी बोले- हमें पहले से पता था कि भारत क्या योजना बना रहा। नकवी ने यह भी कहा कि हमें पहले से पता था कि भारत क्या योजना बना रहा है और कौन से विमान इस्तेमाल करेगा।

नकवी ने दावा किया कि भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान भारत का कोई भी मिसाइल पाकिस्तान के किसी बड़े सैन्य अड्डे पर नहीं गिरा।

नकवी ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के एक तेल डिपो को तबाह कर दिया। हालांकि, पाकिस्तान ने अभी तक कोई वीडियो या ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया है। भारतीय वायुसेना के एयर मार्शल एके भारती ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर चुनिंदा सैन्य ठिकानों पर सटीक और संतुलित हमले किए।

भारत पाकिस्तान के दावों को खारिज कर चुका

भारत ने इन दावों को पहले ही खारिज कर चुका है। सिंगापुर में 31 मई को भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल

चौहान ने पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह गलत बताया था।

भारत ने मैक्सार टेक्नोलॉजी की हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों से बता चुका है कि पाकिस्तान के कई हवाई अड्डों पर हमले किए गए, जिसमें रनवे, हैंगर और इमारतों को भारी नुकसान हुआ।

मुनीर बोले- हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं

मुनीर ने अमेरिका के दौरे के समय एक कार्यक्रम में कहा था कि हम भारत में सिंधु नदी पर डैम बनने का इंतजार करेंगे, और भारत जब ऐसा कर लेगा तो फिर 10 मिसाइल मारकर उसे गिरा देंगे। मुनीर ने कहा कि सिंधु नदी भारत की फैमिली प्रॉपर्टी नहीं है, हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं है।

आसिम मुनीर ने कहा था, 'भारत के सिंधु जल समझौता रद्द करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के लिए भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।

भारत ने मुनीर की परमाणु धमकी का जवाब देते हुए कहा था कि- परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हमें अपनी सुरक्षा करना आता है।

किसी मित्र देश की धरती से की गई ये टिप्पणी खेदजनक है। दुनिया देख सकती है कि ऐसे बयान कितने गैरजिम्मेदाराना हैं। ये बातें उस देश पर भी शक पैदा करती हैं, जहां परमाणु हथियारों का सुरक्षित होना तय नहीं है और सेना का आतंकियों से संबंध माना जाता है।

भारत के हमले के डर से कराची से ग्वादर भागी थी पाकिस्तानी नौसेना

चीन का है गढ़, मुनीर के बैकअप प्लान पर कैसे हो स्ट्राइक?

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना के हमले के डर से पाकिस्तान की नौसेना ने कराची बंदरगाह को खाली कर दिया था। मैक्सार लैब की तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि भारत ने जब ऑपरेशन सिंदुर चलाया था, उस वक्त पाकिस्तान मानकर चल रहा था कि कराची बंदरगाह पर भारत जरूर हमला करेगा। इसीलिए उसने अपने सभी युद्धपोत और स्ट्रैटजिक संपत्तियों को कराची पोर्ट से हटा लिया था। पाकिस्तान के कई युद्धपोत ईरान की सीमा के पास चले गये थे जबकि कई युद्धपोत को ग्वादर बंदरगाह पर भेज दिया गया था, जिसे चीन ने बनाया है। पाकिस्तान ग्वादर को अपने लिए सुरक्षित पोर्ट मानता है, क्योंकि इसे चीन ने बनाया है और उसे लगता है कि भारत, कम से कम चीन से उलझना नहीं चाहेगा।

इसीलिए ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तान ने धीरे धीरे ग्वादर पोर्ट को नेवी बेस में बदलना शुरू कर दिया है। हालांकि कोई ये सोच सकता है कि इससे क्या फर्क पड़ेगा, जो भारत कराची पोर्ट को तबाह कर सकता है, वो ग्वादर को भी तबाह कर देगा और बात गलत भी नहीं है, लेकिन ग्वादर पोर्ट की गहराई समझने के बाद आपकी सोच बदल सकती है।

पाकिस्तान के लिए ग्वादर पोर्ट का कितना महत्व?

कराची के मुकाबले ग्वादर पोर्ट भारत से ज्यादा दूर है। इसके अलावा चूंकी इसे चीन ने बनाया है, इसीलिए इसे चायना पाकिस्तान इकोनॉमिर कॉरिडोर, यानि सीपीईसी के माथे का मुकुट कहा जाता है।

हालांकि ये बंदरगाह कारोबार के लिहाज से बुरी तरह फेल हो चुका है, लेकिन कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि चीन ने इसे कारोबार करने के लिए बनाया भी नहीं था। चीन ने इसे भारत को घेरने के लिए बनाया है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कराची पर हमले की आशंका के बीच ग्वादर में अपने जहाजों को भेजकर पाकिस्तान ने बता दिया है कि ग्वादर पोर्ट उसके बैकअप प्लान का हिस्सा है। कराची हमेशा से भारत के निशाने पर रहा है और 1971 में भारत ने कराची पोर्ट को तबाह भी कर दिया था। ऐसे में ग्वादर पोर्ट आगे जाकर पाकिस्तान की नौसेना के लिए स्ट्रैटजिक बेस बन सकता है।

ग्वादर बेस को चीन हिंद महासागर का फॉरवार्ड ऑपरेटिंग बेस मानता है। इसके अलावा चीन ने अब हैंगोर क्लास की पनडुब्बियां भी पाकिस्तान को सौंपनी शुरू कर दी हैं और पाकिस्तान इन्हें ग्वादर पोर्ट से ही ऑपरेट कर सकता है। यानि पाकिस्तानी पनडुब्बियां आगे जाकर भारत की समुद्री सर्विलांस को मुश्किल बना सकती हैं।

अमेजन अपने कर्मचारियों को टेक्नोलॉजी में अपस्किल कर रही

दुनियाभर के फुलफिलमेंट सेंटर्स में 10 लाख से ज्यादा रोबोट काम कर रहे

टोक्यो, 18 अगस्त (एजेंसियां)। तकनीक की दुनिया में बड़ा सवाल है कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के दौर में रोबोट्स का भविष्य क्या होगा। इसी सवाल का जवाब तलाशने पहुंचा टोक्यो, जहां अमेजन ने अपने सालाना इवेंट 'डिलिवरिंग द फ्यूचर' का आयोजन किया। टेक्नोलॉजी के लिए मशहूर जापान में हुए इस कार्यक्रम में अमेजन ने अपना 10 लाख वां रोबोट तैनात किया।

आज अमेजन के दुनियाभर के फुलफिलमेंट सेंटर्स में 10 लाख से अधिक रोबोट सक्रिय हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल रोबोट बेड़ा बनाते हैं। मोबाइल रोबोटिक्स के क्षेत्र में अमेजन दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता और ऑपरेटर है।

रोबोट्स का भविष्य 'कोलैब्रेटिव रोबोटिक्स' में

कंपनी के चीफ टेक्नॉलॉजिस्ट टाई ब्रैडी कहते हैं कि रोबोट्स का भविष्य 'कोलैब्रेटिव रोबोटिक्स' में है, यानी ऐसे रोबोट्स जो इंसानों को रिप्लेस करने के बजाय उनकी क्षमताओं को बढ़ाएं और उन्हें सुरक्षित माहौल में काम करने में मदद करें। अमेजन ने भविष्य की नौकरियों और चुनौतियों के लिए खासकर एआई और रोबोटिक्स के क्षेत्र में 7 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को ट्रेनिंग से अपस्किल किया है।

अमेजन ने जनरेटिव एआई मॉडल 'डीप फ्लीट' शुरू किया है। यह तकनीक फुलफिलमेंट सेंटर्स में रोबोट्स को कोऑर्डिनेट करेगा। इससे रोबोट्स के काम करने का समय 10% कम हो गया है। इससे ग्राहकों को जल्दी और कम लागत पर ऑर्डर मिलेगा।

यह एक ऐसा मॉडल है जो एआई की मदद से चलता है। यह डिलिवरी को जल्दी और सटीक बनाने के लिए सैटेलाइट इमेज, रोड नेटवर्क, बिल्डिंग फुटप्रिंट, ग्राहक निर्देश, स्ट्रीट इमेज जैसे दर्जनों सोर्स से डिलिवरी को सटीक बनाता है। अक्टूबर 2024 में इसकी अमेरिका में पहली बार टेस्टिंग की गई।

एआई से पता कर रहे ग्राहकों की जरूरत

एआई युक्त फोरकास्ट मॉडल से कंपनी पता करती है कि किस क्षेत्र में कब, कहां, किस उत्पाद की ग्राहकों को जरूरत है। पहले अमेजन सहित अधिकांश कंपनियों में यह सेल्स की हिस्ट्री यानी ग्राहकों के पिछले ऑर्डर ट्रेंड को देखकर यह किया जाता था। कंपनी इसे अमेरिका, कैनेडा, मैक्सिको और ब्राजील में शुरू कर चुकी है और ये जल्द दूसरी जगह भी शुरू होगा।

ट्रम्प से मुलाकात में पूप-सूटकेस लेकर पहुंचे पुतिन के बॉडीगार्ड

इसमें पुतिन का मल-मूत्र इकट्ठा किया विदेशी एजेंसियों से क्या छिपाना चाहता है रूस

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिले तो उनके बॉडीगार्ड एक खास सूटकेस लेकर पहुंचे।

इसे पूप सूटकेस कहा जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सूटकेस पुतिन के मल-मूत्र को इकट्ठा करने के लिए था। कहा जा रहा है कि पुतिन की टीम ऐसा इसलिए करती है ताकि कोई विदेशी एजेंसी उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी न जुटा सके। फ्रांसीसी मैगजीन पेरिस मैच के मुताबिक, यह सुरक्षा प्रोटोकॉल नया नहीं है। 2017 में फ्रांस यात्रा और वियना दौरे के दौरान भी ऐसा किया गया था। पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठ चुके हैं। पिछले साल कजाकिस्तान में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके पैरों की हरकत और 2023 में बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको से मुलाकात के वक्त कुर्सी पर

झटके लेने जैसी हरकतों ने अटकलें बढ़ा दी थीं।

पुतिन के मल-मूत्र से क्या पता लग सकता है?

डीएनए टेस्ट और मेडिकल जांच से यह पता लगाया जा सकता है कि पुतिन को कोई गंभीर बीमारी तो नहीं। कैंसर, डायबिटीज, किडनी-लिवर की दिक्कतें, या न्यूरोलॉजिकल बीमारी (जैसे पार्किंसन) जैसी जानकारी बाहर आ सकती है। शरीर से निकलने वाले अवशेष में दवाओं के अंश मिलते हैं।

इससे पता चल सकता है कि पुतिन कौन सी दवा ले रहे हैं और किस बीमारी का इलाज करवा रहे हैं। किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं। विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है। यही वजह है कि पुतिन की सिक्योरिटी एजेंसी मल-मूत्र तक इकट्ठा करके रूस ले जाती है। पुतिन की सेहत को लेकर रूसी प्रशासन ने बहुत अधिक गोपनीयता बरती है। इसी कारण मीडिया पुतिन की सेहत के बारे में उनके फोटो और वीडियो के जरिए कयास लगाता रहता है। ऐसी अफवाहें अक्सर उड़ती रही हैं कि पुतिन को थायरॉयड का कैंसर है, या फिर कमर की समस्या है अथवा साइकोसिस है।

फ्लाइंग ताबूत नहीं चाहिए, मूर्ख मत बनाओ

कबाड़ अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर पर मलेशिया के राजा आगबबूला, डील रद्द

कुआलालंपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मलेशिया के किंग ने हथियार डील में शामिल बिचौलियों को फटकार लगाते हुए अमेरिकी हेलीकॉप्टर खरीदने की योजना को रद्द करने के आदेश दे दिए हैं। मलेशिया के राजा सुल्तान इब्राहिम सुल्तान इस्कंदर ने सरकार को 30 साल से ज्यादा पुराने ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर खरीदने की योजना को रद्द करने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने हेलीकॉप्टरों की तुलना उड़ते ताबूत से की है। 16 अगस्त को मर्सिंग में आयोजित स्पेशल सर्विस रेजिमेंट की 60वीं वर्षगांठ परेड में बोलते हुए किंग ने 30 साल से भी पुराने अमेरिकी हेलिकॉप्टरों को फ्लाइंग कॉफिन यानी उड़ते ताबूत करार दिया।

इसके साथ ही सुल्तान ने देश के रक्षा मंत्रालय को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि सेना के

आधुनिकीकरण के नाम पर फालतू के सामान खरीदकर सेना के जवानों की जान को खतरे में डालने की कोशिश फौरन बंद होनी चाहिए। उन्होंने देश की सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि रक्षा सौदों में बिचौलियों और पूर्व सैन्य अधिकारियों की दखलअंदाजी से हालात बिगड़े हैं और अब इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मलेशिया के किंग ने याद दिलाया कि 1980 के दशक में खरीदे गए स्काईहॉक विमान भारी दुर्घटनाओं की वजह से कबाड़ साबित हुए थे, इसलिए वही गलती दोहराई नहीं जानी चाहिए। मलेशिया ने अमेरिका से वियतनाम युद्ध काल के 88 हेलीकॉप्टर खरीदे थे, लेकिन वो बार बार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे। 40 हेलीकॉप्टर्स को कई बार अपग्रेड किया गया और बाद में थक हारकर सभी हेलीकॉप्टर्स को रिटायर करने पर मजबूर होना पड़ा।

इसी बात को लेकर मलेशिया के किंग काफी गुस्से में दिखे और उन्होंने सरकार से पूछा कि 'क्या हम अपने पायलटों को उड़ते ताबूत में डाल देंगे।' उन्होंने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि 'मेरा मानना है कि ऐसा सिर्फ इसलिए हो रहा है क्योंकि बीच में एजेंट शामिल हैं। रक्षा सौदों में पूर्व अधिकारी भरे पड़े हैं, जो सेल्समैन बन गये हैं और स्थिति ये है कि कपड़ा बेचने वाली कंपनियां भी मलेशिया को ड्रोन बेचना चाह रही हैं।

ट्रम्प बोले- यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा

क्रीमिया भी वापस नहीं मिलेगा, अमेरिकी अधिकारी बोले- पुतिन यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर राजी

वॉशिंगटन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन को सैन्य गठबंधन नाटो में शामिल नहीं किया जाएगा और न ही उसे 2014 से रूस के कब्जे वाला क्रीमिया वापस मिलेगा।

ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट किया कि जेलेंस्की चाहें तो रूस के साथ चल रहा युद्ध तुरंत खत्म हो सकता है। सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि जेलेंस्की लड़ाई जारी रखना चाहते हैं या शांति का रास्ता अपनाते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि 12 साल पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर में बिना गोली चले क्रीमिया रूस को सौंप दिया गया था और यूक्रेन भी नाटो में शामिल नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं। ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रविवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन को नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी देने को तैयार हैं।

सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में विटकॉफ ने बताया कि 15 अगस्त को अलास्का में ट्रम्प के साथ हुई बातचीत में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर सहमति बनी।

हालांकि पुतिन ने साफ किया है कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता देने पर रूस कभी राजी नहीं होगा। पुतिन ने इसे रेड लाइन कहा है। विटकॉफ के मुताबिक प्रस्तावित डील के तहत अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को नाटो के आर्टिकल-5 जैसी सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराएंगे। बता दें कि आर्टिकल-5 के तहत किसी एक सदस्य देश पर हमला सभी

पर हमला माना जाता है।

जेलेंस्की ने सुरक्षा गारंटी देने पर अमेरिका का आभार जताया

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर अमेरिका का आभार जताया। जेलेंस्की ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया। साथ ही कहा कि यह गारंटी सिर्फ कागजों पर नहीं होनी चाहिए और इसमें यूरोप की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने यूरोपीय देशों से एकजुट रहने की अपील की। जेलेंस्की ने कहा, 2022 में जब युद्ध शुरू हुआ था, तब यूरोप ने एकजुट होकर सहयोग दिया था।

गिलगित-बाल्टिस्तान में चीनी कब्जे के खिलाफ बगावत

पाकिस्तानी व्यापारियों का विद्रोह, चीन के खिलाफ फूटा गुस्सा

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) में चीन के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। गिलगित-बाल्टिस्तान, जो पीओके हिस्सा है, वहां के स्थानीय कारोबारियों में चीन-पाकिस्तान सांठगांठ के खिलाफ काफी गुस्सा है और अब लोगों का विद्रोह फूट गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा गया कि 31 जुलाई को सोस्त कस्बे में स्थानीय व्यापारियों ने चीनी नागरिकों के खिलाफ सड़क जाम कर दिया था और सीमा पार आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। माना जा रहा है कि स्थानीय लोगों के बीच लंबे समय से गुस्सा भरा हुआ था और अब चीन के खिलाफ उनके धैर्य ने जवाब दे दिया है।

स्थानीय नागरिकों और कारोबारियों का आरोप है कि चीन और पाकिस्तान के बीच जो कारोबारी ढांचा है, वो उनके शोषण के लिए बनाया गया है। जामिन.यूजड की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चीन को चला जाता है और उसमें जो बचता है, उसका एक बड़ा हिस्सा उन्हें पाकिस्तान की सरकार को बतौर टैक्स देना पड़ता है और इसके एवज में पूरे गिलगित में जगह जगह चेक प्वाइंट हैं और हर वक्त उन्हें निगरानी में रखा जाता है।

पुतिन ने पीएम मोदी को फोन किया

ट्रम्प से हुई बातचीत की जानकारी दी, यूक्रेन जंग खत्म करने को लेकर मिले थे पुतिन-ट्रम्प

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को सोमवार शाम फोन किया। उन्होंने पिछले हफ्ते अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ हुई अपनी मुलाकात के बारे में जानकारी दी।

मोदी ने बातचीत के जरिए यूक्रेन जंग का शांतिपूर्ण समाधान खोजने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत इस संबंध में सभी कोशिशों का समर्थन करता है।

पीएम मोदी ने पुतिन को अलास्का में ट्रम्प के साथ उनकी बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी चर्चा की।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 15 अगस्त की देर रात अलास्का में मुलाकात की थी। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई थी। हालांकि यह मुलाकात बेनतीजा रही थी।

पुतिन से मुलाकात को लेकर ट्रम्प ने कहा कि उनकी मीटिंग बहुत अच्छी रही। दोनों कई बिंदुओं पर सहमत थे, लेकिन कोई डील नहीं हुई। ट्रम्प ने कहा कि कोई समझौता तभी होगा जब वह अंतिम रूप लेगा।

ट्रम्प ने इस बैठक को 10 में से 10 अंक दिए। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली

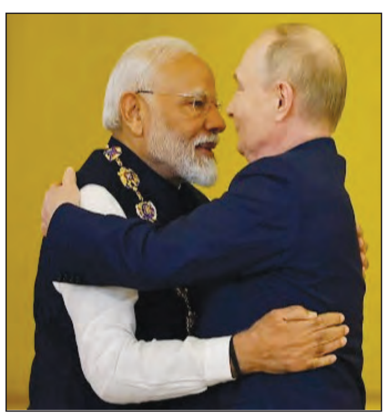

मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 12 अगस्त को पीएम मोदी को फोन कर बातचीत की। जेलेंस्की ने X पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंबी बातचीत की। हमने द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक कूटनीतिक पर विस्तार से चर्चा की। जेलेंस्की ने मोदी को यूक्रेन पर रूसी हमलों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा- मैंने उन्हें (पीएम मोदी को) हमारे ऊपर रूसी हमलों के बारे में बताया, खासकर कल जापोरिझिया में बस स्टेशन पर हुए हमले के बारे में, जहां रूस ने जानबूझकर एक शहर पर बमबारी की, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए।

पायलट ने हवा में परिवार के लिए खोला प्लेन के कॉकपिट का दरवाजा

लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट में पायलट ने कॉकपिट का दरवाजा खुला छोड़ दिया। ये घटना पिछले हफ्ते लंदन हीथ्रो से न्यूयॉर्क जेएफके जा रही उड़ान के दौरान हुई। इस पायलट ने कॉकपिट का दरवाजा इसलिए खुला छोड़ा ताकि प्लेन में बैठा उसका परिवार उसे विमान उड़ाते हुए देख सके। एयरलाइन ने इसे कानून का उल्लंघन करने और यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए पायलट पर एक्शन लेते हुए जांच तक उसे निलंबित कर दिया। ब्रिटेन की मीडिया के मुताबिक, चालक दल और यात्रियों ने जब देखा कि कॉकपिट का दरवाजा खुला है तो उन्होंने जानना चाहा कि ये क्या हो रहा है। उनको पता चला कि ये सुरक्षा का उल्लंघन है तो इस इस घटना ने यात्रियों को बेचैन कर दिया। कॉकपिट का दरवाजा काफी देर तक खुला रहा। इससे ब्रिटिश एयरवेज के सहकर्मी इतने चिंतित थे कि पायलट की सूचना अमेरिका में दी गई और अधिकारियों ने उस पर एक्शन लिया। इस घटना के बाद 8 अगस्त को हीथ्रो पहुंचने वाली वापसी की की फ्लाइट बीए174 रद्द कर दी गई। इससे प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों की पेशकश की गई। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने घटना की तत्काल जांच शुरू की। हालांकि जांच में कोई गंभीर सुरक्षा खतरा नहीं पाया गया। जांच के बाद पायलट को वापस बहाल कर दिया गया।

आरटीई दाखिले को लेकर अभिभावकों का संघर्ष तेज

अशोक गहलोत और खाचरियावास से मिले पीड़ित अभिभावक

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आरटीई के तहत बच्चों को दाखिला नहीं मिलने का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। पिछले एक माह से अभिभावक सड़कों पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन सरकार और शिक्षा विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई न होने पर अब उन्होंने विपक्षी नेताओं का दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया है।

सोमवार को संयुक्त अभिभावक संघ के बैनर तले 50 से अधिक अभिभावक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास से मिले। अभिभावकों ने बताया कि चार महीने से लगातार शिक्षा विभाग और सरकार के चक्कर काटने के बावजूद बच्चों का दाखिला नहीं हो पा रहा है, जिससे वे अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मौके पर शिक्षा निदेशक सीताराम जाट से फोन पर बात कर पूरे मामले का संज्ञान लेने और कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं पूर्व मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने अभिभावकों की पीड़ा समझते हुए आंदोलन करने की चेतावनी दी।

संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि 10 अगस्त को शिक्षा उपसचिव ने स्पष्ट किया था कि कोर्ट ने दाखिले पर कोई रोक नहीं लगाई है, केवल पुनर्भरण राशि को लेकर स्टे है। इसके बावजूद निजी स्कूल कोर्ट के आदेश का हवाला देकर अभिभावकों को गुमराह कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि चयनित विद्यार्थियों का दाखिला सुनिश्चित करे अन्यथा नियमपूर्वक कार्रवाई की जाए।

जैन ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शिक्षा निदेशक ने तुरंत उन सभी स्कूलों की जानकारी मांगी है, जो दाखिले से इंकार कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश देने की बात भी कही। संघ के पदाधिकारी मंगलवार को विपक्ष के नेता टीकाराम जूली से मुलाकात करेंगे और इसके बाद उनके पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से मिलने की भी संभावना है।

जोजरी बचाओ महारैली में उमड़ा जनसैलाब

नींद से जिला जागा प्रशासन

बाड़मेर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा जिले के डोली गांव से शुरू हुआ जोजरी नदी बचाओ आंदोलन का बड़ा असर हुआ है। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब देखकर जिला प्रशासन नींद से जाग उठा है। वहीं, कई गांवों से आए किसानों और युवाओं ने आंदोलन के दौरान आरएलपी सुप्रीमों हनुमान बेनीवाल का खास अंदाज में स्वागत किया है। जेसीबी से उन पर फूलों की वर्षा की गई है। इस बीच बेनीवाल ने सरकार को चेतावनी दी कि जब तक जोजरी नदी में बह रहे प्रदूषित पानी का स्थाई हल नहीं निकलेगा, तब तक संघर्ष रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अब आर-पार की लड़ाई का वक्त आ चुका है, अगर सरकार ने लिखित में हमारी मांगें स्वीकार नहीं की तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा। बीते दिन बेनीवाल के भाषण के बाद आंदोलन का रुख और तेज़ हो गया। देर रात करीब डेढ़ बजे वे सैकड़ों समर्थकों के साथ डोली से बालोतरा कलेक्ट्रेट के लिए कूच कर गए। रास्ते भर कार्यकर्ताओं ने प्रशासन विरोधी नारे लगाए और माहौल आक्रोश से भरा रहा। रात दो बजे के आसपास जुलूस कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचा, तो वहां भी नारेबाजी और घेराव शुरू हो गया। ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन हरकत में आया और कलेक्टर सुशील कुमार यादव तथा एसपी रमेश कुमार मौके पर पहुंचे। डोली में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए बेनीवाल ने कहा कि जोधपुर और पाली की औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला जहरीला रासायनिक पानी पिछले डेढ़-दो दशकों से डोली, अराबा, कल्याणपुर समेत लगभग 60-70 गांवों में तबाही मचा रहा है। खेत बंजर हो चुके हैं, पेयजल दूषित हो गया है और मच्छरों से लेकर बीमारियों तक का खतरा आम जनजीवन को संकट में डाल चुका है। उन्होंने गजेंद्र सिंह शेखावत पर निशाना साधते हुए कहा कि "रिवर फ्रंट जैसे बड़े-बड़े वादे तो खूब किए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस हैं।"

डोली में हनुमान बेनीवाल के पहुंचने पर समर्थकों ने उन्हें जेसीबी पर बैठाकर अभिनंदन किया। जगह-जगह फूल बरसाए गए और मंच पर 51 किलो की माला और तलवार भेंट की गई। रैली में बालोतरा, बायतु, बाड़मेर, जालोर और जोधपुर सहित आसपास के जिलों से हजारों लोग पहुंचे थे। तस्वीर में आप साफ तौर पर देख सकते हैं कि उनके स्वागत के दौरान युवाओं की भीड़ उमड़ी हुई है। तीन से चार जेसीबी के ऊपर चढ़कर बेनीवाल के ऊपर फूलों की वर्षा की जा रही है। वहीं, इस दौरान बेनीवाल अपनी गाड़ी के बोनेट पर बैठे हुए आभार व्यक्त कर रहे हैं। इस बीच कार्यकर्ताओं में एक अलग ही जोश दिख रहा है।

बेनीवाल ने कहा कि "यह समस्या न कांग्रेस ने सुलझाई, न ही भाजपा ने। दोनों सरकारों ने सिर्फ लालीपॉप थमाया। अगर स्थानीय नेताओं में दम होता तो हमें रातभर खेतों में रुककर यह संघर्ष नहीं करना पड़ता।" उन्होंने चेतावनी दी कि यह आंदोलन केवल डोली का नहीं रहा, बल्कि अब पूरे राजस्थान की आवाज़ है। "मैं बाड़मेर से लेकर चंबल और गंगानगर से डूंगरपुर तक हर वर्ग की लड़ाई लड़ रहा हूं। बालोतरा और बाड़मेर आरएलपी का गढ़ है और यहां के लोगों को किसी भी कीमत पर परेशान नहीं होने दूंगा।"

आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक डोली-अराबा-कल्याणपुर सहित प्रभावित गांवों को गंदे पानी से पूरी तरह मुक्ति नहीं मिलेगी, तब तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से चलता रहेगा। शुरू हुआ यह आंदोलन रातभर बालोतरा की सड़कों पर गूंजता रहा और अब पूरे प्रदेश में गंदे पानी और प्रदूषण के खिलाफ नई लड़ाई की शुरुआत माना जा रहा है।

जोजरी नदी बचाओ आंदोलन को लेकर करीब आधे घंटे चली बातचीत में रालोपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। चर्चा के बाद सहमति बनी है, जिनमें पहला बिंदू है, फिलहाल जोधपुर से आ रहे गंदे पानी की सप्लाई तुरंत बंद की जाएगी। दूसरा स्थायी समाधान के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होगी। तीसरा बिंदू है गंदे पानी की आवक पर तत्काल रोक लगाकर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की प्रस्तावित सूची वायरल, गुटबाजी ने घोषणा में अड़ंगा डाला

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी की प्रस्तावित सूची एक बार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए साफ किया कि यह उनकी ओर से जारी सूची नहीं है और यह केवल प्रस्तावित नामों की लिस्ट है। उन्होंने कहा कि यह जांच की जाएगी कि आखिर यह सूची कहां से लीक हुई।

मदन राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष बने एक साल से ज्यादा समय हो गया है लेकिन वे अब तक अपनी टीम का गठन नहीं कर पाए हैं। इस दौरान कार्यकारिणी लीक होने का सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में जयपुर शहर की कार्यकारिणी की घोषणा भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसे कुछ ही देर बाद डिलीट कर दिया गया। इसी तरह प्रदेश युवा मोर्चा की कार्यकारिणी भी पहले जारी हुई लेकिन 53 मिनट बाद वापस ले ली गई।

1 अगस्त को जयपुर शहर बीजेपी की कार्यकारिणी घोषित हुई थी, लेकिन केवल 27 मिनट बाद ही उसे डिलीट कर दिया गया। कारण बताया गया कि कंप्यूटर ऑपरेटर की गलती से यह सूची सोशल मीडिया पर शेयर हो गई। दिलचस्प बात यह रही कि उस सूची में शामिल 34 नेताओं में से 22 सिफारिशी बताए जा रहे थे।

पार्टी के अंदरुनी हालात बताते हैं कि प्रदेश बीजेपी कई गुटों में बंटी हुई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के अलग-अलग गुट हावी हैं। इसके अलावा केंद्रीय नेताओं के अपने-अपने गुट हैं। इसी वजह से सभी गुटों को साधते हुए कार्यकारिणी की घोषणा करना संगठन के लिए आसान नहीं हो रहा है। इस स्थिति से कार्यकर्ताओं में असंतोष और नाराजगी बढ़ रही है क्योंकि लगातार सूचियां जारी होकर वापस ली जा रही हैं और महीनों से कार्यकारिणी गठन का इंतजार किया जा रहा है।

नीले ड्रम में शव मिलने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता

पत्नी और युवक गिरफ्तार, अब खुलेगा राज

अलवर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के किशनगढ़बास कस्बे में युवक की हत्या कर शव को नीले ड्रम में छुपाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सोमवार को मृतक युवक की पत्नी और एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि शाम तक पुलिस इस पूरे मामले का खुलासा करेगी।

एसपी मनीष कुमार चौधरी ने बताया कि घटना के बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमों ने यूपी और राजस्थान में अलग-अलग जगह दबिश दी। इस दौरान मृतक युवक की पत्नी लक्ष्मी देवी उर्फ सुनीता और जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि किशनगढ़बास कस्बे में 35 वर्षीय एक युवक का शव उसके किराए के मकान की छत पर एक नीले ड्रम में मिला। मृतक की पहचान हंसराम उर्फ सूरज के रूप में हुई। मृतक के शव पर नमक डाला गया था, ताकि शव जल्दी गल जाए। वहीं घटना के बाद से ही मृतक की पत्नी अपने तीन बच्चों और मकान मालिक का बेटा भी लापता थे।

डीएसपी राजेंद्र सिंह निर्वाण ने बताया कि हंसराम आदर्श कॉलोनी में राजेश शर्मा के मकान में ऊपर किराए पर पत्नी व तीन बच्चों के साथ रह रहा था। दो दिन से परिवार के नीचे नहीं आने पर शक होने पर मकान मालकिन मिथिलेश देवी शर्मा छत पर गई तो वहां रसोई में रखे एक नीले रंग के ड्रम में बदबू आ रही थी। इस पर उसका शक और गहरा गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर डीएसपी राजेंद्र सिंह, थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत पुलिस जाप्ते के मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया।

लाश पर डाला हुआ था नमक

मृतक हंसराम यहां ईंट-भट्टे पर काम करता था। थाना पुलिस किशनगढ़बास और एफएसएल टीम ने मौके पर तथ्य जुटाए तथा शव को किशनगढ़बास चिकित्सालय की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया है। मृतक के परिजनों को सूचित किया जा रहा है। डीएसपी ने बताया कि ड्रम में शव के ऊपर नमक डाला हुआ था।

वंदे मातरम' नहीं बोलने पर व्यक्ति पर भड़के विधायक बालमुकुंदाचार्य, बोले- दूसरी दुनिया से आए हो क्या?

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर की हवामहल विधानसभा सीट से विधायक बालमुकुंदाचार्य अपने बयानों से अक्सर चर्चा में बने रहते है। इसी कड़ी में जयपुर के वैशाली नगर के एक निजी होटल में नेशनल स्कूल टीचर अवॉर्ड कार्यक्रम में एक व्यक्ति से उलझ गए और उससे पूछा कि क्या वह इस देश का निवासी नहीं है? जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जयपुर के वैशाली नगर के एक निजी होटल में नेशनल स्कूल टीचर अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

इस समारोह में बालमुकुंदाचार्य ने मंच से अपनी बात रखते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। तभी उन्हें एक व्यक्ति दिखाई पड़ा, विधायक का आरोप था कि वह व्यक्ति 'भारत माता की जय और वंदे मातरम' नहीं बोल रहा था। जिसके बाद उन्होंने उस व्यक्ति को खड़ा करके जय बोलने के लिए कहा। लेकिन सभास्थल में मौजूद उस व्यक्ति ने नारे नहीं लगाए। यह देख बालमुकुंद उससे पूछताछ करने लगे।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा- ये कौन लोग हैं? वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि बालमुकुंद अचानक रुक कर उस व्यक्ति को खड़ा होने के लिए कहते हैं, और उससे पूछते हैं। 'भाई साहब बाहर से आए हो क्या? दूसरी दुनिया से आए हो क्या? वंदे मातरम बोलने में क्या प्रॉब्लम है?' वह व्यक्ति कहता है कि कोई प्रॉब्लम नहीं है, लेकिन वह नारे नहीं लगाता। इस पर बालमुकुंदाचार्य आयोजकों से पूछते हैं, ये कौन लोग हैं, कहां से आए हैं?

सरपंच-बिजनेसमैन को पीटने वाला लड़की बनकर नदी किनारे बैठा था

चुन्नी हटाई तो फरार हिस्ट्रीशीटर निकला; बोलेरो कैंपर से कार घेरकर लाठियां बरसाई थी

झुंझुनूं, 18 अगस्त (एजेंसियां)। 15 जुलाई और सरपंच और कॉलेज संचालक से मारपीट के मामले पुलिस ने मुख्य आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस से बचने के लिए बदमाश लड़की बनकर घूम रहा था। जब पुलिस ने उसे पकड़ा तो बदमाश लेगिंग, कुर्ती और चुन्नी लगाए हुए था।

लोकेशन के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की तो नदी के किनारे एक लड़की बैठी नजर आई ऐसे में, पुलिस एकबारगी चौंक गई। लेकिन जब चुन्नी हटाई तो बदमाश ही निकला। आरोपी पुलिस की टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल था। साथ ही, पुलिस ने 5 हजार का इनाम भी घोषित किया हुआ था।

मामला सूरजगढ़ थाना इलाके का है। आरोपी को पुलिस ने सूरजगढ़ थाना इलाके के तोला सेही की काटली नदी से पकड़ा है।

झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया- ककोड़ा सरपंच संदीप हैला और निजी कॉलेज संचालक देवी सिंह ओला पर जानलेवा हमला करने के मामले में सोमवार को रोहित उर्फ मोनू को गिरफ्तार किया गया है। मामले में पहले ही 8 बदमाश पकड़े जा चुके हैं। इसमें राहुल उर्फ बाबा, सेर सिंह उर्फ भुणिया, सुरेंद्र सिंह, विजय कुमार, अरुण, रवि कुमार, अर्पित और जलेसिंह शामिल हैं।

15 जुलाई मंगलवार शाम 6:30 बजे ककोड़ा सरपंच संदीप हैला अपने दोस्त निजी कॉलेज संचालक देवी सिंह ओला के साथ चिड़ावा रोड से सूरजगढ़ लौट रहे थे। बरासिया कॉलेज के पास अचानक कैंपर, पिकअप और बोलेरो में पांच गाड़ियों में बदमाश आए।

रेंज आईजी ने एसएचओ को सस्पेंड कर दिया था: सरपंच की कार को आगे-पीछे से टक्कर मारी। इसके बाद हमलावरों ने लाठी-डंडों और सरियों से कार पर हमला कर दिया। सरपंच संदीप किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। लेकिन, गाड़ी में मौजूद देवी सिंह ओला को बेरहमी से पीटा गया। मामले में सूरजगढ़ एसएचओ हेमराज मीणा को सस्पेंड भी किया गया था।

वेश बदल कर बच रहा था

झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया- मामले में पहले से 8 गिरफ्तारियां हो चुकी थी। इसके बाद भी मुख्य आरोपी मोनू फरार था। पुलिस ने तकनीकी साधनों और मुखबिरों की सूचना पर काम करना शुरू किया। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपी रोहित उर्फ मोनू लगातार अपनी पहचान बदल कर पुलिस को चकमा दे रहा था। इसके बाद पुलिस को ग्राम तोला सेही के जोहड़ क्षेत्र में उसकी लोकेशन मिली। वह महिला के कपड़ों में था।

पुलिस के अनुसार, जब लोकेशन के आधार पर पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची तो मोनू के हुलिए का कोई आदमी नजर नहीं आया। वहां जोहड़ में एक महिला बैठी थी। ऐसे में, पुलिस चौंक गई कि मोनू कहां है।

पहले तो पुलिसकर्मी असमंजस में पड़ गए, लेकिन सूचना पक्की मानकर जब उसकी चुन्नी हटाई गई तो महिला के कपडे पहने मोनू ही बैठा था। उसने लाल रंग की कुर्ती-लेगिंग और चुन्नी ले रखी थी। पूछताछ में रोहित ने स्वीकार किया कि उसने पुलिस और आम लोगों को चकमा देने के लिए यह भेष अपनाया था।

मुंबई-भीलवाड़ा में अकाउंटेंट पिता-पुत्र के ठिकानों पर एक साथ रेड

भीलवाड़ा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पॉलिटिकल पार्टी बनाकर राजनीतिक चंदा लेने और बोगस ट्रांजैक्शन के मामले में आयकर विभाग ने पिता-पुत्र के ठिकानों पर रेड दी है। टीम पहले बेटे आशीष बाकलीवाल के मुंबई स्थित ऑफिस पर पहुंची थी। ठीक इसी समय जयपुर और दिल्ली से आई टीमें भीलवाड़ा के अकाउंटेंट आशीष के पिता कन्हैयालाल बाकलीवाल (50) के घर 1 बजे पहुंची। यहां आयकर की टीमें डॉक्युमेंट्स खंगाल रहीं हैं। साथ ही, अकाउंटेंट कन्हैयालाल से पूछताछ भी कर रही है। भीलवाड़ा में पिछले 35 दिनों में आईटी ने पॉलिटिकल पार्टी को चंदा देकर बोगस ट्रांजैक्शन कराने के मामले में 5वीं रेड की है, 14 जुलाई को देशभर में करीब 150 ठिकानों पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के निर्देश पर आयकर विभाग ने छापेमारी की कार्रवाई की थी। इसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कार्रवाई की गई, जो अब तक जारी है। पॉलिटिकल पार्टी बनाकर राजनीतिक चंदा लेने और बोगस ट्रांजैक्शन के मामले में आयकर विभाग 14 जुलाई से लेकर अब तक 5 ठिकानों पर भीलवाड़ा में रेड दे चुकी है। इसमें 2 अकाउंटेंट, 1 पॉलिटिकल पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और 2 पदाधिकारी शामिल हैं। सोमवार को आयकर विभाग की यह पांचवीं कार्रवाई है। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के चंद्रशेखर आजाद नगर क्षेत्र में रहने वाले अकाउंटेंट और और टैक्स सॉल्यूशन प्रोवाइडर कन्हैया लाल बाकलीवाल के मकान पर दिल्ली-जयपुर से आईटी की टीम पहुंची और सर्च अभियान शुरू किया।

बेटी को गोद में ले छत से कूदी मां

भाई बोला दहेज के लिए ससुराल वालों ने धक्का दिया

अलवर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में एक मां अपनी 5 वर्षीय मासूम बेटी को गोद में लेकर तीन मंजिला घर की छत से कूद गई। घायल बच्ची की मौत हो गई जबकि मां की हालत गंभीर बनी हुई है। महिला के भाई ने आरोप लगाया है कि बहन के ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसे परेशान कर रहे थे और उसे मारने के लिए छत से धक्का दिया है। महिला के भाई ने मुरलीपुरा थाने में हत्या का केस दर्ज करवाया जिसके बाद पुलिस ने शनिवार को आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। मुरलीपुरा SHO वीरेंद्र कुरील ने बताया- मामला 14 अगस्त का है। 5 साल की बच्ची प्रियांशी की मौत हुई है।उसकी मां मंजू मीणा (32) गंभीर घायल है।पुलिस ने शनिवार रात आरोपी पति रविंद्र कुमार को अरेस्ट किया है। एसएचओ वीरेंद्र कुरील ने बताया- खैरथल-तिजारा जिले के खैरथल निवासी अजय कुमार (35) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन मंजू की शादी करीब 13 साल पहले मुरलीपुरा स्कीम के दधीचि नगर निवासी रविंद्र कुमार (35) के साथ हुई थी। रविंद्र और मंजू के प्रियांशी के अलावा 12 साल का एक बेटा भी है। रविंद्र सीकर के रींगस में रहकर प्रॉपर्टी का कारोबार करता है। मंजू अपने बच्चों, सास-ससुर और देवर-देवरानी के साथ मुरलीपुरा स्कीम में रह रही थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद ही मंजू को उसके ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। पीहर वालों ने कई बार रुपए देकर रिश्ते को बचाने की कोशिश भी की लेकिन ससुराल वालों का लालच बढ़ता ही गया। पुलिस का कहना है कि 14 अगस्त को मंजू का पति रविंद्र से मोबाइल कॉल पर झगड़ा हुआ था। गुस्से में रविंद्र ने मंजू को धमकाया और घर आकर देख लेने को कहा। रात करीब 8:30 बजे रविंद्र घर आया। तब मंजू बेटा और बेटी के साथ मकान की तीसरी मंजिल की छत पर थी। रविंद्र ने घर आकर मंजू से झगड़ा किया। इसी दौरान मंजू ने बेटी प्रियांशी को गोद में लेकर छत से छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने से मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। लहूलुहान हालत में पड़ोसियों की मदद से दोनों को मुरलीपुरा स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। हालत नाजुक होने पर प्रियांशी को एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान डॉक्टर ने प्रियांशी को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने भाई-बहन को रोककर बैग की ली तलाशी, मिला गांजा तो किया गिरफ्तार

बारां, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जिले की बापचा थाना पुलिस ने मोतीपुरा रेलवे स्टेशन के समीप से दो भाई-बहन को गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3.95 किलो अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपित भाई-बहन को अवकाशकालीन मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। जहां से युवक को दो दिन के रिमांड पर लिया गया तथा महिला को न्यायिक अभिरक्षा में रखने के आदेश देने पर जेल भेज दिया गया। प्रकरण की जांच थाना प्रभारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व में कोतवाली व सदर थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी में गिरफ्तार अभियुक्तों से उड़ीसा से गांजा तस्करी कर लाने का खुलासा हुआ था। इसके बाद पुलिस टीम अनुसंधान के लिए ओडिशा भी गई थी। इस प्रकरण में भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि एएसपी राजेश चौधरी के सुपरविजन व डीएसपी छबड़ा विकास कुमार के नेतृत्व में बापचा थाना प्रभारी बुद्धराम थाने की टीम के साथ मोतीपुरा चौकी पीएचसी के सामने नाकाबंदी कर रहे थे। इस दौरान मोतीपुरा रेलवे स्टेशन की ओर से बारां शहर के लंका कॉलोनी निवासी लक्की यादव व हीना यादव की पूछताछ में संतोषप्रद जानकारी नहीं देने पर तलाशी ली तो दोनों के पास मौजूद दो बैगों में टेप से चिपके हुए दो पैकेट में 3.95 किलोग्राम गांजा मिला। गांजा जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। पाली थाना प्रभारी विष्णु पंकज ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी लक्की यादव 19 को दो दिन के लिए रिमांड पर लिया है तथा उसकी बहन हीना यादव 25 को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। फिलहाल आरोपी से गहनता से पूछताछ कर सूचनाओं की तस्दीक की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से किशोर की मौत

अलवर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया।

घर से महज 200 मीटर की दूरी पर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने 14 वर्षीय मोनीश खान, पुत्र मौसम खान को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मोनीश सातवीं कक्षा का छात्र था और घटना के समय दुकान से कुछ सामान खरीदकर घर लौट रहा था। तभी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर चालक ने कान में ईयर फोन लगा रखा था। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक और उसका साथी वाहन वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर थाने ले लिया और चालक की तलाश में नाकेबंदी भी की लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग पाया।

मृतक मोनीश मौसम खान का घर का सबसे बड़ा बेटा था। परिवार में अब एक बेटा और एक बेटी शेष हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच जारी है।

सरदार सर्वई पापन्ना सच्चे जननेता थे : महेश गौड

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साहस और वीरता के प्रतीक सरदार सर्वई पापन्ना की 375वीं जयंती आज रवींद्र भारती में मनाई गई।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ और अन्य ने महान स्वतंत्रता सेनानी को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, महेश कुमार गौड़ ने कहा कि सरदार सर्वई पापन्ना एक प्रखर नेता के रूप में उभरे और उन्होंने औरंगजेब के शासनकाल में भोंगिर और गोलकुंडा के किलों पर भी विजय प्राप्त की थी।

पापन्ना के वीरतापूर्ण कार्यों को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि यह महान सेनानी जनसेवा के लिए समर्पित एक सच्चे जननेता थे। मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय के पास पापन्ना की एक प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया है और अधिकारियों को इसे छह महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने दावा किया, वित्तीय तंगी के बावजूद, सरकार अपने वादे पूरे कर रही है। मुख्यमंत्री राहुल गांधी के नारे- 'जिसकी जितनी जनसंख्या, उतना हिस्सा' को लागू कर रहे हैं। तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण एक ऐतिहासिक फैसला है जो पूरे देश का मार्गदर्शन करेगा।

उन्होंने पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले कानूनों में बाधा डालने के लिए विपक्ष की आलोचना की और नेताओं से समाज सेवा में सर्वई पापन्ना और ज्योतिबा फुले से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। पारंपरिक व्यवसायों को बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ये लुप्त हो गए तो मानवता का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वकाती श्रीहरि, अदलुरी लक्ष्मण, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, विधायक, विधान पार्षद, निगम अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के अध्यक्ष जजुला श्रीनिवास गौड़, पूर्व सांसद मधु यशकी गौड़ और कई गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

तीन जिलों में रेड अलर्ट जारी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तीन जिलों मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम और महबूबाबाद में अत्यधिक भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान में इन जिलों में बहुत भारी से लेकर अत्यंत भारी वर्षा (115.6 मिमी और 204.5 मिमी से अधिक) की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने जयशंकर भूपालपल्ली जिले के लिए भारी से बहुत भारी बारिश (204.5 मिमी तक) का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है, इसके अलावा आदिलाबाद, हनुमाकोंडा, कामारेड्डी, खम्मम, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, मेदक, निर्मल, संगारेड्डी, सूर्यापेट, विकाराबाद और वारंगल जिलों में 64.5 मिमी से 115.5 मिमी तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

150वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप सोमाजीगुडा में 172 लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा डिसेबल फाउंडेशन ट्रस्ट, इंडियन रेडक्रास सोसायटी हैदराबाद जिला शाखा के सहयोग से 150वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप सोमाजीगुडा स्थित संस्कृति राजभवन कम्युनिटी हॉल में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री अदलुरी लक्ष्मण, हैदराबाद जिलाधीश श्रीमती हरिचंदन एवं पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी पित्ती उपस्थित थे। शिविर में मेडिकवर अस्पताल सिकंदराबाद द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जिसमें डॉ. सुमाश्री (आर्थोपेडिक), डॉ. सिंधु (कार्डियोलॉजी) और मार्केटिंग के नरेंद्र, प्रबंधक संतोष और साई कृष्णा ने अपना सहयोग दिया। एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई जिसमें 84 लोगों को चश्में तथा 4 लोगों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ सिकंदराबाद साधुराम नेत्र अस्पताल के ट्रस्टी किशोर छाबरिया, भगवान, एमडी नूर, शिविर समन्वयक यादगिरी ने सेवा प्रदान की।

अवसर पर शिविर संयोजक व अग्रवाल सेवा दल के सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, रतन गुप्ता, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, स्वयंसेवक सुनयना नरसरिया, दिशा गुप्ता, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, स्थानीय सहयोगी भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हैदराबाद शाखा, विकलांग ट्रस्ट डॉ. नवरी चैरिटेबल ट्रस्ट,रामदेव राव अस्पताल, और जनजागृति ट्रस्ट, डिसेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरय्या, रेड क्रॉस राज्य के सीईओ रामुलु, विधायक के. लक्ष्मा रेड्डी, रेड क्रॉस के अध्यक्ष भीम रेड्डी और आयोजन अध्यक्ष डॉ. विजय भास्कर, डॉ. नारी चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक डॉ. कीर्तना यादव, एफईडी संगठन के गंगाराम, श्रीनिवास, नामा नागेश्वर और किरण गुटिकोंडा सहित अन्य उपस्थित थे। शिविर में 172 लोगों ने लाभ लिया।

उस्मानिया जनरल अस्पताल में एक व्यक्ति ने कर ली आत्महत्या

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को उस्मानिया जनरल अस्पताल की इमारत से कूदकर एक मरीज ने आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, विकाराबाद जिले के तंडूर के इंदिरा नगर में ट्रक चालक अय्यूब खान (63) को 13 अगस्त को हर्निया के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने सोमवार को सर्जरी की तारीख तय की थी। रविवार को अस्पताल की दूसरी मंजिल पर स्थित वार्ड में इलाज के दौरान अय्यूब खान बाथरूम की खिड़की से कूद गया। उन्हें कई गंभीर चोटें आईं और उन्हें आपातकालीन वार्ड में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शायद वह सर्जरी की आशंका से डर गए थे, जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। उनके बेटे ने आगे बताया कि अय्यूब खान पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्थिर थे। अफजलगंज पुलिस जांच कर रही है।

जीजेसी नामपल्ली में शिक्षा के लिए जान जोखिम में डाल रहे हैं छात्र

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज (जीजेसी) (बॉयज़) बाज़ारघाट के सैकड़ों छात्र अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल नहीं कर रहे हैं, बल्कि जर्जर इमारत में कक्षाएं लेने के लिए मजबूर हैं। उन्हें 55 साल से भी ज़्यादा पुरानी एक इमारत में कक्षाएं लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसकी पहचान एक साल पहले ही जर्जर इमारत के रूप में की जा चुकी है।

रविवार को कॉलेज की पहली मंजिल के गलियारे में छत का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। चूंकि उस दिन छुट्टी का दिन था, इसलिए कोई हादसा नहीं हुआ। घटना के बाद, कॉलेज ने सोमवार को छुट्टी घोषित कर दी क्योंकि कक्षाएं, गलियारे और बुनियादी ढांचा बारिश के पानी में भीग गया था। हर बारिश के बाद, प्रिंसिपल के कार्यालय, स्टाफ रूम और कक्षाओं सहित सभी कमरों की छत से पानी टपकता है। लगभग सभी कमरों की दीवारों में दरारें हैं, जिनमें लोहे की बीम और काई की वृद्धि दिखाई देती है, जो इमारत की दयनीय स्थिति को दर्शाती है। छात्रों ने शिकायत की कि गीली दीवारों के संपर्क में आने पर उन्हें बिजली के झटके लगते हैं।

छात्रों ने बताया, अभी तक छत गिरने से हमें कोई चोट नहीं आई है, लेकिन हम अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बारिश के बाद कई बार हमें बिजली का झटका लगा है क्योंकि पानी स्विचबोर्ड में रिस गया था। परिसर में दो कॉलेज भवन हैं, एक का निर्माण 1940 में हुआ था और इसका उपयोग इंटरमीडिएट व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए किया जाता था, तथा दूसरा 1969 में नियमित इंटरमीडिएट शिक्षा के लिए स्थापित किया गया था।

इस जीजेसी कॉलेज में 30 कक्षाओं में से 20 कक्षाएं खस्ताहाल हैं और 10 अन्य अपनी जीर्ण-शीर्ण अवस्था के कारण उपयोग में नहीं आ रही हैं। वर्तमान में, दोनों कॉलेजों में लगभग 1,300 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। राज्य इंजीनियरिंग विभाग ने पिछले वर्ष दोनों भवनों को जीर्ण-शीर्ण घोषित कर दिया था तथा संबंधित प्राधिकारियों को उन्हें ध्वस्त कर नए भवन बनाने की सिफारिश की थी।

जीजेसी का कामकाज देखने वाले इंटरमीडिएट शिक्षा आयुक्तालय ने निर्माण के लिए 30 करोड़ रुपये की मंजूरी का अनुरोध किया था। हालांकि, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह मामला राज्य सरकार के पास लंबित है। रविवार की घटना के बाद, आयुक्तालय के अधिकारियों ने कॉलेज से संपर्क किया और कर्मचारियों तथा छात्रों को आश्वासन दिया कि जब तक नई इमारत का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक उन्हें किसी अन्य स्थान पर अस्थायी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पुराने शहर में बारिश के कारण सड़क निर्माण कार्य ठप, निवासियों को परेशानी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार बारिश के कारण पुराने शहर में सड़क निर्माण कार्य रुक गया है, जिससे कई इलाकों के निवासियों को भारी असुविधा हो रही है। आगामी गणेश उत्सव से पहले कई इलाकों में ठेकेदारों ने पुनर्निर्माण के लिए सड़कें खोदी थीं लेकिन पिछले एक पखवाड़े से लगातार हो रही बारिश के कारण काम अधूरा रह गया, जिससे निवासियों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। जंगममेट निवासी एम. प्रमोद रेड्डी ने बताया कि मुख्य सड़क तक जाने वाले तीन अलग-अलग हिस्सों को ठेकेदारों ने सड़क निर्माण के लिए खोद दिया है। प्रमोद रेड्डी ने कहा, करीब एक महीना हो गया है, और बारिश का हवाला देकर सड़कें नहीं बनाई गई हैं। निवासियों को इलाके से मुख्य सड़क तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बड्डेपल्ली फलकनुमा स्थित अल्माास होटल की ओर जाने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा महीनों पहले पाइपलाइन बिछाने के काम के लिए खोदा गया था। गुटला बाबा दरगा निवासी सैयद हाजी ने शिकायत करते हुए कहा, काम लगभग एक महीने पहले पूरा हो गया था, फिर भी अधिकारियों ने इसकी मरम्मत की ज़हमत नहीं उठाई। इस वजह से खोदे गए हिस्से पर पानी जमा हो जाता है, जिससे यह मच्छरों के पनपने का अड्डा बन जाता है। फतेह दरवाजा जंक्शन पर, दूध बाउली की ओर जाने वाली सड़क को पुनर्निर्माण के लिए तोड़ दिया गया था। हालांकि, जीएचएमसी ने बारिश का हवाला देते हुए एक पखवाड़े से ज़्यादा समय से काम शुरू नहीं किया है। फतेह दरवाजा निवासी मिराज खान ने सवाल किया, जब अधिकारियों को पता है कि बारिश का मौसम है, तो वे ठेकेदारों को इस समय काम शुरू करने की अनुमति क्यों देते हैं? इसी तरह की शिकायतें कई अन्य इलाकों से भी आई हैं, जहां ठेकेदारों ने पुनर्निर्माण के लिए सड़कें खोद दीं, लेकिन बारिश का कारण बताकर काम पूरा करने में देरी कर दी।

धम्माईगुडा स्थित श्री वैष्णव धाम राम मंदिर में तेलंगाना वैष्णव समाज बन्धुओं द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित पुजा-अर्चना, बाल-गोपाल की झांकिया, भजनों, प्रसादी एवं आरती कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

मेदक शहर में बंदरों के हमले में बच्ची घायल, वीडियो वायरल

मेदक, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक शहर के चंद्र भवन कॉलोनी में रविवार को अपने घर के परिसर में अपने दोस्तों के साथ खेलते समय एक बंदर के हमले में 10 वर्षीय लड़की घायल हो गई। बंदर बिना किसी उकसावे के झपट पड़ा, जबकि पास आए दूसरे बंदर ने हमला नहीं किया। लड़की किसी तरह बचकर भागी, लेकिन उसके दाहिने टखने पर खून बहने लगा। उसे इलाज के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीसीटीवी कैमरे में यह घटना कैद हो गई और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

अमोनिया पाइपलाइन में खराबी के कारण बार-बार बंद हो रही है आरएफसीएल

पेद्दापल्ली, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) में बार-बार शटडाउन होने का कारण घटिया अमोनिया पाइपलाइन को माना जा रहा है, जिसके कारण बार-बार रिसाव हुआ और प्रबंधन को इस वर्ष कई बार परिचालन स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। संयंत्र 8 मई से 15 जून तक, फिर 16 जुलाई से 4 अगस्त तक और हाल ही में 14 अगस्त को बंद रहा। अधिकारियों ने तकनीकी कारणों का हवाला दिया, लेकिन राज्य सरकार कथित तौर पर संभावित षड्यंत्र के पहलुओं की जांच कर रही है और खुफिया विभाग से जानकारी मांगी है।

अपनी शुरुआत के बाद से, अमोनिया पाइपलाइन एक लगातार समस्या बनी हुई है, और अधिकारियों को रिसाव के कारण बार-बार उत्पादन रोकना पड़ा है। कई बार बंद होने के बावजूद, कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है।

इन बंदों के समय को लेकर भी चिंताएं जताई जा रही हैं, जो कृषि के चरम मौसम के साथ मेल खाते हैं। यूरिया की कमी से पहले से ही जूझ रहे किसानों पर आरएफसीएल का उत्पादन ठप रहने से और भी ज्यादा असर पड़ा है। इस खरीफ सीजन में, इस संयंत्र ने राज्य को आवश्यक 65,000 टन यूरिया की तुलना में केवल 20,000 टन यूरिया की आपूर्ति की है, जिससे कमी पैदा हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र जानबूझकर कृत्रिम कमी पैदा करने और राज्य सरकार को परेशान करने के लिए संयंत्र को बंद कर रहा है।

रामागुंडम के विधायक मक्कन सिंह राज ठाकुर, जिन्होंने हाल ही में इस सुविधा का निरीक्षण किया था, ने भी इन शंकाओं को दोहराया तथा कहा कि घटिया पाइपलाइनों का उपयोग बार-बार अमोनिया रिसाव का मूल कारण है। 2021 में स्थापित, आरएफसीएल को सालाना 1.2 लाख टन यूरिया उत्पादन और तेलंगाना को 45 प्रतिशत आपूर्ति करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। आरएफसीएल ने प्रतिदिन 3,850 टन यूरिया और 2,220 टन अमोनिया उत्पादन का लक्ष्य रखा था। हालांकि, बार-बार बंद होने के कारण, यह संयंत्र इस सीजन में पहले ही 1.3 लाख मीट्रिक टन उत्पादन करने में विफल रहा है।

स्वयं का शांतिमय होना ही अध्यात्म की सबसे बड़ी सेवा है

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत चन्द्रप्रभ सागर जी ने कहा कि जीवन में विपरीतताओं का आना 'पार्ट ऑफ लाइफ' है, पर उन विपरीतताओं का धैर्य और शांति से सामना करना 'आर्ट ऑफ लाइफ' है। यदि आप हर हाल में शांति और धैर्य से पेश आते हैं तो इससे बड़ी सफलता और कोई नहीं हो सकती। स्वयं का शांतिमय होना घर, समाज और अध्यात्म की सबसे बड़ी सेवा है। जो स्वयं शांतिमय होते हैं, वही दूसरों को शांति का सुकून दे सकते हैं। जो अपने अन्तर्मन को शांतिमय और आनंदमय बनाते हैं, वे कमल के फूल की तरह खिल उठते हैं। ऐसे लोग जहां भी रहते हैं, उनसे शांति और आनंद का स्वर्ग ही स्थापित होता है।

वे एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित कैसे पाएं जीवन में आध्यात्मिक आनंद विषय पर प्रवचन दे रहे थे। संतप्रवर ने कहा कि हर श्वास अद्भुत है और हर सुबह नई जिन्दगी की शुरुआत है। आप अपनी हर श्वास और हर कर्म का आनंद लीजिए। आपके जीवन में शांति का सौन्दर्य बढ़ता जाएगा। आप शांतिपूर्वक बैठिए और सावचेत होकर श्वसन-क्रिया कीजिए। दिमाग में शांति और मुस्कान के भाव को सघन करते जाइए। याद रखिए, दिमाग में विषाद का चैनल चलाएंगे तो हम विषादग्रस्त होंगे और शांति का चैनल चलाएंगे तो हम अपनी जीवंतता को उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि आप शांतिदूत बनकर मुस्कुराइए, परिवार की खुशी के लिए मुस्कुराइए, समाज के सुखद वातावरण के लिए मुस्कुराइए, भावी पीढ़ी की सुन्दरता के लिए मुस्कुराइए। शांत और मुस्कुराता इंसान विश्व-शांति का सच्चा पुजारी है। आप आध्यात्मिक रूप से जाग्रत होइए और सबसे प्रेम करने की दिव्य प्रकृति के मालिक बनिए। यदि आप ऐसा करते हैं तो आप इंसान नहीं, देवदूत हैं। आप तो फूलों की तरह महकते रहें, सितारों की तरह चमकते रहें। किस्मत से मिली है जिन्दगी, आप खुद भी सदा खुश रहिए और औरों को भी खुशियां बांटते रहिए।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के पांच चरण हैं प्रॉपर डाइट, एक्सरसाइज़, ब्रीदिंग, मेडिटेशन और रिलैक्सेशन। संबोधि साधना इन पांचों चरणों को सीखने की वैज्ञानिक और व्यावहारिक पद्धति है। संबोधि का मतलब है सम्यक बोध या संपूर्ण बोध। होश और बोध पूर्व जीवन जीने की आध्यात्मिक कला का नाम है संबोधि साधना। उन्होंने कहा कि शांति, सिद्धि और प्रगति के द्वारों को खोलने का दुनिया में सबसे महत्त्वपूर्ण मार्ग ध्यान है। इंसान जब-जब दुखी, चिंतित अथवा तनावग्रस्त हुआ तब-तब ध्यान ने उसे समाधान का मार्ग दिया है। ध्यान ने अतीत को संवारा है और इसी से वर्तमान और भविष्य को संवारा जा सकता है। ध्यान तो जिंदगी की घड़ी में भरी जाने वाली चाबी है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने चैबीस घंटों को चार्ज कर सकता है। अध्यात्म का सार है ध्यान। जिस ईश्वरीय तत्त्व की तलाश व्यक्ति जीवनभर बाहर करता है, वह तो उसके भीतर है जिसका साक्षात्कार ध्यान से संभव है। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में भादवा

बीज महोत्सव एवं वार्षिक सम्मेलन 24 व 25 अगस्त को

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में श्री आई माताजी के 610वें अवतरण दिवस और ग्यारहवां वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम 24 व 25 अगस्त को आयोजित किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष आशाराम गहलोत और सचिव भोलाराम पंवार ने बताया कि 24 अगस्त प्रातः वेला में श्री आईमाता मंदिर को विशेष रंग-बिरंगे फूलों व लाईटिंग से सजाकर विशेष श्रृंगार किया जायेगा। शाम 7:30 बजे को विशेष पूजा अर्चना एवं आरती होगी। 8:15 बजे को महिला मंडल द्वारा हरजस और 9:15 बजे को जागरण भजन गायक- हेमराज ईड़वा एण्ड नेतराम तिवारी पार्टी द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 10.30 बजे को बोलीयो का कार्यक्रम भी रहेगा।

25 अगस्त को प्रातः गणेश वंदना एवं आईमाता जी पूजा अर्चना श्री आईमाता जी की पूर्ण आरती होगी। 10:30 बजे को सांस्कृतिक कार्यक्रम नन्हे मुन्ने बच्चों एवं महिलाओं द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी।

बीज महोत्सव कार्यक्रम में पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेंगे। समाज बन्धु बीज महोत्सव पर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लें। अध्यक्ष द्वारा सम्बोधन भाषण व धन्यवाद प्रस्ताव, महाप्रसादी करने के पश्चात कार्यक्रम का समापन होगा।

जीडिमेटला स्थित श्री आई माता जी मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी महोत्सव में श्री आईजी भजन मंडली, चिंतल एण्ड पार्टी द्वारा भजन प्रस्तुत किए। अध्यक्ष मांगीलाल काग उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, सह सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, रावतराम बर्फा, सोहनलाल परिहार महेन्द्र देवड़ा, दुर्गाराम मुलेवा, भंवरलाल काग, जयराम परिहार, उदाराम, भुडाराम बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़, जोराराम सोलंकी, अशोक हाम्बड़ एवं समाज बन्धु उपस्थित थे।

हिमायत सागर में जलस्तर बढ़ने से खतरे की घंटी

एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने जारी की बाढ़ की दूसरी चेतावनी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने सोमवार को हिमायतसागर में बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ की चेतावनी जारी की।

जल बोर्ड स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है, क्योंकि जल स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बार-बार अलर्ट जारी किया जा रहा है, खासकर मूसी नदी के किनारे रहने वाले नागरिकों के लिए। हैदराबाद जल बोर्ड ने इस महीने कई बार बाढ़ की चेतावनियां जारी की हैं। सोमवार की चेतावनी 14 अगस्त, 15 अगस्त और 16 अगस्त को जारी की गई चेतावनियों के बाद चौथी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, जल प्रवाह में वृद्धि के कारण, हिमायत सागर से पानी की मात्रा सुबह 10:30 बजे से धीरे-धीरे बढ़ाकर 6000 क्यूसेक कर दी जाएगी। इस बीच, जीएचएमसी हुसैन सागर में जल स्तर की निगरानी कर रही है।

एक व्यक्ति को फिरौती के लिए बदमाशों ने कर लिया अगवा

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा पुलिस ने एक 30 वर्षीय व्यक्ति को बचाया, जिसका रविवार रात को कुछ बदमाशों ने फिरौती के लिए अपहरण कर लिया था। बंडलगुडा थाना क्षेत्र के गौसनगर निवासी शेख पाशा सड़क पर टहल रहे थे, तभी आमिर और एक अन्य व्यक्ति सहित कुछ लोगों ने उनका अपहरण कर लिया। गिरोह ने उन्हें जबरन एक ऑटो रिक्शा में बिठाया और किशनबाग स्थित एक घर में ले जाकर बंधक बना लिया। अपहरणकर्ताओं ने उनके भाई से कुछ खर्चों के लिए 2000 रुपये मांगे, और जब भाई ने ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर कर दिए, तो गिरोह ने 20,000 रुपये और मांगे।

इसके बाद गिरोह शेख पाशा को एक ऑटो रिक्शा में पहाड़ीशरीफ की श्रीरामनगर कॉलोनी के एक घर में ले गया और उसे वहीं बंधक बना लिया। शिकायत पर, बंडलागुडा पुलिस ने श्रीरामनगर कॉलोनी स्थित एक घर पर छापा मारा और शेख पाशा को छुड़ा लिया। अपनी शिकायत में, शेख पाशा ने कहा कि उसे गिरोह के किसी भी सदस्य के बारे में जानकारी नहीं थी और उसका अपहरण सिर्फ पैसों के लिए किया गया था। शेख पाशा ने मीडियाकर्मियों को बताया, अपहरणकर्ताओं, जिनमें कुछ उपद्रवी चादरपोश भी शामिल थे, ने मुझे पीटा और मज़े के लिए सिगरेट पीने पर मजबूर किया। बंडलागुडा पुलिस ने संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशिया कप के लिए क्या होगा भारत का स्क्वॉड

अक्षर या शुभमन किसे मिलेगी उपकप्तानी? ओपनर्स कौन होंगे? बैकअप विकेटकीपर में कितने ऑप्शन?

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में 9 सितंबर से शुरू होगा और टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है.गिल और जायसवाल को लाल गेंद की टेस्ट सीरीज के लिए तरोताजा रखने के कारण टीम में शामिल नहीं किया जा सकता है.श्रेयस अय्यर के शामिल होने की संभावना है जबकि विकल्प विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा चुने जा सकते हैं.

एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है. टूर्नामेंट की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है. एशिया के इस सबसे बड़े क्रिकेट इवेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है. वहीं, एशिया कप 2025 के लिए कुछ खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं तो वहीं, कुछ खिलाड़ियों के चयन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है.

शुभमन गिल का क्या होगा

बता दें कि कुछ दिन पहले ये खबर सामने आ रही थी कि शुभमन गिल को एशिया कप की टीम में शामिल किया जाएगा लेकिन अब रिपोर्ट है कि गिल का चयन एशिया कप की टीम में नहीं होगा. दरअसल, एशिया कप का फाइनल 28 सितंबर को है और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा, ऐसे में चयनकर्ता गिल और जायसवाल को लाल गेंद की सीरीज के लिए तरोताजा रखना चाहेंगे. इसी सोच के तहत गिल और जायसवाल को एशिया कप में शामिल नहीं किया जा सकता है.

यशस्वी जायसवाल को लेकर संशय के बादल

यही नहीं, यशस्वी जायसवाल का भी चयन अब एशिया कप में होना मुश्किल लग रहा है. स्पोर्ट्स स्टार के रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टीम मैनेजमेंट गौतम गंभीर की कोचिंग में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर ही टिके रहने की अधिक संभावना है.बता दें कि भारत ने अब तक गंभीर की कोचिंग में खेले गए 15 टी-20 मैचों में से 13 में जीत हासिल की है.

श्रेयस अय्यर और जितेश शर्मा को मिल सकता है मौका

वहीं, दूसरी ओर श्रेयस अय्यर के टीम में आने की संभावना है. विकल्प विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा का चुना जाना मुमकिन है. श्रेयस ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में टी20 मैच खेला था, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश ने जनवरी 2024 में अपना आखिरी मैच खेला था.

रियान पराग पर रहेगी नजर

पिछले आईपीएल सीज़न में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले 22 वर्षीय पराग चयनकर्ताओं की नज़र में हैं. उन्होंने आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ एक मैच में लगातार छह छक्के लगाने का कमाल भी किया था. आईपीएल में अपने बेहतरीन योगदान के अलावा, पराग ने इंटरनेशनल स्तर पर भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है. यही नहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उन्हें एशिया कप 2025 के लिए अपनी संभावित टीम में भी शामिल किया है. ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि चयनकर्ता अय्यर और रियान पराग में से किसे टीम में चयन करते हैं.

रिंकू सिंह का क्या होगा

जायसवाल और गिल के अलावा रिंकू सिंह और शिवम दुबे के टीम में चुने जाने को लेकर भी संशय हैं. ऐसे में चयनकर्ता किन-किन खिलाड़ियों का चयन करेंगे, यह देखना काफी दिलचस्प रहने वाला है.

बुमराह को लेकर भी सवाल

वहीं, जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन होना या नहीं, इसको लेकर भी संशय से बादल हैं. ऐसे में चयनकर्ता को तय करना होगा कि बुमराह को टीम में शामिल किया जाए या नहीं.

मोहम्मद सिराज को मिलेगा आराम

वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कमाल की गेंदबाजी करने वाले सिराज को चयनकर्ता एशिया कप से आराम दे सकते हैं. सिराज इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा ओवर करने वाले गेंदबाज थे. ऐसे में उम्मीद यही है कि सिराज को आराम दिया जाने का फैसला किया जा सकता है.

एशिया कप के लिए ये 11 खिलाड़ी लगभग तय

संजू सैमसम, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा

यूपी टी-20 लीग 2025 : तमन्ना भाटिया-दिशा पाटनी ने मचाई धूम

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के अटल बिहारी इकाना स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग की ओपनिंग सेरेमनी शानदार तरीके से हुई। जहां बॉलीवुड के सितारों ने महफिल लूटी और स्टेज पर ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया कि दर्शक भी झूमते दिखे। एक्ट्रेस दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, जान्हवी कपूर, एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और गायक सुनिधि चौहान ने ओपनिंग सेरेमनी को रंगीन बनाया। सोशल मीडिया पर यूपी टी-20 लीग के उद्घाटन समारोह की तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दरअसल, यूपी टी-20 लीग की ट्रॉफी का अनावरण बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया। उनके साथ यूपीसीए के सीईओ अंकित चटर्जी, इकाना स्पोर्ट्स सिटी के सीएमडी उदय सिन्हा, यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन डीएस चौहान भी शामिल रहे। इकाना स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग में सिंगर सुनिधि चौहान, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने अपने परफॉर्मेंस से खूब महफिल लूटी।

सुनिधि ने इश्क है तो के बाद अइसा है कोई दिलवाला रे गेने पर दर्शक का मनोरंजन किया। दिशा पाटनी ने डू यू लव मी गाने पर डांस किया। उनके बाद तमन्ना ने अपने धमाकेदार प्रस्तुति से दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। अंत में सिद्धार्श मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर ने मंच पर एंट्री की और अपनी आने वाली फिल्म परम सुंदरी का प्रमोशन किया।

यूपी टी-20 लीग 2025 का ओपनिंग मुकाबला मेरठ मेवरिक्स बनाम कानपुर सुपरस्टार्स के बीच खेला गया। इस मैच में कानपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बैटिंग करते हुए कप्तान रिंकू सिंह की टीम के लिए रितुराज शर्मा (60*) और माधव कौशिक (95*) रन बनाए और टीम को 225 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

इसके जवाब में कानपुर की टीम 20 ओवर के खेल तक 139 रन ही बना सकी। मेरठ की टीम ने पहला मैच 86 रन से अपने नाम किया।

खेल प्रशासन में शीर्ष पद के लिए पात्रता नियम में बदलाव

पीटी उषा-कल्याण चौबे को हो सकता है फायदा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महासंघों में शीर्ष पद के लिए खेल मंत्रालय पात्रता नियमों में बदलाव करने जा रहा है। युवा प्रशासकों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। अभी शीर्ष पदों के लिए दो कार्यकाल की पात्रता निर्धारित है, लेकिन अब यह एक कार्यकाल तक सीमित हो जाएगी। इस बदलाव से भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की वर्तमान अध्यक्ष पीटी उषा और भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के प्रमुख कल्याण चौबे के लिए दोबारा चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो सकता है।

खेल विधेयक को अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

हाल ही में संसद के दोनों सदनों से राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पारित हुआ था और इस विधेयक को औपचारिक रूप से एक अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इस विधेयक में राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव लड़ने हेतु मानदंड निर्धारित किए गए हैं। शीर्ष तीन पदों के लिए इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए मूल रूप से कार्यकारी समिति में दो कार्यकाल अनिवार्य थे। सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद इसमें संशोधन कर इसे न्यूनतम एक कार्यकाल तक सीमित कर दिया गया है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि यह बदलाव प्रशासकों का एक बड़ा प्रतिस्पर्धी क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संतुलन बनाता है। उन्होंने तर्क दिया, महासंघों के चुनावों में दावेदारी पेश करने के लिए न्यूनतम पूर्व कार्यकाल की शर्त को कम करने का निर्णय योग्य और सक्षम उम्मीदवारों के विकल्प को व्यापक बनाने के लिये लिया गया। इसमें यह भी सुनिश्चित किया गया कि उनके पास प्रभावी ढंग से सेवा करने के लिए पर्याप्त अनुभव हो।

दोबारा चुनाव लड़ने के लिए मान्य होंगे उषा और चौबे

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और एआईएफएफ प्रमुख कल्याण चौबे ने अपने-अपने निकायों की कार्यकारी समितियों में एक-एक कार्यकाल पूरा किया है। अब अगर उषा और चौबे चाहें तो दोबारा चुनाव लड़ सकेंगे। संशोधित प्रावधान राज्य निकायों के अध्यक्षों, सचिवों और कोषाध्यक्षों के लिए भी राष्ट्रीय खेल संघों में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए दावा करने का रास्ता बनाता है, जिससे चुनाव के समय प्रतिस्पर्धा का दायरा बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि कार्यकारी समिति में न्यूनतम कार्यकाल की आवश्यकता को कम करने से यह सुनिश्चित होगा कि निरंतरता और अनुभव के सिद्धांतों से समझौता किए बिना व्यापक प्रतिभा उपलब्ध हो सके।

भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

27 और 28 अगस्त को होगा मुकाबला

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होगा। गत विश्व चैंपियन नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया डायमंड लीग मीट में हिस्सा नहीं लिया था और उनके 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले अगले डायमंड लीग चरण में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है।

मौजूद नीरज

तालिका में तीसरे स्थान पर

हालांकि, इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह ब्रसेल्स में हिस्सा लेंगे या नहीं क्योंकि नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। नीरज एक चरण में शीर्ष पर रहे थे, जबकि एक अन्य डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर थे। नीरज से आगे 17 अंक लेकर केशोर्न वालकॉट और 15 अंकों के साथ जूलियन वेबर हैं। ब्रसेल्स चरण के बाद तालिका में शीर्ष छह पर रहने वाले एथलीट ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

इस सीजन बेहतरीन रहा है नीरज का प्रदर्शन

नीरज ने आखिरी बार पांच जुलाई को बंगलूरू में हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो कर खिताब जीता था। नीरज के लिए यह सीजन अब तक शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में बहुप्रतिक्षित 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था और वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया था। नीरज 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

दलीप ट्रॉफी 2025- ईशान किशन टूर्नामेंट से बाहर

अभिमन्यु ईश्वरन बने ईस्ट जोन के कप्तान; ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन टीम में शामिल

बेंगलुरु, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर हो गए हैं। ओडिशा क्रिकेट संघ ने ईशान के बाहर होने की पुष्टि की और बताया कि उनकी जगह टीम में आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। ईशान टूर्नामेंट में पूर्वी क्षेत्र टीम की कमान संभालने वाले थे, लेकिन अब उनकी अनुपस्थिति में उपकप्तान अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी का जिम्मा संभालेंगे।

स्वास्तिक समल स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर शामिल

आशीर्वाद के टीम में शामिल होने से स्वास्तिक समल को स्टैंडबाई रखा गया है। ईशान की चोट कितनी गंभीर है इस बारे में अभी पता नहीं चल सका है। ओडिशा क्रिकेट संघ ने बयान जारी कर कहा, ओडिशा के विकेटकीपर बल्लेबाज आशीर्वाद स्वैन को दलीप ट्रॉफी के लिए पूर्वी क्षेत्र टीम में चुना गया है। वह ईशान किशन की जगह लेंगे। वह संदीप पटनायक के साथ टीम में शामिल होंगे, जबकि स्वास्तिक सामल को स्टैंडबाई के तौर पर रखा गया है।

ईशान को आखिरी बार काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन 1 में नॉटिंघमशायर के लिए खेलते हुए देखा गया था। विकेटकीपर बल्लेबाज ने काउंटी टीम के लिए दो लाल गेंद वाले मैचों में दो अर्धशतक लगाए और यहां तक कि उनके लिए थोड़ी स्पिन गेंदबाजी भी की। ईशान हाल ही में ओवल टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत की जगह लेने की दौड़ में थे, लेकिन एन जगदीशन को उनसे आगे चुना गया। आकाश दीप के बाद ईशान पूर्वी क्षेत्र की टीम से हटने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं क्योंकि इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के कड़े दौरे के बाद आराम करने का फैसला किया था। पूर्वी क्षेत्र का टूर्नामेंट के पहले मैच में 28 अगस्त से बंगलूरू में उत्तरी क्षेत्र से मुकाबला होगा।

पूर्वी क्षेत्र की टीम - अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मोहम्मद शमी, आशीर्वाद स्वैन।

29 अगस्त से हीरो एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप

नालंदा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में आयोजित होने वाले हीरो एशिया कप हॉकी 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं. 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टूर्नामेंट के आधिकारिक शुभंकर 'चांद' और ट्रॉफी का भव्य अनावरण किया. इस अवसर पर उन्होंने ट्रॉफी गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो बिहार के सभी जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों से होकर गुजरेगी. बिहार के लिए गौरव का क्षणः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में पहली बार आयोजित होने वाला यह प्रतिष्ठित पुरुष हॉकी टूर्नामेंट राज्य के लिए गौरव का विषय है. यह आयोजन न केवल बिहार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी राज्य की वैश्विक छवि को मजबूत करेगा.

कब से शुरू हो रहा मुकाबलाः राजगीर खेल परिसर में 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा. इसके लिए राजगीर खेल परिसर में विश्वस्तरीय हॉकी स्टेडियम सहित कई खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं. 'चांद' हॉकी के जादूगर का प्रतीकः हीरो एशिया कप 2025 का शुभंकर 'चांद' भारत के राष्ट्रीय पशु बाघ से प्रेरित है, जो साहस, स्फूर्ति और कौशल का प्रतीक है. इसका लाल लबादा शक्ति और उत्साह को दर्शाता है, जबकि जादूगर की टोपी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करती है. 'चांद' का नाम मेजर ध्यानचंद से प्रेरित है, जिन्होंने चांदनी रातों में अभ्यास कर हॉकी में इतिहास रचा. यह शुभंकर बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के बाघ से भी प्रेरणा लेता है.

एशिया कप हॉकी- पाकिस्तान की जगह खेल सकता है बांग्लादेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हॉकी पुरुष एशिया कप में बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान की जगह ले सकती है। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होना है और अगर पाकिस्तान ने अगले कुछ दिनों में इसमें भाग लेने की पुष्टि नहीं की तो बांग्लादेश को उसकी जगह शामिल किया जाएगा। भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह एशिया कप के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देगी, लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर यात्रा करने से मना कर दिया है।

अगले दो दिन में स्थिति होगी स्पष्ट

आयोजकों ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह भरने के लिए बांग्लादेश से संपर्क किया है, लेकिन हॉकी इंडिया ने कहा कि अगले 48 घंटों में वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने कहा, भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देने को तैयार है, लेकिन अगर वे भारत नहीं आना चाहते तो यह हमारी समस्या नहीं है। अगर पाकिस्तान नहीं आता है तो बांग्लादेश को पहले ही भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है, लेकिन हमें पुष्टि के लिए दो दिन और इंतजार करना होगा। न तो पाकिस्तान और ना ही बांग्लादेश ने अभी तक हमें इसकी पुष्टि की है। लेकिन बांग्लादेश पाकिस्तान की जगह ले सकता है।

ये टीमें एशिया कप में लेंगी हिस्सा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव के बाद एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित हो गई थी। एशिया कप 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। मेजबान भारत के अलावा, एशिया कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और चीनी ताइपे हैं।

सरफराज खान ने ठोका तूफानी शतक

टीम इंडिया ने कर दिया था बाहर

चेन्नई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बुची बाबू 2025 टूर्नामेंट की शुरुआत हो चुकी है. तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से इस टूर्नामेंट का आयोजन 18 अगस्त से 9 सितंबर के बीच करवाया जा रहा है. टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के चार ग्रुप में बांटा गया है. राउंड 1 में टीएनसीए इलेवन और मुंबई के बीच गोजन कॉलेज बी ग्राउंड पर टक्कर हो रही है. इस मुकाबले के पहले ही दिन भारत के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने एक शानदार शतक जड़कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. सरफराज खान ने ये शतक 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जड़ा. वह जब बल्लेबाजी करने उतरे तो मुंबई ने 98 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद सरफराज खान ने टीम की पारी को संभालने का काम किया और तूफानी शतक जड़ा. सरफराज ने सिर्फ 92 गेंदों पर 100 रन का आंकड़ा छुआ. इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी जड़े. सरफराज खान के लिए ये पारी कई मायनों में खास हैं, क्योंकि हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में नहीं चुना गया था. सरफराज खान पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर भी चर्चाओं में हैं. टीम इंडिया में ना चुने जाने के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया था. सरफराज खान ने महज डेढ़ महीने में लगभग 17 किलो वजन कम करके सभी को चौंका दिया था. वजह घटाने के बाद ये उनका पहला मैच है और वह इस मुकाबले में अपनी छाप छोड़ने में भी कामयाब रहे हैं. सरफराज खान की नजर अब वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज में अपनी जगह बनाने पर है.

अरे सब गंवार हैं, बाबर आजम की महानता समझ ही नहीं सकते

पाकिस्तान के सिलेक्टरों पर फट पड़े जावेद मियांदाद

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित हो गई है। टीम को उससे पहले यूएई में ट्राई सीरीज भी खेलनी है। इसमें वही खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिन्हें एशिया कप के लिए चुना गया है। टीम में पूर्व कप्तान बाबर आजम के साथ ही प्रमुख विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं मिली है। दोनों टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप-2 पर हैं। हालांकि स्ट्राइक रेट की वजह से दोनों की आलोचना होती है।

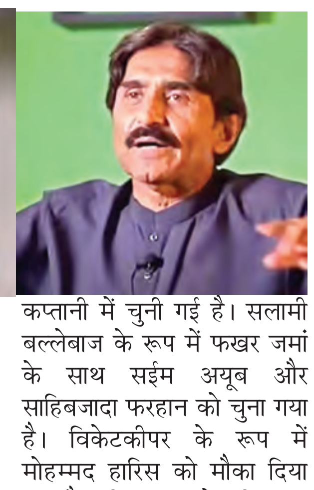

बाबर आजम को एशिया कप टीम में जगह नहीं देने की वजह से जावेद मियांदाद ने चयनकर्ताओं की आलोचना की है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मियांदाद ने कहा, उनको खुद को नहीं पता। उन्होंने क्रिकेट खेली है? जो जिस लेवल पे क्रिकेट खेली है, वो सिलेक्शन कर रहे हैं बाबर आजम की। उसको क्या नजर आएगा? बाबर आजम इज अ ग्रेट प्लेयर। अप्स एंड डाउन्स होते हैं। क्रिकेट एक रेडियो की तरह है- आपको स्टेशन पकड़ना होता है। जब आप विकेट पर जाते हैं और गेंदबाज आता है तो आप सोचते हैं कि हां, मैं यह कर सकता हूं।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम सलमान अली आगा की कप्तानी में चुनी गई है। सलामी बल्लेबाज के रूप में फखर जमां के साथ सईम अयूब और साहिबजादा फरहान को चुना गया है। विकेटकीपर के रूप में मोहम्मद हारिस को मौका दिया गया है। एशिया कप में पाकिस्तान की टीम भारत के साथ ग्रुप ए में है। इसमें ओमान और यूएई की भी टीम है। 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ पाकिस्तान के अभियान की शुरुआत होगी। 14 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

हैदराबाद को भारतीय सिनेमा निर्माण का केंद्र बनाया जाएगा : सीएम

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं से हुई मुलाकात

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद को भारतीय सिनेमा निर्माण का केंद्र बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि फिल्म क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में विभिन्न श्रेणियों में चयनित फिल्मी हस्तियों ने सोमवार शाम मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। फिल्मी हस्तियों ने फिल्म उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों से मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

बाद में, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुरस्कार विजेताओं भगवंत केसरी फिल्म के निर्देशक अनिल रविपुडी, हनुमान के निर्देशक प्रशांत वर्मा, वेंकट, श्रीनिवास, टीम के सदस्यों, फाइट मास्टर नंदू, पृथ्वी, बेबी फिल्म के निर्देशक साई राजेश और गायक रोहित को फिल्म के दृश्य प्रभावों पर उनके काम के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम में हनुमान फिल्म के निर्माता चैतन्य रेड्डी, निरंजन रेड्डी, बेबी फिल्म के निर्माता एसकेएन, भगवंत केसरी के निर्माता गरपति साहू और अन्य ने भाग लिया।

प्रेस सेवा पोर्टल पारदर्शिता और त्वरित अनुमोदन सुनिश्चित करने वाला एकल-खिड़की समाधान : पीआरजीआई

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी), हैदराबाद ने सोमवार को कवाडीगुडा स्थित सीजीओ टावर्स में प्रकाशकों की समस्याओं पर विचार-विमर्श हेतु 'वार्तालाप' नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। अपने संबोधन में, भारत के प्रेस महापंजीयक (पीआरजीआई) योगेश बावेजा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए प्रेस सेवा पोर्टल को एकल-खिड़की समाधान के रूप में पेश किया गया है।

इस पहल का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, अनुमोदन में तेज़ी लाना और प्रकाशकों के लिए व्यवसाय करने में आसानी को बेहतर बनाना है।

इससे पहले, पीआईबी हैदराबाद की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल ने बताया कि तेलंगाना में यह अपनी तरह का पहला इंटरैक्टिव सत्र था, जिसका उद्देश्य प्रकाशकों के प्रश्नों को स्पष्ट करना और नए पीआरपी अधिनियम पर मार्गदर्शन प्रदान करना था। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पीआईबी हैदराबाद, पीआरजीआई के सहयोग से, जल्द ही प्रकाशकों के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन स्थापित करेगा। उप प्रेस रजिस्ट्रार आशुतोष मोहले ने नए अधिनियम पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि मार्च 2024 से पूरी पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि 60 दिनों के भीतर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो आवेदन स्वीकृत माने जाएंगे।

उन्होंने प्रकाशकों द्वारा एजेंटों से बचने और सीधे पीआरजीआई पोर्टल का उपयोग करने के महत्व पर ज़ोर दिया। एनआईसी के सहायक निदेशक गौरव शर्मा ने पोर्टल का लाइव प्रदर्शन किया। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के प्रकाशकों ने इस इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। उप निदेशक डॉ. मानस कृष्ण कांत सहित पीआईबी के अधिकारियों, मीडिया एवं संचार अधिकारी गायत्री और शिवचरण रेड्डी, और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने दोनों राज्यों के प्रकाशकों के साथ कार्यशाला में भाग लिया।

गोकुलनगर में करंट से छह की मौत

भगवान श्रीकृष्ण का रथ ले जाते समय हुआ हादसा

3 की हालत गंभीर, घायलों में केंद्रीय मंत्री का गनमैन भी शामिल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामनतापुर के गोकुलनगर में रविवार आधी रात को श्री कृष्णाष्टमी रथ जुलूस उस समय दुखद हो गया जब 6 लोगों की करंट लगने से मौत हो गई और 3 अन्य झुलस गए। यह हादसा उस समय हुआ जब सजे हुए रथ को खींचने वाला वाहन खराब हो गया। कुछ युवकों ने उसे हाथ से धकेलने की कोशिश की, इसी दौरान रथ कथित तौर पर ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के संपर्क में आ गया। जानकारी के अनुसार, नौ लोगों को करंट का झटका लगा और स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें बचाने तथा अस्पताल ले जाने के बावजूद, अस्पताल में डॉक्टरों ने 6 को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान कृष्णा यादव (21), सुरेश यादव (34), श्रीकांत रेड्डी (35), रुद्र विकास (39) और राजेंद्र रेड्डी (15), गणेश (21) के रूप में हुई है। हादसे में घायल हुए 3 अन्य लोगों का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे में घायल हुए तीन अन्य लोगों में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के गनमैन वी श्रीनिवास भी शामिल हैं, जिनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उप्पल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएमडी ने दुर्घटनास्थल का किया दौरा

रामंतापुर में लापरवाही का लगाया आरोप

सोमवार दोपहर को उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण रामंतपुर के गोकुल नगर में श्री कृष्णाष्टमी रथ जुलूस के दौरान छह लोगों की मौत हो गई। तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीएसएसपीडीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एमडी मुशर्रफ फारुकी ने अन्य बिजली विभाग और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ निरीक्षण के लिए दुर्घटना स्थल का दौरा किया। उनके दौरे के दौरान, निवासियों ने बिजली विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अधिकारियों का रास्ता रोक दिया। उन्होंने कहा कि केबल के तार नीचे लटक रहे थे और कई जगहों पर क्षतिग्रस्त तार लटक रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने मरम्मत, रखरखाव या निवारक उपाय नहीं किए, जिससे यह हादसा टल सकता था। मुशर्रफ फारुकी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वह पीड़ितों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि पर चर्चा करने और जाँच के आदेश देने के लिए सरकार और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के समक्ष यह मामला उठाएँगे। उन्होंने मृतकों और घायलों के परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इस बीच, स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग के विरोध में दुर्घटनास्थल से एक रैली निकालने का भी प्रयास किया। हालाँकि, भारी संख्या में मौके पर पहुँची पुलिस ने रैली को रोक दिया और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा

सरकार ने दिए जांच के आदेश रमंतपुर में शोभा यात्रा में भाग लेने के दौरान बिजली का करंट लगने से मारे गए छह लोगों के परिवार के सदस्यों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा करते हुए, आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि यह दुर्घटना केबल तार से प्रवाहित करंट के कारण हुई थी। मंत्री ने सोमवार को गांधी अस्पताल का दौरा कर उपचार करा रहे मरीजों का हालचाल जाना और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि घायलों का पूरा चिकित्सा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। श्रीधर बाबू ने कहा, 'यह घटना बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। यह और भी दुखद है कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब शोभा यात्रा अपने समापन से सिर्फ़ 100 मीटर दूर थी।'

मंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को जिला कलेक्टर की देखरेख में घटना की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं। श्रीधर बाबू ने कहा, 'जांच रिपोर्ट आने के बाद ज़िम्मेदार पाए जाने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हमने ग्रेटर हैदराबाद में लटके हुए केबल और बिजली के तारों से होने वाले ख़तरों की समीक्षा और समाधान के लिए एक विशेष जाँच का भी आदेश दिया है।'

केटीआर ने जताया शोक

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रामंतपुर के गोखले नगर में हुए दुखद हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है, जहाँ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह के दौरान बिजली का करंट लगने से 6 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। रामा राव ने एक बयान में कृष्णा यादव, श्रीकांत रेड्डी, सुरेश यादव, रुद्र विकास और राजेंद्र रेड्डी की मृत्यु को हृदयविदारक बताया।

करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

सिद्दीपेट, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जंगली सूअरों को खेतों में प्रवेश करने से रोकने के लिए लगाई गई बिजली की बाड़ ने सोमवार को चिन्ना कोडुर मंडल के गंगापुर गांव में एक किसान और उसके बेटे की जान ले ली।

मृतकों की पहचान एम. गजेंद्र रेड्डी (60) और उनके बेटे विजयेंद्र रेड्डी (27) के रूप में हुई है।

वे सुबह अपने खेत गए थे और काम करते समय गलती से बिजली के तार की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरा गांव स्तब्ध रह गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद और पड़ोसी जिलों में भारी बारिश

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और पड़ोसी जिलों मेडचल-मलकजगिरी और रंगारेड्डी में मध्यम से भारी बारिश जारी है। तीनों जिलों में रविवार रात से सोमवार तड़के तक 20 मिमी से 46 मिमी तक बारिश हुई, जिसके कारण बादल छाए रहे और मौसम नम रहा। निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव में, हैदराबाद और उसके बाहरी इलाकों में रविवार रात से ही भारी बारिश होने लगी। हैदराबाद के मुख्य इलाके अपेक्षाकृत शुष्क रहे, जबकि मेडचल-मलकजगिरी और रंगारेड्डी जिलों के अंतर्गत आने वाले इलाकों में भारी बारिश हुई।

तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के वर्षा आंकड़ों के अनुसार, मेडचल-मलकजगिरी में हैदर नगर, एचएमटी हिल्स, कुकटपल्ली में सबसे अधिक 46.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद मलकजगिरी में विनायक नगर में 45 मिमी बारिश हुई। अधिकतम वर्षा दर्ज करने वाले कुछ अन्य क्षेत्रों में राजीव गृहकल्पा, मेडचल-मलकजगिरी में गजुलारामराम (43.8 मिमी), कपरा (42.5 मिमी), सेरिलिंगमपल्ली में हैदराबाद विश्वविद्यालय (42.5 मिमी), कुशाईगुडा पुराना वार्ड कार्यालय, कपरा में चेरलापल्ली क्षेत्र (42.3 मिमी), जेपीएन नगर सामुदायिक हॉल के पास के क्षेत्र, चंदनगर (41 मिमी), कुकटपल्ली में शमशीगुडा (40.5 मिमी) शामिल हैं।

2027 तक एक करोड़ लोगों के लिए एआई-संचालित नागरिक सेवाएं : श्रीधर बाबू

सरकारी अधिकारियों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की है कि राज्य सरकार 2027 तक एक करोड़ लोगों को एआई-संचालित नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वे सोमवार को जुबली हिल्स स्थित डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में सरकारी अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आईटी विभाग के उभरते प्रौद्योगिकी विंग द्वारा "एआई-संचालित डिजिटल परिवर्तन- चैंपियन और उत्प्रेरक कार्यक्रम" विषय पर आयोजित किया गया था। मंत्री ने कहा, हमारी सरकार समस्या आने के बाद प्रतिक्रिया देने वाली सरकार नहीं है। हम सक्रिय, पारदर्शी और दूरदर्शी होने में विश्वास करते हैं। एआई की मदद से, हमारा लक्ष्य एक ऐसा तेलंगाना बनाना है जहां नागरिक सेवाएं लोगों के मांगने से पहले ही उन तक पहुंच जाएं।

उन्होंने तेलंगाना को 5 अरब डॉलर की एआई अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिससे हज़ारों नए रोजगार पैदा होंगे। श्रीधर बाबू ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एआई सिटी, एआई विश्वविद्यालय और तेलंगाना एआई इनोवेशन हब जैसी पहलों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। तेलंगाना के अग्रणी प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि यह राज्य देश में एआई-संचालित तेलंगाना डेटा एक्सचेंज (टीजीडीईएक्स) शुरू करने वाला पहला राज्य है, जो अब अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बन रहा है। श्रीधर बाबू ने कहा कि इस गति को आगे बढ़ाते हुए, सरकार 20 विभागों में 300 से अधिक नागरिक सेवाओं को एआई-संचालित प्लेटफार्मों के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। इस पहल के तहत, 20 विभागों के 250 अधिकारियों को विशेष एआई प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में, इन अधिकारियों को एआई विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा ताकि उन्हें शासन और सेवा वितरण में उभरती प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने में मदद मिल सके।

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, उप सचिव भावेश मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर महाप्रबंधक ने दिए कई निर्देश

अपर महाप्रबंधक और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों, अर्थात् विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने नई पटरियां बिछाने, सिग्नल कार्य आदि सहित बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को करते समय सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने दोहराया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शॉर्टकट तरीकों से पूरी तरह बचना चाहिए। महाप्रबंधक ने ट्रेनों के सुचारू संचालन और अग्निशामक यंत्रों आदि सभी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरे जोन में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की भी समीक्षा की। महाप्रबंधक ने चालक दल के कार्य घंटों पर चर्चा की और अधिकारियों को एक व्यवस्थित अध्ययन करने और ड्यूटी पर तैनात चालक दल को उचित समय और अंतराल पर उचित आराम प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सावधानीपूर्वक कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। बाद में, चेतना नंद सिंह, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, एससीआर ने 18 अगस्त से 17 नवंबर, 2025 तक जोन द्वारा चलाए जा रहे सतर्कता जागरूकता अभियान पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। उन्होंने अभियान अवधि के दौरान शामिल किए जाने वाले विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बताया, जिनमें मुख्य फोकस क्षेत्र परिसंपत्ति प्रबंधन और डिजिटल पहल थे।

जीएचएमसी को 'प्रजावाणी' में 152 शिकायतें और अनुरोध मिले

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जीएचएमसी में आयोजित 'प्रजावाणी' कार्यक्रम के दौरान कुल 152 शिकायतें और अनुरोध प्राप्त हुए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान कुल 55 अनुरोध प्राप्त हुए, जबकि जीएचएमसी के अंतर्गत आने वाले छह क्षेत्रों से कुल 97 अनुरोध प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली क्षेत्र में 44, सिकंदराबाद क्षेत्र में 18, सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र में 18, एलबी नगर क्षेत्र में 8, चारमीनार क्षेत्र में 7 और खैरताबाद क्षेत्र में 2 अनुरोध प्राप्त हुए। प्रजावाणी के दौरान जनता से प्राप्त शिकायतों और अनुरोधों को प्राप्त करने वाले जीएचएमसी अधिकारियों ने उन्हें शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंप दिया। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में सीईओ सहदेव रत्नाकर, अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल सत्यनारायण, पंकजा, मंगतयारू, सुभद्रा, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, वेंकन्ना, प्रदीप, रंजीत, डिप्टी सीईओ संपदा, पनासा रेड्डी, पीवी राव, ईई पीवी रविंदर राजेश्वर राव ममता, सीएम एंड एचओ डॉ. पद्मजा, संयुक्त आयुक्त मोहन रेड्डी, शंकर और अन्य उपस्थित थे।

टीटीडी ने श्रद्धालुओं से दर्शन या आवास के लिए बिचौलियों से संपर्क न करने की अपील की

तिरुमाला, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तिरुमाला आने वाले श्रद्धालुओं से दर्शन या आवास के लिए दलालों या बिचौलियों से संपर्क न करने की अपील की है। भक्तों को सलाह दी जाती है कि वे केवल टीटीडी की आधिकारिक वेबसाइट या टोकन जारी करने वाले काउंटरों के माध्यम से ही दर्शन बुक करें। हाल ही में, हैदराबाद के वाई. विश्वनाथ नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि वनम नटराज नरेंद्र कुमार और के.एस. नटराज शर्मा ने वीआईपी ब्रेक दर्शन टिकट की व्यवस्था करने का दावा करते हुए उनसे 90 हजार रुपये वसूल लिए। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने 16 अगस्त, 2024 को 12 सदस्यों के लिए वीआईपी ब्रेक दर्शन टिकट देने का वादा किया और 90 हजार वसूल लिए। हालांकि, बार-बार अनुरोध और फोन कॉल के बावजूद, उन्होंने न तो टिकट दिए और न ही पैसे वापस किए। जांच के दौरान, टीटीडी विजिलेंस ने पाया कि आरोपी हैदराबाद और आसपास के इलाकों में इसी तरह कई लोगों को ठग रहे हैं। उनके खिलाफ लगभग 12 पुलिस मामले पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं। टीटीडी ने स्पष्ट किया है कि वनम नटराज नरेंद्र कुमार और के.एस. नटराज शर्मा टीटीडी के कर्मचारी नहीं हैं और उनका टीटीडी से कोई संबंध नहीं है। टीटीडी को अक्सर श्रद्धालुओं से फर्जी दर्शन टिकट बुकिंग की शिकायतें मिलती रहती हैं। इसलिए, टीटीडी श्रद्धालुओं को अनधिकृत वेबसाइटों या बिचौलियों पर भरोसा न करने की सख्त सलाह देता है और केवल आधिकारिक टीटीडी वेबसाइट या आधार विवरण का उपयोग करके टीटीडी मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करने की सलाह देता है।

संतोष कुमार वर्मा ने हैदराबाद मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संतोष कुमार वर्मा ने सोमवार को दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे भारतीय रेलवे भंडार सेवा (आईआरएसएस) के 1995 बैच के अधिकारी हैं। मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, वे उपभोक्ता मामले मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। संतोष कुमार वर्मा ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई (इंजीनियरिंग स्नातक) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से एम.टेक की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, नागपुर/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, उप-मुख्य सामग्री प्रबंधक/केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (सीओआरई)/प्रयागराज जैसे विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने निदेशक/भंडार/अनुसंधान विकास एवं मानकीकरण संगठन (आरडीएसओ)/लखनऊ, मुख्य सामग्री प्रबंधक/उत्तर पश्चिम रेलवे/अजमेर, अपर मंडल रेल प्रबंधक/हुबली मंडल/दक्षिण पश्चिम रेलवे के पद पर भी कार्य किया है। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी)/हैदराबाद, इनसीड/सिंगापुर और आईसीएलआईएफ/मलेशिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से लोक नीति प्रबंधन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

सरकार धनराशि प्राप्त करने के लिए केंद्र को रिपोर्ट सौंपेगी : लक्ष्मण कुमार

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में विभागीय समीक्षा बैठक हुई।

यह समीक्षा बैठक केंद्र सरकार की ओर से समाज कल्याण विभाग द्वारा राज्य सरकार को प्राप्त होने वाली धनराशि पर आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने बताया कि राज्य के मुख्य सचिव (सीएस) और समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिवों के साथ धनराशि की स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई और सभी मुद्दों की व्यापक समीक्षा के बाद केंद्र सरकार को प्रस्तुत करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार की गई। मंत्री ने कहा, पिछली सरकारों में इसकी समीक्षा न करने में पूर्व शासकों की लापरवाही के कारण, केंद्र सरकार से धनराशि न मिलने के कारण गरीबों को मिलने वाली कई कल्याणकारी योजनाएं विफल हो गई हैं। उ

न्होंने यह भी कहा कि मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से, वे एक के बाद एक समीक्षा कर रहे हैं और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए, इस पर निर्णय ले रहे हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक गुरुकुल विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएंगे और कहा कि किसी भी परिस्थिति में शिक्षा की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि गुरुकुलों में भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जानी चाहिए और कहा कि राज्य सरकार इसके लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराएगी। मंत्री महोदय ने कहा कि वे शीघ्र ही दिल्ली जाकर सीधे केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि राज्य को देय धनराशि शीघ्र प्राप्त हो।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.